You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

❒ वर्ष-14 ❒ अंक-132 ❒ शनिवार, 14 जून 2025 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

दुनिया में मछली उत्पादन में भारत का स्थान दूसरा है। मछली उत्पादन मुनाफ़े का व्यवसाय है, जिसमें मछली उत्पादक अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकता है।

राजीव रंजन सिंह

नए कलेवर में नजर आ रहे सीमा प्रहरी 11

राजद नेता ने एसडीओ को समस्याओं के निराकरण को लेकर सौंपा ज्ञापन 12

प्रधानमंत्री ने विमान हादसा स्थल का जायजा लिया और घायलों से मिले, ब्लैक बॉक्स मिला, राहत कार्य जारी

कल से सभी बोइंग ड्रीमलाइनर की होगी जांच

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एअर इंडिया के विमान हादसा स्थल पर पहुंच कर वहां चलाए जा रहे राहत कार्यों का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों से मिले। उन्होंने विमान हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री से भी बातचीत की। दुर्घटनास्थल पर आज भी बड़े स्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी है। काफी संख्या में राहतकर्मियों की टीमें लगाई गई हैं। हादसे में मृतकों की पुख्ता पहचान के लिए आज बड़ी संख्या में परिजनों के डीएनए सैंपल लिए गए। आज एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने क्षतिग्रस्त हॉस्टल की छत से ब्लैक बॉक्स को खोज निकाला है। जिससे हादसे के बारे में खास जानकारी हासिल हो सकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह विमान हादसा स्थल पर पहुंचकर विमान हादसे के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। वे अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने गए और करीब 10 पीड़ितों व उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विमान हादसे के शिकार हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। प्रधानमंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृहराज्य मंत्री हर्ष संघवी भी रहे। प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक कर हादसे के बाद की परिस्थितियों और राहत कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उधर, हादसा स्थल पर व्यापक रूप से राहत कार्य जारी है। इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों की पुख्ता पहचान के लिए बड़े स्तर पर परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं।विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के अबतक 219 परिजनों के डीएनए टेस्टिंग और ब्लड सैंपल लिए गए हैं। बाकी परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। एफएसएल की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीसों घंटे कार्यरत हैं। हादसे के एक दिन बाद शुक्रवार को एएआईबी ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था। विमान हादसे की जांच में 8 एजेंसियां नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी, गुजरात पुलिस, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ● शेष पेज 11 पर

राहत

❒ दूर्घटनाग्रस्त का विमान ब्लैक बौक्स बरामद, खुलेगा एआई प्लेन क्रैश का राज

भूमि के लिए ट्रैफिक जाम बना वरदान

अहमदाबाद । अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सिर्फ दस मिनट देर से पहुंचना भूमि चौहान के लिए उस समय वरदान बन गयाए जब लंदन जा रही उसकी एयर इंडिया की उड़ान एआई 171 छूट गयी और उसकी जान बच गयी। गौरतलब है कि अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर 787 गुरुवार को उड़ान भरने के तत्काल बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।यह विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद हवाई अड्डे के निकट एक अस्पताल के हॉस्टल पर गिर गया था।

प्रधानमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक कर दिशा-निर्देश दिए

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचकर दुर्घटना स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों ने विस्तार से दुर्घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने विमान हादसे के दौरान ● शेष पेज 11 पर

मोदी ने रमेश विश्वास कुमार से की मुलाकात

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में हुई भीषण विमान दुर्घटना ने सिर्फ देश ही नहीं, सारी दुनिया को भी झकझोर दिया है। इस हादसे में 265 लोगों की मौत हो गई, लेकिन एक खुशनसीब यात्री हैं रमेश विश्वास कुमार। वह काल के मुंह से बाहर आ गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज इस चमत्कारिक रूप से बचे यात्री से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल के बेड पर लेटे रमेश विश्वास ने बताया, ''रनवे पर विमान की रफ्तार बढ़ने के साथ ही मुझे कुछ अजीब सा महसूस हुआ। अचानक 5-10 सेकंड के लिए सब कुछ थम सा गया। फिर एकाएक हरी और सफ़ेद लाइट्स जलीं। ऐसा लगा पायलट ने टेकऑफ के लिए पूरी ताकत लगा दी हो। और फिर३ विमान इमारत से टकरा गया।

मेरी सीट वाला हिस्सा शायद नीचे गिरा

विश्वास ने बताया कि जिस जगह पर वह बैठा था, वह हिस्सा शायद बिल्डिंग के नीचे के हिस्से से टकराया था। ऊपर आग लगी हुई थी और कई लोग उसमें फंस गए थे। शायद मैं सीट के साथ नीचे गिरा और किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा। दरवाजा टूटा हुआ था, सामने थोड़ी खुली जगह दिखी तो मैं निकलने की कोशिश की।

दूसरी तरफ दीवार थी...

रमेश ने कहा कि उसने दो एयर होस्टेस, एक अंकल-आंटी और अन्य लोगों को जलते देखा। इस हादसे में मेरा बायां हाथ बुरी तरह झुलस गया, लेकिन जान बच गई। वह कहता है, ल्लजैसे ही मैं बाहर आया, आग तेजी से फैल गई। अगर कुछ सेकंड और रुक जाता, तो शायद...।ङ्क

मेरा भाई भी मेरे साथ था

रमेश और अजय दो भाई हैं जो यूके के लेस्टर शहर में रहते थे। दोनों साथ यात्रा कर रहे थे। तीसरे भाई नयन भी वहीं रहते हैं। उन्होंने टेलीफोन पर बातचीत में कहा, ''हमने रमेश से बात की, वह अस्पताल में है और ठीक है। लेकिन अजय की कोई खबर नहीं है। हम लगातार जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। नयन ने कहा, ''हम अगली फ्लाइट से भारत के लिए रवाना हो रहे हैं। उम्मीद है कि जैसे रमेश सुरक्षित है, वैसे ही अजय के बारे में भी कोई अच्छी खबर मिले।'' जब रमेश से पूछा गया कि हादसा कैसे हुआ, तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता... मैं कैसे बचा, ये भी समझ नहीं आ रहा।''

परिवार में गम का माहौल

रमेश ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 7,131 , एक की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में कुछ कमी आती दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आज के आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 7,131 हो गई है। पिछले 24 घंटों में केरल में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अच्छी बात यह है कि इस साल अब तक 10976 से ज्यादा लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। केरल और दिल्ली जैसे राज्यों में कोरोना के मामलों में थोड़ी कमी दिखाई दे रही है। हालांकि केरल में कोरोना के अभी भी सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। केरल में आज सक्रिय मामलों की संख्या 2055 रिपोर्ट की गई है। कोरोना डैशबोर्ड के अनुसार, गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी इस साल काफी अधिक संख्या में सक्रिय मामले दर्ज किए हैं।

नक्सलियों ने स्वीकारा- इंद्रावती टाइगर रिजर्व में मारे गए थे उनके 7 सहयोगी

बीजापुर, 13 जून (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में हुई मुठभेड़ को लेकर नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिविजन के सचिव मोहन ने शुक्रवार को पर्चा जारी कर 7 नक्सली साथियों के मारे जाने की बात स्वीकार किया है। गौरतलब है कि बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में 5, 6 और 7 जून को अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने सात नक्सलियों को ढेर किया था। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़े कैडर के नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी मेंबर गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य भास्कर सहित कुल 7 नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली थी।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन हो गया है। संजय ने 53 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड में अंतिम सांस ली। पोलो खेलते समय उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उनके असामयिक निधन से कपूर परिवार और उनके करीबी गहरे सदमे में हैं।

अगले दो दिन और सताएगी भीषण गर्मी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❒ उत्तर पश्चिम भारत में रविवार से बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 - 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शनिवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति बनी रहेगी। बहुत हल्की बारिश, आंधी के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40 से 42 डिग्री सेल्सियस और 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार को भी कमोवेश इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार ● शेष पेज 11 पर

आबकारी घोटाला : कांग्रेस नेता कवासी लखमा व उनके बेटे की संपत्ति समेत कांग्रेस जिला कार्यालय की इमारत अटैच

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के चर्चित आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा की संपत्ति को अटैच कर दिया है। अटैच की गई संपत्ति में सुकमा स्थित कांग्रेस जिला कार्यालय की इमारत भी है। यह पहली बार है जब किसी राजनीतिक पार्टी के कार्यालय को अटैच किया गया है। ईडी ने यह कार्रवाई 11 जून को की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी शुक्रवार को दी गई। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया है कि हरीश लखमा ने आबकारी घोटाले से अर्जित कालेधन का निवेश अचल संपत्तियों में किया था। अटैच की गई संपत्तियों में सुकमा स्थित बहुमूल्य भूमि, भवन और बैंक खातों में जमा राशि भी शामिल है। इस कार्रवाई में सुकमा स्थित जिस कांग्रेस कार्यालय को अटैच किया गया है, वह संपत्ति हरीश लखमा के नाम पर दर्ज है। यह भवन लंबे समय से कांग्रेस का जिला कार्यालय रहा है। जांच में पाया ● शेष पेज 11 पर

पढ़े-लिखे योग्य युवाओं के दरवाजे खुद पहुंच रही योगी सरकार

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❒ योग्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए यूनिवर्सिटी, कॉलेज और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की सीएम युवा योजना अब सिर्फ योजना नहीं, बल्कि स्वरोजगार की नई क्रांति बनकर उभर रही है। इस योजना के अंतर्गत अब सरकार स्वयं योग्य और शिक्षित युवाओं को खोजकर उन्हें पांच लाख रुपये तक का ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। इस योजना के तहत विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक जनपद में अधिकारियों की टीम विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर ऐसे युवाओं को चिन्हित करेगी जो या तो ग्रेजुएशन के अंतिम वर्ष में हैं या पढ़ाई पूरी करने के बाद भी बेरोजगार हैं। उन्हें चिह्नित कर योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का लोन बिना ब्याज और बिना गारंटी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वो स्वरोजगार से जुड़कर दूसरों के लिए भी रोजगार का प्रबंध कर सकें। सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार योगी सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि इस योजना से सभी योग्य, शिक्षित और प्रगतिशील सोच वाले युवाओं को जोड़ा जाए ताकि वे खुद का व्यवसाय स्थापित कर न केवल खुद को बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकें। सरकार चाहती है कि युवाओं को 'बेरोजगार' की जगह 'स्वरोजगार' के रास्ते पर लाया जाए। योजनाओं के तहत संबंधित ट्रेड में उन्हें पांच लाख रुपये तक का लोन और तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे उनका स्टार्टअप या व्यवसाय सफल हो सके। इसके लिए इसी माह से टीमें गठित कर सभी 75 जनपदों में अभियान चलाया जाएगा। यूनिवर्सिटीज, डिग्री कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज समेत उच्च शिक्षण संस्थाओं में ऐसे युवाओं की तलाश होगी जो अपने प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए आर्थिक मदद की तलाश में हों। ऐसे युवाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें बिना ब्याज और बिना गारंटी के पांच लाख तक का लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस योजना को और गति देने के लिए अधिकारियों को भी विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके तहत, निर्यात भवन लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला ● शेष पेज 11 पर

हमले के बाद भड़का ईरान अमेरिका संग होने वाली परमाणु वार्ता की रद्द

इजरायली हमले से ईराक के 78 लोगों की मौत, 329 घायल

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

❒ इजरायल ने उत्तरी ईरान के तबरीज पर 10 अलग.अलग ठिकानों पर बमबारी की इजरायली अधिकारियों ने किया खुलासा

❒ इजरायल नं एयर स्ट्राइक से पहले ही हथियार और ड्रोन ईरान के भीतर पहुंचा दिए थे

❒ रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के हमले में कम से कम 20 वरिष्ठ ईरानी कमांडर मारे गए हैं

नई दिल्ली । मध्य.पूर्व में तनाव अपने चरम पर है इजरायल द्वारा ईरान की राजधानी तेहरान पर की गई एयरस्ट्राइक में अब तक कम से कम 78 लोगों की मौत और 329 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं यह जानकारी ईरान के सरकारी मीडिया ने गुरुवार को दी। ईरान के कई सरकारी ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए इजरायल ने अब तक 5 चरणों में हवाई हमले किए हैं इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह हमले पूरी तरह योजनाबद्ध थे और इनमें 20 से अधिक ईरानी वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौत हुई है।

दरअसल इजरायल ने ईरान पर विमानों से बम बरसाए हैं इजरायल ने उत्तरी ईरान के तबरीज पर 10 अलग-अलग ठिकानों पर बमबारी की इजरायली अधिकारियों ने खुलासा किया कि उन्होंने इस एयर स्ट्राइक से पहले ही हथियार और ड्रोन ईरान के भीतर पहुंचा दिए थे । और समय आते ही उनसे हमला किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के हमले में कम से कम 20 वरिष्ठ ईरानी कमांडर मारे गए हैं। इसमें ईरानी ● शेष पेज 11 पर

भारत की ईरान-इजराइल से संयम बरतने की अपील, दोनों का मित्र होने के नाते सहयोग को तैयार

नई दिल्ली। भारत ने ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत हालात पर बारीकी से नजर रखे हुए है, विशेष रूप से परमाणु ठिकानों पर हुए हमलों से जुड़ी खबरों पर। विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे से बचें और स्थिति को और ● शेष पेज 11 पर

उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्सः नड्डा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

जेपी नड्डा शुक्रवार को नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित ह्सर्वोत्तम प्रथाओंह्व पर सम्मेलन के पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) ● शेष पेज 11 पर

एसडीएम ने जीवन रेखा मेडिकेयर हॉस्पिटल का किया निरीक्षण, दिये सख्त निर्देश

एसडीएम के निरीक्षण के दौरान मिले कई खामियां, अधीक्षक से दो दिन मे मांगी रिपोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह ने जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देश पर जीवन रेखा मेडिकयर हॉस्पिटल कस्बा कोरांव गाँधी चौराहा तुलसी विद्यालय रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएचसी अधीक्षक कोरांव के.बी. सिंह के साथ अस्पताल में मौजूद मरीजों और तीमारदारों से अल्ट्रासाउंड के बारे में जानकारी जुटाई। अन्ट्रासांउड के सम्बन्ध में मरीजों से भी बात की। कि उन्हे किस प्रकार की सुविधा मिल रही और जांचो का निर्धारित शुल्क क्या है। एसडीएम ने हास्पिटल के अधीक्षक से दो दिनों के भीतर निरीक्षण की आख्या मांगी है। बताते चले कि यह निरीक्षण एक वायरल वीडियो के बाद किया गया है, जिसमें अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड किए जाने का आरोप लगाया गया था। जिलाधिकारी ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए एसडीएम से जांच कर आख्या मांगी थी। अब एसडीएम की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले मे ज़ब जीवन रेखा मेडिकयर के प्रबंधक अनिल कुमार पाण्डेय से वार्ता किया गया उन्होंने बताया की हमारे यहाँ कुशल डॉ चिकित्सक व रेडीयोंलॉजिस्ट द्वारा मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाता है यही हमारा हमेसा प्रयास संकल्प रहता है ज़ब टीम द्वारा निरीक्षण किया गया स्टॉफ भी मौके पर मौजूद थे।

एसडीएम ने आईजीआरएस निस्तारण को लेकर की बैठक, संबधित अधिकारियों को दिये कड़े निर्देश

आईजीआरएस, पीजी पोर्टल, जन सुनवाई पोर्टल और संपूर्ण समाधान पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण न्यायोचित, निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार के साथ राजस्व निरीक्षक और राजस्व लेखपाल की बैठक में निर्देश दिए कि आईजीआरएस, पीजी पोर्टल, जन सुनवाई पोर्टल और संपूर्ण समाधान पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण न्यायोचित, निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि वादकारियों और अधिवक्ताओं के साथ मधुर व्यवहार और बातचीत बनाए रखना महत्वपूर्ण है। एसडीएम ने कहा कि शासन के मंशानुसार निष्पक्ष कार्य करना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।उन्होंने आगे निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण करते समय शिकायतकर्ता को मौके पर बुलाकर उनकी उपस्थिति में किया जाए, ताकि बार-बार एक ही मामले को लेकर शिकायत न आए। यदि चकमार्ग से संबंधित शिकायत है, तो तत्काल रिपोर्ट बनाकर संबंधित को भेजी जाए। इस तरह के निर्देश से शिकायतों का निस्तारण अधिक प्रभावी और पारदर्शी तरीके से हो सकेगा

संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

बंथरा] कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाके केकस्बे में शुक्रवार शाम एक अज्ञात युवक का शव पड़ा हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने देखते ही खबर पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया किंतु कोई सफलता नहीं मिली इसके बाद शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंथरा कस्बे के शिव सिंह जनरल स्टोर के पास सरवन पटवा का खराब डाला खड़ा है लोगों के अनुसार अज्ञात युवक उम्र करीब 30 वर्ष दोपहर से वहां जाकर लेट गया था जो की काफी देर तक वहीं पड़ा रहा और शाम तक नहीं उठने पर लोगों को संदेह हुआ जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो युवक की मौत हो चुकी थी, इसके बाद पुलिस ने शव को शिनाख्त कराने का प्रयास किया किंतु सफलता नहीं मिली युवक बनियान और पैंट पहने हुए था। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूषित जल की शिकायतों पर जलकल विभाग की त्वरित कार्रवाई

लखनऊ। नगर निगम के जलकल विभाग ने शहर में दूषित पानी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की है। शुक्रवार को विभाग ने विभिन्न जोनों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया, जिसमें पानी की गुणवत्ता की जांच की गई और समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल निर्देश जारी किए गए। जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह के नेतृत्व में जोन-1 के लालबाग, मीराबाई जोनल पंपिंग स्टेशन, नरही बाजार, सेठ रामजस लेन, बालेश्वर मंदिर लेन, रामजस रोड और तुफैल अहमद लेन में जल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान अधिशासी अभियंता उत्कर्ष राय, सचिन सिंह यादव, अवर अभियंता हरेंद्र यादव और जल परीक्षण विशेषज्ञ पुष्पेंद्र मौजूद रहे। इसके अलावा जोन-2 में राजाजीपुरम और जोन-3 में खदरा, निराला नगर, अलीगंज व रविंद्र गार्डन जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी पीएसएस राजेश कपूर और अरुण सिंह की देखरेख में जल नमूनों की जांच की गई। जोन-5 के आजाद नगर, नटखेड़ा, कैलाशपुर, प्रेम नगर और चंदन नगर में अधिशासी अभियंता विश्वनाथ गुप्ता और अवर अभियंता देवेंद्र बहादुर ने जल आपूर्ति प्रणाली की समीक्षा की और नागरिकों से उनकी समस्याएं सुनीं। महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने कहा जलकल विभाग स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिकायतों पर तुरंत जांच की जा रही है और जल नमूनों की रिपोर्ट के आधार पर पाइपलाइनों की मरम्मत या प्रतिस्थापन का कार्य शुरू होगा। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि जल गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम या संबंधित अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें।

हार्ट अटैक से मेडिकल स्टोर संचालक की मौत

बंथरा । थाना क्षेत्र में सुबह टहलकर घर पहुंचे मेडिकल संचालक की हार्ट अटैक आने से हुई मौत। चार दिन पहले उनके छोटे भाई की मौत सरोजनीनगर तहसील में हार्ट अटैक आने से हुई थी जिसको लेकर उनका भाई सदमे में था। थाना क्षेत्र में मेडिकल संचालक मोनू सिंह सुबह मॉर्निंग वॉक से लौटकर घर पहुंचे तभी उनको हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। उनके छोटे भाई अभिषेक सिंह ऊर्फ पवन के सरोजनीनगर तहसील में हार्ट अटैक आने से मौत हो गई थी जिसको लेकर वह सदमे में थे,शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे वापस आने पर उन्होंने शुगर और डिप्रेशन की दवा खाई कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी तब उनको परिजन प्राइवेट अस्पताल ले गए। उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में डॉक्टरों ने उनका मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर घर आए एक ही परिवार के चार दिन में दो बेटों के मौत से कोहराम मच गया। महिलाएं गस खाकर जमीन पर गिर गई , लोगों ने उन्हें संभालने की कोशिश की ढांढस बधाने के लिए उनके पास कोई शब्द नहीं थे। बंथरा निवासी 45 वर्षीय मोनू सिंह परिवार के साथ रहते थे। उनके छोटे भाई 25 वर्षीय अभिषेक सिंह ऊर्फ पवन सिंह वकील थे और सरोजनीनगर तहसील में वह प्रैक्टिस करते थे। 9 जून को तहसील में अचानक अभिषेक को हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई।मोनू सिंह पवन को बहुत चाहते थे और उन्हीं के नाम से वह मेडिकल स्टोर भी चलाते थे। पवन की मौत से वह डिप्रेशन में चले गए थे और उन्होंने डिप्रेशन की दवाई भी लेनी शुरू कर दी थी। शुक्रवार को उनकी भी मौत हो गई।मोनू के परिवार में उनकी पत्नी, पिता लाल बहादुर और उनकी मां हीरामणि है। बंथरा के हनुमान मंदिर के पास रहने वाले इस परिवार में अभिषेक सबके लाडले थे। दो बेटों की मौत से परिवार पूरी तरह से टूट गया है।

ड्यूटी से लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत

लखनऊ, मोहनलालगंज। कोतवाली क्षेत्र भावा खेड़ा गांव के पास बाइक सवार युवक की बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और फिर गुमटी व ईंट के चट्टे से भिड़ने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा भावा खेड़ा गांव के पास रायबरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान बाइस वर्षीय विशाल कश्यप पुत्र महादेव, निवासी रामपुर कुर्री सुदौली जनपद रायबरेली के रूप में हुई है। मृतक विशाल टाटा मोटर्स मटियारी लखनऊ में कार्यरत था और रोज की तरह अपनी ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। हादसे के वक्त वह अकेले ही बाइक से आ रहा था।परिजनों के अनुसार, विशाल तीन भाई-बहनों में छोटा था। मझले भाई का नाम शिवम कश्यप है जबकि उसकी एक बड़ी बहन है जिसकी शादी हो चुकी है। विशाल अपने शांत स्वभाव और मेहनत के लिए जाना जाता था। रोजमर्रा की तरह वह गुरुवार की शाम ड्यूटी से निकल कर घर की ओर जा रहा था कि तभी भावा खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार में उसकी बाइक अचानक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक उछलकर एक गुमटी और पास में ही लगे ईंटों के ढेर से जा टकराई, जिससे विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया।स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सांसद रवि किशन ने दिवंगत देवेश श्रीवास्तव को दी श्रद्धांजलि, परिजनों से की मुलाकात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी, गोरखपुर महानगर के दिवंगत अध्यक्ष स्मृतिशेष श्री देवेश श्रीवास्तव जी के असामयिक निधन पर सांसद रवि किशन शुक्ला ने उनके आवास पर पहुंचकर हवन एवं शांतिपाठ में भाग लिया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान उन्होंने दिवंगत नेता की पत्नी व पुत्री से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। रवि किशन ने कहा कि देवेश जी एक समर्पित कार्यकर्ता और संगठन के सच्चे सिपाही थे। उनका जाना हम सभी के लिए अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि महादेव उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग पर एलडीए की कार्यवाही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । एलडीए ने अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-7 और जोन-2 की टीमों ने गुरुवार को दुबग्गा और मोहनलालगंज क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान दुबग्गा में पांच अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया, जबकि मोहनलालगंज के खुजौली में एक अवैध निर्माण को सील किया गया। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि दुबग्गा क्षेत्र में रिंग रोड पर एसएचएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के पास लगभग 2,500 वर्गमीटर क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसी तरह, लीलाखेड़ा में 5,000 वर्गमीटर व सिद्धेश्वर मंदिर के पास 2,500 वर्गमीटर और बनियाखेड़ा में 10,000 वर्गमीटर तथा बनियाखेड़ा में 2,500 वर्गमीटर क्षेत्र में अनधिकृत प्लाटिंग का कार्य चल रहा था। इन सभी अवैध कॉलोनियों को विकसित करने के लिए प्राधिकरण से कोई ले-आउट स्वीकृति नहीं ली गई थी। प्रवर्तन टीम ने अभियान चलाकर इन सभी प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि मोहनलालगंज के खुजौली क्षेत्र में जगन्नाथगंज में धीरेन्द्र मिश्रा व अन्य द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के अवैध भवन निर्माण किया जा रहा था। इस निर्माण के खिलाफ विहित न्यायालय ने सीलिंग का आदेश जारी किया था। जिसके चलते प्रवर्तन टीम ने निर्माणाधीन भवन को सील कर दिया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ प्राधिकरण का अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि निर्माण या प्लाटिंग से पहले प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति अवश्य लें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया है, और शहर में नियमों का पालन सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वाटर पार्क के टिकटों की कालाबाजारी में दो युवक नामजद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी,लखनऊ । इटौंजा थाना क्षेत्र के बहुचर्चित नीलांश वाटर टीम पार्क के ब्लैक में टिकट बेचने का मामला गुरुवार को प्रकाश में आया है,जिसकी सूचना पाकर मौके पर जानकारी करने पहुंचे वाटरपार्क कर्मचारी को आरोपियों ने जमकर पीट दिया।वही नीलांश वाटर पार्क के डायरेक्टर संदीप श्रीवास्तव के मुताबिक वाटर पार्क के टिकट ब्लैक में बेचने की सूचना पाकर मौके पर वाटर पार्क के कर्मचारी इटौंजा थाना क्षेत्र के गोराही गांव निवासी हरि शंकर पासी को मौके पर भेजा गया था,जहां पहुंचने पर उसने देखा कि लखनऊ के हरदा निवासी विशाल उर्फ राजीव व दीपक पुत्र रामपाल नीलांश वाटर पार्क के टिकट ब्लैक में बेच रहे थे।जिसका उसने विरोध किया तो विशाल व दीपक ने कर्मचारी को मारने पीटने लगे।चिल्लाने की आवाज सुन अगल बगल के राहगीरों को आता देख पुलिस से शिकायत न करने के साथ जान से मारने की धमकी देते हुए दोनों आरोपी मौके से भाग निकले।जिसके बाद पीड़ित ने घटना की लिखित तहरीर इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक को देकर आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की।वही इटौंजा थाना प्रभारी के मुताबिक तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आरएसएम अस्पताल में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन आज

बीकेटी,लखनऊ। विश्व रक्तदाता दिवस के मौक़े पर आज बख्शी का तालाब साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्रा संयुक्त चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह नौ बजे से होगा।अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.वी.के.शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 14जून को विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता हैद्यइस दिन पूरे विश्व में स्वैच्छिक रूप से नियमित रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं का सम्मान कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया जाता है।विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून, 2025 का स्लोग्न'' *रक्त दें,आशा दें:साथ मिलकर हम जीवन बचाते''है*।वृहद रक्तदान शिविर का उद्घाटन पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव,चिकित्सा स्वास्थ्य,परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा के द्वारा किया जाएगाद्यरक्तदान,रक्त कोष, बलरामपुर चिकित्सालय की टीम के द्वारा किया जाएगा द्य राम सागर मिश्र हॉस्पिटल में ब्लड स्टोरेज यूनिट का संचालन किया जा रहा है।साथ ही इस अवसर पर मुख्यअतिथि द्वारा'' *एक पेड़ मां के नाम'' *पौधरोपण कर प्रत्येक मां को सम्मान समर्पित करेंगे।

मोहनलालगंज क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में मिला अधेड़ का शव

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के पूरनपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के निवासी एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पड़ा मिला। मृतक की पहचान धर्मराज पुत्र राम प्रसाद के रूप में हुई है, जो पूरनपुर गांव का ही रहने वाला था।मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे गांव के लोगों ने शव को गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क किनारे देखा, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने शव का निरीक्षण किया। प्राथमिक जांच में धर्मराज के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। केवल नाक से हल्का रक्त निकलता हुआ पाया गया है, जिससे मौत के कारणों पर संशय बना हुआ है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचायतनामा भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

राष्ट्रीय पर्यावरणीय सेवा सम्मेलन एवं मस्केटियर्स अवॉर्ड्स 2025 में डॉ. राजेश्वर सिंह हुए शामिल

नई दिल्ली के राष्ट्रीय सम्मेलन में विधायक ने अंतरपीढ़ीय जलवायु न्याय की वकालत की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने राष्ट्रीय पर्यावरणीय सेवा सम्मेलन एवं पर्यावरण मस्केटियर्स अवॉर्ड्स 2025 में भाग लिया, जिसका आयोजन सेवाएं निर्यात संवर्धन परिषद (ट्टक्ष्ग्ए) द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में होटल द ललित, नई दिल्ली में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित डॉ. सिंह ने भारत की हरित नेतृत्व क्षमता के लिए एक दूरदर्शी खाका प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हरित नवाचार, क्ट्टक्कसुधार, कौशल विकास और अंतरपीढ़ीय जलवायु न्याय पर विशेष बल दिया।सरकारी अधिकारियों, जलवायु विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं और नवप्रवर्तकों की इस उच्चस्तरीय सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहाः ्ल्लऔद्योगिकीकरण के बाद से पृथ्वी का तापमान पहले ही 1.5लए बढ़ चुका है। यदि यह 0.5लए और बढ़ा, तो अनेक पारिस्थितिकी तंत्र अपरिवर्तनीय क्षरण की ओर बढ़ सकते हैं। आज 8 मिलियन में से 1 मिलियन से अधिक प्रजातियाँ विलुप्ति के खतरे में हैं, और 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक हो सकता है। यह अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि नैतिक, संवैधानिक और अंतरपीढ़ीय उत्तरदायित्व का विषय है।ङ्क*डॉ. सिंह के संबोधन से मुख्य बिंदुः भारत की हरित क्रेडिट एवं कार्बन व्यापार क्षमता -* *क्ता बिलियन का कार्बन क्रेडिट बाजार:*भारत के पास क्ता बिलियन से अधिक मूल्य का कार्बन क्रेडिट बाजार बनाने की क्षमता है, परंतु यह क्षेत्र अभी तक विकसित नहीं हो सका है। यदि इसे रणनीतिक रूप से सक्रिय किया जाए, तो वैश्विक निवेश आकर्षित किए जा सकते हैं और उत्सर्जन में कटौती को प्रोत्साहन मिल सकता है।*हरित क्रेडिट सृजन की विशाल क्षमता:*भारत की कृषि भूमि, 186 ब्द्ब+ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, और अपशिष्ट प्रबंधन नवाचार हर वर्ष लाखों ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न करने की सामर्थ्य रखते हैं।*अविकसित लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्र:*वनीकरण, टिकाऊ कृषि, ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर और जैव-ऊर्जा जैसे क्षेत्र अब भी काफी हद तक अनछुए हैं, जबकि ये मजबूत और सत्यापन योग्य जलवायु क्रेडिट उत्पन्न कर सकते हैं।*वैश्विक मांग और भारत की आपूर्ति क्षमता:*विश्व स्तर पर कार्बन ऑफसेट की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारत को ग्रीन क्रेडिट का वैश्विक केंद्र बनकर आर्थिक विकास और ट्टक्क्म दोनों लक्ष्यों की पूर्ति करनी चाहिए।*नीति सुधार के लिए आह्वान:*डॉ. सिंह ने नियामक ढांचे को सशक्त बनाने, सत्यापन प्रणाली को मज़बूत करने, तथा ग्रीन/कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग को राष्ट्रीय जलवायु नीति में एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया।डॉ. सिंह ने ट्टक्ष्ग्ए के इस प्रयास की सराहना की, जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत संचालित एक शीर्ष संस्था है और जिसने क्ट्टक्क अनुपालन, कार्बन मार्केट, हरित वित्त एवं पर्यावरणीय सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए यह बहु-हितधारक मंच प्रदान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एग्घ26, ग्लासगो में प्रस्तुत पंचामृत संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अब भारत की उन्नत एनडीसी और निम्न-कार्बन विकास रणनीतियों में समाहित हो चुका है और 2070 तक नेट-जीरो के लक्ष्य में सहायक है।इस अवसर पर पर्यावरण मस्केटियर्स अवॉर्ड्स 2025 के माध्यम से उन व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सम्मेलन में नीतिगत संवाद, तकनीकी पैनल चर्चा, और नेटवर्किंग सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य भारत की पर्यावरणीय सेवा क्षमताओं और नवाचारों को वैश्विक स्तर तक पहुँचाना था। इस दौरान विनय कुमार (ऋक्क्ट), ऋएक्क्ट्व, मनीष डबकारा, प्रमुख, पर्यावरणीय सेवाएँ, ट्टक्ष्ग्ए, अभय कुमार सिन्हा, महानिदेशक, ट्टक्ष्ग्ए, श्रीमती तरविंदर कौर, वरिष्ठ निदेशक, ट्टक्ष्ग्ए, पियूष मिश्रा, संस्थापक, नेट ज़ीरो इंडिया फाउंडेशन व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अमौसी में खड़े टैंकर में लगी आग, कई घंटों की कड़ी मस्कत के बाद पाया आग पर काबू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनी नगर, लखनऊ। थाना क्षेत्र के अमौसी में पेट्रोलियम के पास खड़ी तीन टैंकरों में आग लग गई जिसकी सूचना मिलते ही लोगों में हड़कंप मच गया उसके बाद स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर स्टेशन को सूचना दी जहां पर कई दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं। बताते चलें कि यहां पर पेट्रोलियम का बड़ा प्लांट व गैस प्लांट बना हुआ है जहां पर आसपास अवैध पार्किंग संचालित है लोगों का कहना है कि इसकी शिकायत कई बार की जा चुकी है पर ना पुलिस प्रशासन सुनता है ना नगर निगम, आज उसी अवैध पार्किंग में खड़े डीजल से भरे टैंकरों में आग लग गई है पेट्रोलियम के अधिकारियों ने कुछ कहने से साफ इनकार कर दिया। सूत्र बताते हैं कि पेट्रोलियम के बाहर खड़े होने वाले टैंकर अवैध रूप से बनाई गई पार्किंग में खड़े होते हैं जहां से अवैध रूप से डीजल पेट्रोल का कारोबार भी संचालित होता है।

सुमित प्रताप सिंह डी एस एफ ओ फायर ने बताया कि तीन टैंकरों में आग लगी है जिन पर सूचना मिलते ही हम लोग पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया है। नादरगंज फायर स्टेशन से तीन से चार गाड़ी आई थी आलमबाग से गाड़ी आ रही थी जिन्हें रोका गया क्योंकि हम लोगों ने आसानी से आग पर काबू पा लिया था कोई भी इसमें हाताहत नहीं हुआ है पर गाड़ियां पूरी तरह से जल गई हैं और अभी आसपास खड़े टैंकरों का निरीक्षण किया जा रहा है कि कोई और गाड़ी में तो कोई हरकत नहीं है और उन्हें हटवाया भी जा रहा है।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए ट्रांसफार्मरों को कूलर लगाकर किया जा रहा ठंडा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। शहर के अलीगंज क्षेत्र में विद्युत विभाग के कर्मचारियों को ट्रांसफार्मर के सामने लगे हुए कूलर में पानी डालते हुए देखा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने जानकारी की तो मालूम हुआ कि गत वर्ष पुराने फार्मूले को विद्युत विभाग ने फिर अपनाया है। जिससे 40 डिग्री ऊपर चल रहे तापमान में ट्रांसफार्मर फुंकने से बचाया जा सके।

कपूरथला निवासी सच्चिदानंद दुबे ने बताया कि अलीगंज के गोल चौक स्थित पावर हाउस पर लगे ट्रांसफार्मर के चारों ओर कूलर लगा दिया गया है। कूलर से ठंडी हवा बनी रहे, इसके लिए लगातार उसमें पानी डाला जा रहा है। विद्युत विभाग के कर्मचारियों की बहादुरी की तारीफ करनी होगी, जो भीषण गर्मी के दौरान भी अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। यही नहीं, विद्युत कर्मियों को कहीं पर तार जोड़ते हुए तो कहीं पर फीडर ठीक करते हुए पाया जा रहा है। जब कुछ करने के बाद हम लोगों को बिना रोक टोक के विद्युत आपूर्ति दी जा रही है, इसके लिए विद्युत विभाग की तारीफ तो बनती है। वहीं विद्युत कर्मियों ने स्थानीय लोगों को धन्यवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में लखनऊ शहर का पारा चालीस पार कर गया है। लू चल रही है। चलती हुई मशीनें गरम हो कर रुक जा रही हैं। फिर ट्रांसफार्मर तो बेहद गरम होता ही है। विभागीय अधिकारियों के आदेश के अनुसार वे अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। जिससे लोगों को राहत मिलती रहे। कूलर में पानी डालना भी उनकी ड्यूटी का हिस्सा है। लखनऊ में ही राजभवन क्षेत्र में ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए कूलर लगे हैं। इस संबंध में राजभवन क्षेत्र के अवर अभियंता जगदीश कुमार ने कहा कि ट्रांसफार्मर को एक नियमित तापमान चाहिए। तापमान घटने और अचानक से बढ़ने पर ट्रांसफार्मर के जलने की आशंका बढ़ जाती है। कूलर की ठंडी हवाओं से ट्रांसफार्मर का तापमान पांच से दस डिग्री तक कम रहता है। राजभवन क्षेत्र में राज्य के गणमान्य लोग रहते हैं और यहां एक मिनट की विद्युत कटौती पर उर्जा विभाग सतर्क रहता है।

योगी सरकार में लगभग दोगुनी हुई अभिजनक बीज नर्सरी की संख्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों को मजबूत आधार देने की दिशा में योगी सरकार ने एक नई मिसाल कायम की है। प्रदेश में अभिजनक बीज नर्सरी की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2016-17 में जहां केवल 150 बीज नर्सरियों का संचालन हो रहा था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 267 तक पहुंच गई है। यह वृद्धि प्रदेश की चीनी मिलों के प्रक्षेत्र का प्रभावी उपयोग कर संभव हुई है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि इतना ही नहीं, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 4.4 करोड़ नवीन किस्मों के सिंगल बड का वितरण किया गया है, जो कि देश में किसी भी शोध संस्था द्वारा उत्पादित बीजों की तुलना में सर्वाधिक है। इस वितरण से गन्ना उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। बीज उत्पादन और वितरण में इस प्रगति ने उत्तर प्रदेश को गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है।

वैज्ञानिक निरीक्षण और त्रिस्तरीय प्रमाणन प्रक्रियाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत अभिजनक बीजों (उन्द्द्द्द-इ्द्द्द) का प्रमाणन वैज्ञानिक टीम द्वारा किया जाता है। बीज उत्पादकता के निरीक्षण का विस्तृत शेड्यूल निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार, बुवाई के समय, अंकुरण के बाद (45-60 दिन), टिल्लरिंग अवस्था में (100-120 दिन), मिल योग्य गन्ने के निर्माण की अवस्था में (180-200 दिन) और कटाई से 15-20 दिन पूर्व निरीक्षण किया जाता है। इस वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रक्रिया के चलते किसानों को प्रमाणित, गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे उत्पादन क्षमता में निरंतर सुधार हो रहा है।

बरसात के मौसम में भी सैलानियों को मिलेगा दुधवा में जंगल सफारी का आनन्द

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार दुधवा नेशनल पार्क के मोहम्मदी रेंज को मानसून सीजन में भी पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। अब तक इस मौसम में देश के अधिकांश टाइगर रिजर्व और नेशनल पार्क बंद रहते थे। उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की इस नई पहल का मकसद पर्यटकों को वर्षा ऋतु में जंगल की अनदेखी और अद्भुत खूबसूरती से रूबरू कराना है। इससे मानसून सीजन में भी स्थानीय समुदायों व व्यवसायों को आय का नया जरिया मिलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने बताया कि मानसून के दौरान दुधवा टाइगर रिजर्व का मोहम्मदी रेंज बेहद आकर्षक नजर आता है। इस मौसम में जंगल स्वयं को पुनर्जीवित करता है। हरियाली और गहरी हो जाती है। रंग-बिरंगे फूल व घासें खिल उठती हैं, जिससे यह क्षेत्र खास नजर आता है। इस विशेष पहल से दुधवा का मानसून अब 'ऑफ-सीजन' नहीं रहेगा, बल्कि उन लोगों के लिए खास बन जाएगा, जो प्राकृतिक सुंदरता को करीब से अनुभव करना चाहते हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि दुधवा नेशनल पार्क का शेष क्षेत्र 15 जून से चार महीने के लिए मानसून के कारण बंद हो जाता है, वहीं मोहम्मदी रेंज इस बार खुला रहेगा। इस रेंज में 24 किलोमीटर लंबा सफारी ट्रैक है, जो वन्यजीवों से भरपूर है। इस क्षेत्र में 25 से अधिक बाघों के साथ-साथ हिरण, नीलगाय सहित अन्य शाकाहारी जीवों की अच्छी-खासी आबादी है। इस दौरान पर्यटक जंगल को सबसे अधिक हरे-भरे रूप में देख सकेंगे। बारिश के दिनों में यह पूरा वन क्षेत्र हरियाली की चादर ओढ़ लेता है। मौसमी जलधाराएं दृश्य को मनोरम बना देती है। दुर्लभ मानसूनी फूल व घास से मैदान सज जाते हैं। कुल मिलाकर कहें तो पर्यटकों को सफारी का भरपूर आनंद प्राप्त होगा। श्री सिंह बताया कि दुधवा के मोहम्मदी रेंज में वर्षा ऋतु के दौरान भी पर्यटकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। वन विभाग ने पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सफारी के लिए बुकिंग एवं अन्य जानकारी के लिए पर्यटक 7007561416 या 9651117199 पर संपर्क कर सकते हैं। सफारी संचालक पर्यटकों को ऐसे खास रास्तों से ले जाएंगे, जहां बारिश से भीगे पेड़-पौधे और मिट्टी की सोंधी महक जंगल के रोमांच को दोगुना कर देगी। उन्होंने बताया कि पर्यटक लोकप्रिय विस्टाडोम कोच का भी आनंद ले सकते हैं, जो यात्रा को यादगार बना देता है। यह ट्रेन बिछिया से चलकर 107 किलोमीटर का खूबसूरत सफर तय कर मैलानी (लखीमपुर) स्टेशन तक जाती है। विस्टाडोम सेवा दुधवा, कर्तनियाघाट और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्यों को जोड़ती है, जो पर्यटकों के बीच पहले से ही लोकप्रिय है।

हज मुकम्मल कर लौटे 288 यात्रियों का राज्य मंत्री दानिश ने किया स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर हज मुकम्मल कर लौटे 288 हज यात्रियों का नवगठित राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने फूलों से इस्तकबाल किया। हज यात्रियों के स्वागत के लिए पहुंचे दानिश आजाद ने कहा कि हज मुकम्मल कर लौटने वाले यात्रियों का स्वागत है। हम हज से लौटे अपने भाईयों को गले लगाकर मुबारकबाद देने आये हैं।

राज्य मंत्री दानिश ने कहा कि यात्रियों के देश वापसी के बाद उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी देखी जा सकती है। हमारी सरकार प्रत्येक वर्ष हज जाने वाले यात्रियों को तमाम सुख सुविधाएं मुहैया करा रही है। ?हज करने में कोई कठनाई ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वहीं वतन वापसी की खुशी हज यात्रियों के चेहरे पर भी थी और उन्होंने अपने परिजनों से मिलने के बाद सरकार की ओर से मिल रही सुविधाओं के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान एयरपोर्ट पर फूल मालाओं और गुलदस्तों के साथ पहुंचे हज यात्रियों के परिजन उन्हें भेंट देकर गले मिलते रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत के आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्यवाही की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत के आपत्तिजनक पोस्ट पर विश्वविद्यालय के छात्र कार्तिक पाण्डेय ने कार्यवाही की मांग की है। एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत ने कहा है कि मुस्कान एवं सोनम रघुवंशी जैसी महिलाएं संघी विचार की उपज है।

गोमती नगर के विभवखंड निवासी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र कार्तिक पाण्डेय ने एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत चंदन के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि रविकांत एसोसिएट प्रोफ़ेसर ने फ़ेसबुक एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर संघ को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उनके फ़ेसबुक पर पोस्ट की गयी टिप्पणी न केवल मानहानि करने वाली है, बल्कि साम्प्रदायिक सद्भाव तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ नफरत को भी दर्शाती है। उनका यह कृत्य उकसाने एवं भड़काने वाला है। इसके लिए उन्होंने हसनगंज थाने में एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए एक प्रार्थना पत्र दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप पाठक ने छात्र कार्तिक पाण्डेय के पक्ष में कहा कि इस तरह की टिप्पणी करने वाले एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत के विरूद्ध तत्काल ही हसनगंज पुलिस को कार्यवाही करनी चाहिए। उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई होनी चाहिए। उनकी मांग है कि संघ का नाम उछालने एवं बदनामी वाली जगह पर जोड़ने पर एसोसिएट प्रोफ़ेसर के विरूद्ध लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के उच्च अधिकारी संज्ञान लेकर कार्रवाई करायें। इस संबंध में हसनगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि उक्त मामले की जानकारी हुई है। छात्र एवं अधिवक्ता सहित कुछ लोगों ने आकर लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफ़ेसर रविकांत के आपत्तिजनक पोस्ट पर एक लिखित शिकायत दी है। इस प्रकरण की जांच करायी जायेगी। इसके बाद ही कोई कार्यवाही हो सकेगी।

पश्चिमी यूपी के कई जिलों में हुई झमाझम बारिश, 15 तक पूरे राज्य में बदलेगा मौसम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

18 जून से उत्तर प्रदेश में मानसून देने लगेगा दस्तक, 20 से होगी झमाझम बारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्री मानसून की गतिविधियां शुरु हो चुकी हैं और शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्री मानसून की यह गतिविधियां 15 जून तक पूरे राज्य में सक्रिय हो जाएंगी। इससे पश्चिमी यूपी से लेकर बुन्देलखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक बारिश होगी, जिससे लोगों को काफी हद तक राहत मिल सकती है और पूरे राज्य का मौसम बदल जाएगा। इसके साथ ही 18 जून से उत्तर प्रदेश में मानसून दस्तक देना शुरु कर देगा और 20 से झमाझम मानसून बारिश होने लगेगी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में प्री-मानसूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। पश्चिमी जिलों बिजनौर (21 मिमी.), लखीमपुर खीरी (14.4), पीलीभीत (12), सहारनपुर (10.6),बरेली (5.2), बिजनौर (3 मिमी.) बारिश हुई है। इसके साथ ही मु.जफरनगर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जैसे जिलों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम वर्षा रिकॉर्ड की गई है, कुछ जगह बरसात अभी तक जारी है। आगामी तीन दिनों यानी 15 जून तक प्री मानसून की गतिविधियां धीरे-धीरे पूरे राज्य में अपना असर दिखाएंगी और पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड तक बादलों की गर्जना और भारी बारिश की बौछारें दिखने लगेंगी। यह गतिविधियां 18 जून तक सक्रिय रहेंगी जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की काफी हद तक संभावना है। मानसून फिलहाल सिक्किम और पश्चिम बंगाल सीमा तक पहुंच कर अटका हुआ है, जो कल से आगे बढ़ना शुरु कर देगा।

20 जून से होगी झमाझम मानसूनी बारिश

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 14 जून को उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। यह सिस्टम ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के रास्ते आगे बढ़ेगा। इस सिस्टम के सक्रिय होने से इन राज्यों में भारी बारिश होगी और मानसून तेजी से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा जिससे उत्तर प्रदेश में मानसून 18 जून को दस्तक देगा। इससे यूपी के सभी इलाकों यानी पश्चिम यूपी, अवध, पूर्वांचल और बुंदेलखंड के इलाकों में 20 जून के बाद झमाझम बारिश देखने को मिलेगी। कई इलाकों में भारी बारिश और कुछ जगह अति भारी बारिश भी संभव है।

16 जून तक पूर्वानुमान

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 14 जून को भी सहारनपुर से लेकर पीलीभीत, लखीमपुर खीरी तक के तराई जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश संभव है। 15516 जून को तराई जिलों के साथ साथ मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, फरुखाबाद, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद आदि जिलों में हल्की बारिश का असर शुरू होगा। जो आने वाले दिनों में भारी बारिश में बदल सकता है। अवध के उत्तरी जिले जैसे सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर में मानसून पूर्व वर्षा की शुरुआत हो चुकी है। कल इन इलाको में कुछ जगह हल्की बारिश की गतिविधियां देखने को मिली हैं। आज भी कुछ जगह बूंदाबांदी या हल्की बारिश संभव है। मध्य अवध में जैसे लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, हरदोई आदि में आज आंशिक बादल छाए रहेंगे, कहीं कहीं बूंदाबांदी की संभावना है। 14 जून को सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, गोण्डा, अयोध्या, अमेठी, सुलतानपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कहीं कहीं तेज बारिश भी संभव है। 15-16 जून से लखनऊ, उन्नाव, हरदोई और बाराबंकी सहित पूरे अवध क्षेत्र में जिलों में प्री मानसून की हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां सक्रिय हो जाएंगी। आज गोरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया और संत कबीर नगर में हल्के बरसाती बादलों की उपस्थिति बनी हुई है। इन जिलों में आज दिन में गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना है, विशेषकर पहाड़ी सीमा के निकटवर्ती इलाकों में। 14 जून को जौनपुर, मऊ, आजमगढ़, वाराणसी, गाजीपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 15 जून को पूर्वांचल में मानसून पूर्व प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होगी, कुछ जगह तेज बारिश भी संभव। 16 जून से बाद पूर्वांचल के तराई और मैदानी दोनों हिस्सों में मध्यम से भारी वर्षा की स्थितियां बनेगी।

16 को बुंदेलखंड में बारिश की संभावना

झांसी, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, जालौन और फतेहपुर जिलों में अब तक बरसात नहीं हुई है, तेज गर्मी का दौर जारी है साथ में अब वातावरण में नमी का स्तर बढ़ रहा है। जिससे उमस वाली गर्मी परेशान करेगी। 14 जून से गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की गतिविधियां झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, महोबा आदि जिलों में देखी जाएगी। 15 जून को भी स्थिति वही रहेगी। 16/17 जून को पूरे बुंदेलखंड में हल्की से मध्यम बारिश होगी, कुछ जगह भारी बारिश की संभावना प्रबल है।

सिपाही के घर चोरी करने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

लखनऊ,। पारा थाना इलाके में गुरुवार की देर रात को बदमाश और पुलिस से मुठभेड़ हो गई। अभियुक्त के पास से चोरी गई सरकारी पिस्टल, 90 हजार रुपये नकद व अन्य चीजें बरामद हुई हैं।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान गोसाईंगंज के मातन टोला निवासी करन वर्मा के रूप में हुई है। आरोपित ने पारा के चार मंजिला भवन में ?एक सिपाही के घर में चोरी की थी। उसने मकान से जेवर सरकारी ग्लॉक पिस्टल आदि चीजें चुराई थीं। सिपाही की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में टीमें लगाई गई थीं। उसकी लोकेशन गुरुवार की देर रात बीबीखेड़ा गांव के रेलवे लाइन किनारे मिली। क्राइम ब्रांच, पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाश ने पु?लिस टीम पर फायर ?झोक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलायी, जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। डीसीपी ने बताया कि अभियुक्त के पैर में गोली लगी है। उसके खिलाफ अलग–अलग थाना में छह से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

नोटिस की नौटंकी और फाइलों की धूल में दबा इंसाफ

विकासखंड सकरन की दर्जनों ग्राम पंचायतें–बरछता,मानपुर सिकरी, जालिमपुर,ताजपुर सलौली,गठिया कला, इस्माइलपुर, लश्करपुर, अंगरासी,नसीरपुर, ओड़ाझार,झउवा कला, टेड़वा कला एक-एक कर फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ती जा रही ह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। मनरेगा घोटालों, लाखों की बंदरबांट और भ्रष्टाचार की परतें उजागर होने के बावजूद प्रशासन का रवैया शर्मनाक चुप्पी में लिपटा हुआ है। विकासखंड सकरन की दर्जनों ग्राम पंचायतें–बरछता,मानपुर सिकरी, जालिमपुर,ताजपुर सलौली,गठिया कला, इस्माइलपुर, लश्करपुर, अंगरासी,नसीरपुर, ओड़ाझार,झउवा कला, टेड़वा कला एक-एक कर फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ती जा रही हैं। कुछ को नोटिस जरूर जारी हुए हैं, लेकिन दोषियों पर कार्रवाई आज तक शून्य है।

लूट का खुला मंच, प्रशासन की आंखों पर पट्टी

जिन ग्राम पंचायतों में बाहर काम करते हुए मजदूरों के नाम पर भुगतान,विवाह हो ससुराल जा चुकी महिलाओं पर भुगतान,फर्जी जॉब कार्ड, कागजी कार्यस्थल और एक ही मजदूर से दर्जनों योजनाओं में काम दिखाया गया, वहां आज तक किसी ग्राम प्रधान, सचिव या तकनीकी सहायक पर कोई एफआईआर तक नहीं हुई।

उठ रहे कई सवाल

नोटिस देने के बाद किस दबाव में रुकी कार्यवाही?, क्या भ्रष्टाचारियों को बचाने में खुद तंत्र शामिल है?, क्या जांच रिपोर्टें सिर्फ प्रशासनिक ड्रामा हैं?, घोटाले का पर्दाफाश हुआ, अब किसका इंतज़ार है?, जनता का सवाल*सकरन क्षेत्र की जनता का सब्र अब जवाब दे रहा है।लोग पूछ रहे हैं:जब बरछता में तालाब बिना मिट्टी खुदे ही कागजों में तैयार हो गया, कार्यवाही सिफर।ताजपुर सलौली की मनरेगा बदहाली के आंसू रो रही है कार्यवाही सिफर।

प्रशासन की चुप्पी, भ्रष्टाचारियों की हँसी

यह कैसा शासन है जहां नोटिस मिलते ही भ्रष्ट अधिकारी छुट्टी पर चले जाते हैं? और जहां कार्रवाई की जगह घोटालेबाजों को तबादलों का इनाम मिलता है?क्या ये संकेत नहीं कि घोटालों की जड़ें ऊपर तक जुड़ी हैं?क्या ये खेल केवल नीचे के कर्मचारियों का है, या कोई बड़ा 'हाथ' है जो सबको बचा रहा है?

सरकारी भ्रष्टाचार की नल से निकली कहानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। विकास खण्ड मछरेहटा कीग्राम पंचायत कुनेहटा लच्छीरामपुर में नल मरम्मत व नल रिबोर , व्हील चेयर , प्रशासनिक व्यय , ठेलिया मरम्मत , पोलिंग बूथ , फॉगिंग आदि कार्य के नाम पर जमकर सरकारी धन आपस मे बंदरबांट किया। ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव की मिली भगत से ऐसा कार्य संभव हो पाया है। पंचायत दस्तावेजो में लाखों रुपये की लागत से नल सुधार और रिबोर का कार्य दर्शाया गया है – लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। ग्रामीणों ने आरोप ने लगाया है की 13 अप्रैल 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 95100 रुपये व 18 मई 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 45727 रुपये यही नही 29 जुलाई 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 45682 रुपये व 04 सितम्बर 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 47943 रुपये व 05 अक्टूबर 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 47064 रुपये पुनः 05 सितम्बर 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 46887 रुपये एवं 25 दिसम्बर 2024 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 44600 रुपये व 18 जनवरी 2025 को हैंडपम्प रिबोर के नाम पर 29100 रुपये व पुनः मरम्मत के नाम पर 28 जनवरी 2025 को करीब 59300 रुपये यही नही 08 मार्च 2025 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 47849 रुपये पुनः 12 मार्च 2025 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 92000 रुपये एवं 15 मई 2025 को नल मरम्मत के नाम पर करीब 95576 रुपयों का भुगतान कराया गया है। जिसमे काफी भारी अनिमितिये बर्ती गयी है, ग्रामीणों का कहना है, हुए रुपयों के भुगतान व जमीनी स्तर पर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोंदलामऊ में परिवार नियोजन कार्यक्रम को बढ़ावा देने लिये परियोजना संचालन

सीतापुर में परिवार नियोजन कार्यक्रम की सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं मोबियस फाउंडेशन की वित्तिय सहयोग से पापुलेशन फाऊंडेशन आफ इंडिया द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददात

सीतापुर । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोंदला मऊ सीतापुर में परिवार नियोजन कार्यक्रम की सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं मोबियस फाउंडेशन की वित्तिय सहयोग से पापुलेशन फाऊंडेशन आफ इंडिया द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु उम्मीद परियोजना का संचालन किया जा रहा है आज दिनांक 13 जून 2025 को उम्मीद काउंसलिंग कार्नर का उद्घाटन डॉक्टर अनूप कुमार श्रीवास्तव अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर डॉ पंकज, डॉ आशुतोष आदि उपस्थित रहे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर ने बताया कि सीतापुर में परिवार नियोजन पर कार्य करने की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि दंपति के शादी की सही उम्र व 20 वर्ष की उम्र के बाद पहला बच्चा और दो बच्चों के बीच में तीन साल का अंतर हो साथ ही दो बच्चों के बाद परिवार नियोजन की स्थाई विधि को अपनाकर मातृ मृत्यु शिशु मृत्यु के दर को कम किया जा सकता है। डॉ0 धीरज मिश्रा प्रभारी चिकित्सा अधिकारी गोंदला मऊ ने बताया कि स्टाफ नर्स का रोस्टर बनाकर काउंसलिंग किया जाएगा इससे परिवार नियोजन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही इससे दो बच्चों में 3 वर्ष का अंतर रखकर मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी पापुलेशन फाऊंडेशन इंडिया के कंसल्टेंट तुलसीदास तिवारी ने बताया की उम्मीद परियोजना के माध्यम से परिवार नियोजन के प्रति जन मानस को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है उम्मीद परियोजना राज्य के 7 जिलों में संचालित हो रहा है जिसके अंतर्गत फ्रंट लाइन वर्कर का क्षमता वर्धन करने का कार्य किया जा रहा है।

इससे परिवार पर समझ बढ़ेगी और परिवार नियोजन की स्वीकार्यता भी बढ़ेगी उम्मीद के अंतर्गत अंतर विभागीय समिति की बैठक भी किया जा रहा है श्रीमती पूर्णिमा पीएफआई प्रतिनिधि ने बताया कि प्रसव पश्चात परिवार इदद्धदद्धथ आवश्यक है।इस अवसर पर स्टाफ नर्स श्रीमती पूनम मिश्रा अर्स काउंसलर श्रीमती विभा आदि उपस्थित रहे।

न्यू जनता मेडिकल स्टोर बना मौत का अड्डा, मेडिकल स्टोर की आड़ में संचालित हो रहा अवैध क्लीनिक

.सीतापुर ब्यूरो। मछरेहटा की भारासैनी पुलिया पर संचालित न्यू जनता मेडिकल स्टोर न कि एक मेडिकल स्टोर है, बल्कि अवैध क्लीनिक है।मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित किया जा रहा है, जहां न तो कोई योग्य डॉक्टर है, न ही जरूरी लाइसेंस न ही मेडिकल सुविधाएं। यहां बिना किसी पंजीकरण के मरीजों का इलाज किया जा रहा है, इंजेक्शन दिए जा रहे हैं और गंभीर बीमारियों का 'इलाज' भी किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि आम जनता की जान के साथ खुला खिलवाड़ भी है।इलाके के नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह ह्लमौत का अड्डाङ्क किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने समय से चल रहे इस अवैध क्लीनिक पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ी? क्या यह लापरवाही है या मिलीभगत?

सामुदायिक शौचालय में कार्यरत महिला केयरटेकर्स ने अपने मानदेय से जुड़ी समस्याओं की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर के ब्लॉक पहला सभागार में पेस संस्थान सिधौली और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 50 ग्राम पंचायतों के जागरूक नागरिक नेता, सामुदायिक शौचालय के केयरटेकर और पंचायत सदस्यों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इक्क पंचायत राम किशोर वर्मा ने सभी प्रतिभागियों की समस्याएं सुनीं। प्रतिभागियों ने पांच ग्राम पंचायतों - चुनका, कंडौरा, बनहरा बीरबल, खेतमानी और पारा परसादीपुर में पंचायत भवन के कार्यालय न खुलने की समस्या प्रमुखता से उठाई। सामुदायिक शौचालय में कार्यरत महिला केयरटेकर्स ने अपने मानदेय से जुड़ी समस्याएं रखीं। पंचायत सदस्यों ने मासिक बैठक के दौरान मिलने वाले मानदेय भत्ते के भुगतान न होने का मुद्दा उठाया। इक्क ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई और समाधान का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में यूपीएसआरएलएम से पुष्पेंद्र सिंह और स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था की कार्यकर्ता और प्रशिक्षण समन्वयक बीना पांडे ने किया। कार्यक्रम की सफलता में पेस संस्थान के ख्रक्रट्ट ऑफिसर हरिओम बाजपेई, कार्यकर्ता ऋतिक अवस्थी, सचिन सोनी, अंकित मिश्रा, आकांक्षा, तनुजा और राजाराम का विशेष योगदान रहा।

विधान परिषद समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्सू' की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

जिला पंचायत, नगर निकाय व आवास विकास परिषद के कार्यों की गहन समीक्षा, पारदर्शिता व राजस्व बढ़ाने पर विशेष ज़ोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। विधान परिषद की विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों, नगर निगमों में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने, जाँच किये जाने सम्बन्धी समिति के मा. सभापति बृजेश कुमार सिंह प्रिन्सू की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में लखीमपुर खीरी एवं सीतापुर जनपदों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के सदस्य समिति सदस्य रवि शंकर सिंह 'पप्पू भैया', डॉ जयपाल सिंह व्यस्त, विशेष आमंत्रित सदस्य अनूप कुमार गुप्ता, शशांक यादव भी उपस्थित रहे।बैठक की शुरुआत में दोनों जिलों के अफसरो से उनका परिचय और कार्य दायित्व जाना। बैठक में समिति द्वारा संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं की प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान जिला पंचायत से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मा. सभापति ने राजस्व संग्रह बढ़ाने हेतु स्पष्ट कार्ययोजना की जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सालयों व मैरिज लॉन्स को चिह्नित कर उनसे राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बजट एवं पंचम वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की प्रगति, संसाधनों के विकास की कार्य योजना तथा भूमि की उपलब्धता की जानकारी भी प्राप्त की। इसके साथ ही, जिला पंचायत द्वारा संचालित विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या एवं उपलब्ध शिक्षकों की स्थिति भी जानी।नगर निकायों की समीक्षा के दौरान मा. सभापति ने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सफाईकर्मियों की मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मौके पर भी की जाए। बरसात से पहले नालों की सफाई की प्रगति, फॉगिंग मशीनों की उपलब्धता व उनकी क्रियाशीलता की जानकारी ली गई। इसके साथ ही, नगर निकायों की राजस्व सृजन से जुड़ी कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। आवास विकास परिषद से संबंधित योजनाओं तथा उनके विस्तार की प्रगति पर भी विचार-विमर्श हुआ।बैठक के समापन पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने समिति के सभापति, सदस्यों और आमंत्रित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी सुझावों, मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।बैठक में खीरी से एसपी संकल्प शर्मा, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जागन सिंह, सभी नगर पंचायत के ईओ और सीतापुर से सीडीओ निधि बंसल, एडीएम नीतीश कुमार सिंह, एएसपी दुर्गेश प्रताप सिंह, अपर मुख्य अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह एवं सभी अधिशासी अधिकारी नगरीय निकाय और समिति की निजी सचिव धर्मेंद्र सिंह, समिति अधिकारी अनुसचिव धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, सहायक समिति अधिकारी अभिषेक पांडेय, वृत्तलेखक अर्चित बाजपेई, एपीएस अजय चौहान मौजूद रहे।

घर में घुसकर मारपीट के पांच दोषियों को तीन-तीन वर्ष का कारावास

फिरोजाबाद । अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट तृतीय राजीव सिंह ने घर में घुसकर मारपीट करने के पांच दोषियों को तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। जिनमें दो लैंगिक अपराध के भी दोषी है।मामला थाना शिकोहाबाद के एक गांव का 22 अगस्त 2020 का है। पीडित ने अभियोग दर्ज कराया कि गांव के निवासी राशन डीलर रामखिलाड़ी, श्रीकृष्ण उर्फ चंदन, आकाश, अशोक एवं रामनरेश गाली गलौज करते हुए जबरन घर मे घुस आए। पिता की तलाश करने के साथ घर पर मौजूद बहनों के साथ गाली गलौज अभद्रता करने लगे। राशन के कोटे की शिकायत करने का आरोप लगाते हुए उक्त लोगों ने तमंचा, सरिया, लाठी डंडों से मारपीट की। आरोप लगाया कि बहनों के साथ अभद्रता की। बहनों को बचाने का प्रयास किया तो रामखिलाड़ी ने तमंचा से फायर कर दिया। आस-पास के लोग आए तो जान से मारने की धमकी देते हुए सभी फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।

नेपाल बॉर्डर पर बसा चौगुर्जी गांव सोलर से बदलेगा अपनी पहचान

लखीमपुर खीरी । नेपाल सीमा से सटे निघासन तहसील के सुदूरवर्ती गांव चौगुर्जी, जिसे अब तक 'कटे हुए' गांव के रूप में जाना जाता था, अब विकास की नई कहानी लिख रहा है। मोहाना नदी की वजह से अलग-थलग पड़ा यह गांव अब ना तो अंधेरे में रहेगा और ना ही प्यासा।बीते दिनों डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और विधायक शशांक वर्मा मोटरबोट से गांव में पहुंचे। उन्होंने केवल समस्याएं नहीं सुनीं, बल्कि उनके समाधान की शुरुआत भी की। उसी का नतीजा है कि गांव की गलियों में अब 20 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की रौशनी अंधेरे को चीरती दिख रही है। पेयजल संकट को भी गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने गांव में बोरिंग कार्य शुरू करा दिया है। जल्द ही हर घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा।बीते दिनों मोटर वोट पर सवार होकर ग्राम चौपाल में पहुंची डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और विधायक शशांक वर्मा ने ग्रामीणों की बातों को सिर्फ सुना नहीं, बल्कि उन्हें योजनाओं में बदलकर धरातल पर उतारने की ठान ली। इस प्रतिबद्धता का पहला असर गांव की गलियों में दिखा, जहां अब 20 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की रौशनी अंधेरे को पराजित कर रही है।*विधायक शशांक वर्मा ने निभाई विकास में भागीदारी*डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर विधायक शशांक वर्मा ने व्यक्तिगत रुचि लेकर अपनी विधायक निधि से इन लाइटों की स्थापना सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का असली असर तब दिखता है जब अफसर और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर जमीन पर उतरें। चौगुर्जी इसका उदाहरण है।

अवैध तमंचा-कारतूस समेत अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर। अधीक्षक खीरी, श्री संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी धौरहरा के कुशल मार्गदर्शन में एवं प्रभारी निरीक्षक थाना ईसानगर के नेतृत्व में थाना ईसानगर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त रजनीश पुत्र बान्दूराम वर्मा को अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर ईसानगर-वीरसिंहपुर के मध्य तिराहा से गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना ईसानगर पर आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बेहमा गांव में हनुमान मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

महमूदाबाद,सीतापुर। महमूदाबाद इलाके में बेहमा गांव में सोलहवीं 5 दिवसीय श्री मद भगवत कथा का समापन शुक्रवार को हुआ ।कथा वाचक श्री यशोदा नंदन जी महाराज शिष्य परम पूज्य सन्त देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज वृंदावन मथुरा के द्वारा श्री मद कथा या धर्मिक कहानियो को सुनाते हुए लोगो का मन मोह लिया हैं ये कथा व्यास जी अक्सर धार्मिक कथाओं को प्रस्तुत करते है। और बेहमा इलाके में धार्मिक कथाओं को लेकर चर्चाएं होना शुरू हो गया ।कथा वाचक भागवत कथा, राम लीला,कृष्ण लीला या अन्य धार्मिक कथाओं को सुनाने के लिए चर्चित हो गए हैं।कथाओं और प्रवचनों के माध्यम से लोगों को प्रेरित करते हैं और धार्मिक शिक्षा प्रदान करते है। इसी के साथ बजरंग बली के जयकारों के साथ विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया।इस भंडारे में पूड़ी, सब्जी,चावल और छोला मिठाई आदि हजारों की सँख्या में इलाके के लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।सुबह 8 बजे से लेकर रात्रि 11 बजे तक लगातार भंडरा चलता रहा। इस कार्यक्रम में इलाके के सम्मानित कई ग्राम पंचायत के प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंदिर समिति बेहमा के कुछ सहयोगी कार्यकर्ता देशराज यादव, रितेश रस्तोगी ,मोहित कश्यप, देवेंद्र सिंह, प्रतीक सिंह ,आदर्श गुप्ता, परशुराम शर्मा ,पंकज सोनी, राजा निगम ,कुलदीप सिंह, वंश सोनी ,संतोष कुमार ,रज्जन सोनी,दुर्गेश गुप्ता, पुष्पराज गुप्ता,अंकित सिंह आदि सदस्यों ने काफी सराहनीय योग दान दिया।

कोर्ट ने सुनाई गैंगस्टर के तीन दोषियों को सजा

फिरोजाबाद । न्यायालय ने शुक्रवार को गैंगस्टर के तीन दोषियों को दो वर्ष दो माह-दो वर्ष दो माह की सजा सुनाई है। उन पर अर्थ दंड भी लगाया है।थाना रामगढ़ पुलिस ने सन 2020 में अरमान उर्फ गुड्डू पुत्र चमन खां, साबिर पुत्र मुन्ना तथा शफीक पुत्र दिन मोहम्मद निवासी अब्बास नगर के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्यवाही की थी। पुलिस ने विवेचना के बाद तीनों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

दुष्कर्म पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से 10 लाख की आर्थिक सहायता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांदा । चिल्ला थाना क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म की शिकार मासूम बच्ची की दुखद मृत्यु के बाद प्रदेश सरकार और भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार पीड़ित परिवार के सम्पर्क में हैं। शुक्रवार को जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुँचे और शोक संतप्त परिजनों को ढाढ़स बंधाया।मंत्री ने पीड़िता की माँ से मुलाक़ात कर सरकार की ओर से 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार इस दर्दनाक घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है और आरोपी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, ह्लदोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।ङ्कइससे पहले भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत भी गुरुवार को गांव पहुंचे थे। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से मुलाक़ात कर घटना पर दुःख जताया। साथ ही, भाजपा की ओर से ढाई लाख रुपये की आर्थिक सहायता पीड़ित परिवार को प्रदान की गई। जिलाध्यक्ष ने भी आश्वासन दिया कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए पार्टी हर स्तर पर प्रयास करेगी और यह सहायता सिर्फ एक शुरुआत है, समय-समय पर आगे भी हर संभव मदद की जाएगी।सरकार और भाजपा नेताओं की इस संवेदनशील पहल से शोकाकुल परिवार को कुछ हद तक सहारा मिला है। प्रशासनिक व राजनीतिक स्तर पर यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि पीड़ित को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

खीरी के ईसानगर में दर्दनाक हादसा: पुल देखने गए चार बच्चे डेबर में डूबे, दो के शव बरामद, दो की तलाश जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीपुर खीरी। जिले के ईसानगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक अत्यंत हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। विकास कार्यों की झलक देखने गए चार मासूम बच्चों की जिंदगी एक अनदेखे खतरे की भेंट चढ़ गई। लखीमपुर और सीतापुर को जोड़ने वाले एक निर्माणाधीन पुल के पास स्थित गहरे कुंड (डेबर) में चारों बच्चे फिसलकर डूब गए। इनमें से दो बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है।पुल निर्माण के बहाने हुआ दर्दनाक हादसापूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान भाजपा नेता जितिन प्रसाद के अथक प्रयासों से लखीमपुर से सीतापुर को जोड़ने वाला यह लगभग पौने पाँच किलोमीटर लंबा पुल तैयार हो रहा है। इसके बन जाने से लखनऊ की दूरी 140 से घटकर लगभग 120 किलोमीटर रह जाएगी। ग्रामीण इस पुल को देखने के लिए उत्साहित हैं। शुक्रवार को हसनपुर कटौली गांव के चार बच्चे भी इस पुल को देखने गए थे, लेकिन उत्सुकता ने एक बड़ा हादसा जन्म दे दिया।डूबे बच्चों की पहचान:नन्हकू (पुत्र विनोद शुक्ला)उत्कर्ष (पुत्र मनोज मिश्रा)देवांश (पुत्र दीपक दीक्षित)राहुल (पुत्र गौतम शुक्ला)बताया जा रहा है कि ये चारों बच्चे पुल निर्माण स्थल के पास बने एक गहरे कुंड के किनारे खेल रहे थे, तभी अचानक फिसलकर पानी में गिर गए। देखते ही देखते चारों डूब गए।रेस्क्यू अभियान में बरामद हुए दो शवघटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़ पड़े। मौके पर तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। तहसीलदार आदित्य विशाल, स्थानीय पुलिस, राजस्व विभाग और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया।रेस्क्यू के दौरान नन्हकू और उत्कर्ष के शव बरामद कर लिए गए, जबकि देवांश और राहुल की तलाश अब भी जारी है। प्रशासन का कहना है कि सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और जब तक सभी बच्चे मिल नहीं जाते, खोज जारी रहेगी।गांव में मातम, परिजन बदहवासघटना के बाद हसनपुर कटौली गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजन बदहवास हैं और पूरे गांव में गम का माहौल है। जिन परिवारों के बच्चे अब भी लापता हैं, उनकी आशाएं अभी भी जिंदा हैं, लेकिन समय बीतने के साथ चिंता और गहरा रही है।प्रशासन ने दिया मदद का भरोसातहसील प्रशासन व जिला अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है। शवों का पोस्टमार्टम करवाकर विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। राहत कार्यों की निगरानी स्वयं अधिकारी कर रहे हैं।सवाल भी खड़े कर गई यह घटनाइस हादसे ने कई अहम सवाल भी खड़े कर दिए हैं:क्या निर्माण स्थलों के पास पर्याप्त सुरक्षा इंतज़ाम थे?क्या डेबर को ढकने या चिह्नित करने की ज़रूरत नहीं थी?बच्चों को खतरनाक क्षेत्रों से दूर रखने की जिम्मेदारी किसकी थी?इस दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जहां एक ओर विकास कार्यों की रफ्तार देखी जा रही है, वहीं इस घटना ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर भी सवाल उठा दिए हैं।

सपा विधायक हिस्ट्रीशीटर रमाकांत यादव की 23 करोड़ 42 लाख की सम्पत्ति को प्रशासन ने की कुर्क

58 मुकदमे जौनपुर आजमगढ़ में हैं दर्ज, डीएम के आदेश के बाद पुलिस की कार्रवाई

जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना अतरौलिया क्षेत्र के बसही असरफपुर गांव में हुई कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। कुख्यात माफिया, हिस्ट्रीशीटर और आईएस-133 गैंग के लीडर रमाकांत यादव की अवैध रूप से अर्जित 23 करोड़ 42 लाख 81 हजार 400 रुपये की संपत्ति को बुधवार को प्रशासन ने कुर्क कर लिया। जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना अतरौलिया क्षेत्र के बसही असरफपुर गांव में यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन और तहसीलदार फूलपुर कमल कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने बताया कि यह कार्रवाई 2022 में थाना अहरौला के माहुल कस्बे में हुए अपमिश्रित शराब कांड से जुड़ी है, जिसमें सात लोगों की मौत और कई अन्य के बीमार होने की घटना हुई थी। फतेहगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद है। पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त बैठक में गैंगचार्ट अनुमोदित कर रमाकांत समेत चार अन्य अपराधियों को गैंग में शामिल किया गया था।एसएसपी ने बताया कि रमाकांत यादव ने अपने गैंग के साथ मिलकर अवैध शराब निर्माण, लूट, हत्या, और अपहरण जैसे जघन्य अपराधों से अर्जित धन से संपत्तियां खरीदी थीं। राजस्व विभाग की जांच में पता चला कि उसने अपने पुत्रों अरुण, वरुण, ऋषिकांत, रजनीकांत, दोनों पत्नियों, और भांजे के नाम पर बसही असरफपुर में विभिन्न गाटा संख्याओं की आवासीय, कृषि, और वाणिज्यिक भूमि खरीदी, जिनकी कुल कीमत 23,42,81,400 रुपये है। इनमें सबसे बड़ी संपत्ति गाटा संख्या 981 (3.475 हेक्टेयर) है, जिसकी कीमत 16.33 करोड़ रुपये आंकी गई। इस मामले में दर्ज मुकदमे में रमाकांत यादव सहित 13 आरोपियों के नाम सामने आए थे। रमाकांत वर्तमान में एसएसपी के अनुसार, रमाकांत यादव के खिलाफ विभिन्न थानों में 58 गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से कृषकों के मुद्दे आए सामने : डॉ. एस के दुबे

कानपुर । प्रदेश में विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया गया। जिसमें आईसीएआर व कृषि विज्ञान केंद्रों के विशेषज्ञों द्वारा किसानों के मध्य व्यापक कृषि की नवीनतम तकनीकों को फैलाने का कार्य किया गया। यह जानकारी शुक्रवार को आईसीएआर अटारी जोन तीन कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने दीं।निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने बताया कि इस दौरान विभिन्न फसलों और कृषि क्षेत्र में अनुसंधान योग्य समस्याएं भी सामने आई।जिनका समाधान भविष्य में नीति निर्माण और अनुसंधान की दिशा तय करेगा। अभियान के अंतर्गत फसलवार अनुसंधान योग्य समस्याओं की पहचान की गई।उन्होंने कहा कि जिनका समाधान वैज्ञानिक शोध व क्षेत्रीय परीक्षणों के माध्यम से किया जाएगा।डॉक्टर दुबे ने बताया कि मध्य उत्तर प्रदेश के कृषकों में उर्द की हरी प्रजाति के बीज तथा मूंग में पीला रोग सहनशील बीजों की आवश्यकता महसूस की गई। उन्होंने कहा कि खरीफ में तिल की पानी सहनशील प्रजातियों की आवश्यकता महसूस हुई,वहीं आलू, धान, गन्ना,करेला व खीरे की रोगरोधी प्रजातियों की आवश्यकता महसूस की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

हमीरपुर । राठ कस्बे के नहर बाईपास पर बाइक और अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। युवक अपनी ससुराल से वापस अपने घर लौट रहे थे। घटना की जानकारी लगते ही युवकों के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुक्रवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया है।जानकारी के अनुसार मप्र के छतरपुर जनपद के नौगांव निवासी संतोष पुत्र छोटेलाल व राकेश पुत्र कृपाल कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव में स्थित अपनी ससुराल से वापस अपने घर नौगांव जा रहे थे। कस्बे के सैना रोड नहर बाईपास पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में संतोष और राकेश की मौके पर मौत हो गई। नौगांव निवासी ईश्वर अनुरागी ने बताया कि उसका बड़ा भाई संतोष दिल्ली में मजदूरी करता था। वह परिवार सहित दिल्ली में रहता था। तीन माह पहले ही संतोष घर आया था। बच्चों के स्कूल खुले होने पर उसकी भाभी वहीं पर थी। बताया कि स्कूल बंद होने पर भाभी बच्चों को लेकर अपने मायके औंता गांव आ गई थी। गुरुवार को भाई सन्तोष अपने मित्र राकेश को लेकर भाभी से मिलने ससुराल गया था। वह पहले कुलपहाड़ में रिश्तेदार राजेन्द्र के यहां गए। उधर से रिश्तेदार की बाइक उठाकर ससुराल के लिए निकले। बताया कि रात करीब नौ बजे वह ससुराल से कुलपहाड़ के लिए निकले।भाई ने रिश्तेदार को फोन करके कहा कि वह लोग आ रहे हैं। जानकारी हुई कि भाई का एक्सीडेंट हो गया है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्री 9 वर्षीय अंशू, 7 वर्षीय माही और 5 वर्षीय परी को रोता बिलखता छोड़ गया है। पति की मौत पर पत्नी भारती का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक राकेश अहिरवार के भाई किशन लाल उर्फ पप्पू ने बताया कि वह घर से दोस्त के साथ जाने के लिए कहकर निकला था। मृतक अविवाहित था। मामले में राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर रामासरे सरोज ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा

15 दिनों से बिजली गुल रहने से नाराज ग्रामीणों ने पावरहाउस घेराजेई को हटाने के लिए ग्रामीणों ने की नारेबाजी

हमीरपुर । शुक्रवार को मुस्करा क्षेत्र के गहरौली गांव में 15 दिन से जली केवल को न ठीक करने के कारण 40 ग्रामीणों ने सब स्टेशन विद्युत मुस्करा में विभाग के खिलाफ विरोध जताकर केबिल बदले जाने व जेई को हटाने की मांग की है। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार 20 से 22 घंटे विद्युत आपूर्ति का दावा कर रही है । वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत के बुरे हाल हैं कहीं किसी ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिन से लाइट खराब है तो कहीं किसी जगह महीनों से लाइट से लाइट की केबिल जली पड़ी हुई है । ताजा मामला मुस्करा विकास खंड के गहरौली गांव के क्वाट मुहाल का है जहां पर 15 दिन से खराब केबिल ठीक करने को लेकर आज दर्जनों ग्रामीणों ने सब स्टेशन विद्युत मुस्करा में ढाबा बोल दिया साथ ही केवल बदलने सहित जेई को हटाए जाने की मांग की है। वहीं इस मामले में जे ई ने बताया कि जो केबिल जल गई है उसे कल ठीक कराई गई थी अधिक लोड होने के चलते केबिल बार बार जलती है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों का कहना है कि केबिल बार बार जलने से मकानों में आग लगने का भय बना रहता है।

फांसी के फंदे से झूली विवाहिता की मौत जांच में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय महिला ने घर के सामने रस्सी के सहारे पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। फांसी से मौत की खबर सुनते ही गांव में हड़कंप मच गया। वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है तथा मृत्यु की खबर परिजनों द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई है घटना की सूचना मिलते ही भारी मात्रा में कोतवाली पुलिस व नायब तहसीलदार घटना स्थल पर पहुंचे कर जांच पड़ताल की तथा कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते चले कि, कोतवाली क्षेत्र के पूरे नजर मोहम्मद मजरे बराहुआ गांव निवासी कुंती पत्नी श्यामू उम्र 22 वर्ष का विवाह 4 वर्ष पूर्व हुआ था जिसके एक बिटिया नंदिनी उम्र तीन वर्ष व दूसरी बेटी नित्या उम्र 1 वर्ष है। और आज सुबह दिन में लगभग 8:00 बजे घर के बगल में स्थित एक पेड़ से दुपट्टा के सहारे कुंती फांसी के फंदे से झूल गई और अपनी जिंदगी की जीवन लीला समाप्त कर ली। तो वही ग्रामीणों सहित परिजनों में तरह-तरह की अफवाह व आम जनमानस में यह चर्चा भी हो रही है कि, आखिर चार वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी और दोनों नव निहाल बच्चों को छोड़कर कैसे कुंती ने आत्महत्या कर ली यह बात चर्चा का विषय बनी हुई है। तो वहीं कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और हत्या के कारणो का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच कर रहे हैं और जल्द ही किए गए आत्महत्या के कारण का पता चल सकेगा।इंसेट - कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीमारी के चलते समाज सेवी विशेश्वर उर्फ पेंटर का निधन क्षेत्र में फैली शोक की लहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। अतरेहटा ग्राम सभा निवासी समाजसेवी व प्रधान पति विशेश्वर उर्फ पेंटर की बीमारी के चलते हुई मौत क्षेत्र में शोक की लहर। बताते चले कि, महराजगंज विकासखंड क्षेत्र के अतरेहटा गांव निवासी विशेश्वर उर्फ पेंटर समाज के अनेक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे जिसके चलते बीते पंचायत चुनाव में उनके कार्यों को देखते हुए व उनकी सैलिनता को देखते हुए तथा मिलनसार व्यक्तित्व के चलते ग्राम प्रधान के चुनाव में उनकी पत्नी को ग्राम सभा के लोगों ने भारी बहुमत से जीत कर ग्राम प्रधान बनाया था। और तभी से गांव में विकास कार्य तेजी से हो रहा हैं। लेकिन दिक्कत कुछ महत्वपूर्ण विशेश्वर उर्फ पेंटर की तबीयत खराब हुई और एक निजी अस्पताल से उनका इलाज चल ही रहा था कि, बीती रात प्रधान पति विशेश्वर उर्फ पेंटर ने अपने घर पर ही अंतिम सांस ली जैसे ही मौत की खबर गांव सहित क्षेत्र वासियों को हुई उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में विधायक श्याम सुंदर भारती, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू, कमलेश रस्तोगी, विजय, विमल रस्तोगी, भाजपा नेता पवन साहू, प्रधान सुनील मौर्या, प्रधान दुजई पासी, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मीकांत रावत अन्य लोग शामिल रहे।

जौनपुर में तापमान पहुंचा 44 डिग्री, जिलाधिकारी ने लोगों से की घर में रहने की अपील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर । जून के दूसरे सप्ताह से प्रचंड गर्मी का प्रकोप जारी है। पिछले एक सप्ताह से तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। शुक्रवार को यह 43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तक पहुंच गया। दिन के मुताबिक रात में लगभग 8 से 10 डिग्री तक तापमान में उतार हो रहा है।स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। जिला अस्पताल में 10 बेड का विशेष वार्ड बनाया गया है। सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह ने बताया कि वार्ड में दो एसी लगाए गए हैं। जिले के 22 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 5-5 बेड के लू वार्ड बनाए गए हैं। जहां एसी नहीं है, वहां कूलर लगाए गए हैं।लू वार्ड में सभी जरूरी दवाएं उपलब्ध हैं। सभी सीएचसी में कूल स्पंजिंग और आइस बैग की सुविधा है। गंभीर मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर और सक्शन मशीन की व्यवस्था की गई है।राज्य मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार सिंह ने अगले तीन दिन उष्ण लहर की संभावना जताई है। बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता 15 फीसदी और हवा की गति 13 किमी प्रति घंटा रही।जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने लोगों से दोपहर 12 से 3 बजे तक घर से न निकलने की अपील की है। उन्होंने हल्के कपड़े पहनने और गमछे से शरीर को ढकने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को खरबूजा, तरबूज, अनार, केला और अंगूर का सेवन करने की सलाह दी है। नींबू पानी, लस्सी और नारियल पानी पीने की भी सलाह दी गई है। चाय-कॉफी से बचने को कहा गया है क्योंकि इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है।जनपद में पिछले पांच दिनों के तापमान के आंकड़ें इस प्रकार है।8 जून 41 डिग्री अधिकतम- 28डिग्री न्यूनतम9 जून 40 डिग्री अधिकतम -27डिग्री न्यूनतम10 जून 41डिग्री अधिकतम - 27 डिग्री न्यूनतम11 जून 43 डिग्री अधिकतम - 29 डिग्री न्यूनतम12 जून 43 डिग्री अधिकतम -28 डिग्री न्यूनतम जनपद में पिछले पांच सालों के तापमान का आंकड़ा इस प्रकार है।2020 - 39.3 डिग्री2021- 40 डिग्री2022- 41.5डिग्री2023- 42डिग्री2024- 42 .2डिग्री2025- 44 डिग्री

बिहार की चरस यूपी में तस्करी करने वाले नेपाली समेत तीन गिरफ्तार

कैनांवज टाइम्स संवाददाता

कानपुर। रेलबाजार पुलिस ने सर्विलांस सेल और स्वॉट टीम की मदद से लोको रेलवे कॉलोनी रोड के पास चेकिंग के दौरान तीन चरस तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से छह किलो चरस, एक हजार रुपये नगद और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। ये लोग बिहार से चरस लाकर नेपाल और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तस्करी करते हैं।एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नशीला पदार्थों की तस्करी करने वाले तीन शातिर तस्कर बाइक से रेलबाजार की ओर जा रहे हैं। इस पर टीम ने घेराबंदी करके बाइक सवार तीन तस्करों को दबोच लिया। उनके पास से मिले बैग की तलाशी में छह किलो चरस बरामद हुई।पूछताछ के दौरान चरस तस्करी की बात स्वीकारते हुए एक अपराधी ने बताया कि उसका नाम राम बालक शाह है, जो मूलरूप से बिहार के मोतीहारी का रहने वाला है। उसके साथियों में नेपाल के पोखरिया का रहने वाला राम विनय और कानपुर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के चंदिका निवासी हरि ओम है। बिहार से चरस लाकर नेपाल और फिर उत्तर प्रदेश के जिले कानपुर, फतेहपुर, उन्नाव और प्रयागराज समेत अन्य जिलों में तस्करी करते थे।एसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को जो इनसे इनपुट मिला है, इससे यह प्रतीत हो रहा है कि तस्करी का बड़ा गिरोह सक्रिय है जो नेपाल, बिहार और यूपी में तस्करी कर रहा है। तस्करों के मोबाइल को कब्जे में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ कर उनके फोन नंबर की डिटेल निकलवाकर पता पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह में उनके साथ और कौन-कौन जुड़ा है। जल्द ही पुलिस नेपाल और यूपी के अन्य शहरों में जाकर तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करेगी।

डीएम ने की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सम्बन्ध में बैठक

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराएं: जिलाधिकारी

सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत होने वाले टेंडर को समय से करा लिया जाये- जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कल सायं कलेक्ट्रेट सभागार में वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ी वर्ग/सामान्य वर्ग/अनुसूचित जाति एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी।जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना के संबंध में पंपलेट छपवाकर खंड विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधानों के माध्यम से जन सामान्य में वितरित कराएं। उन्होंने कहा कि शादी अनुदान योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए पम्पलेट में जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी कार्यालय का नंबर प्रिंट कराएं, ताकि इच्छुक व्यक्ति उक्त नंबर पर संपर्क कर योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि पम्पलेट पर पात्रता/मापदंड एवं कैसे आवेदन किया जाए, इसको भी प्रिंट कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में दिए जाने वाले सामानों की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत होने वाले टेंडर को समय से करा लिया जाए। बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जिला/ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए।पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री चेतन सिंह द्वारा पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन एवं अर्हता के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया। इसी प्रकार समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सामान्य एवं अनुसूचित वर्ग के लिये शादी अनुदान योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन एवं अर्हता के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया। समाज कल्याण अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक अतरौलिया, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी(स0क0) उपस्थित रहे।

हवाई हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि व्यापार मंडल ने आयोजित की शोकसभा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जालौन । अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद जालौन के तत्वावधान में शुक्रवार की शाम 6 बजे जिला परिषद रोड स्थित श्री बजरंग होटल पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। यह सभा गुरुवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वाले 242 यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आयोजित की गई।शोकसभा में मौजूद व्यापारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। संगठन के क्षेत्रीय संयोजक अशोक राठौर ने बताया कि एयर इंडिया का लंदन जा रहा विमान गुरुवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही कुछ मिनट बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट, चालक दल के 10 सदस्य सहित कुल 242 लोग सवार थे। एयर इंडिया ने अब तक 241 लोगों के निधन की पुष्टि की है।जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने इस घटना को व्यापारी समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि विमान में बड़ी संख्या में व्यापारी सवार थे, जिससे देशभर का व्यापारी वर्ग इस हादसे से आहत है। उन्होंने इसे देश और विदेश दोनों के लिए अत्यंत दुखद और हृदय विदारक क्षण बताया।इस अवसर पर जिला महामंत्री संजीव सिपोलिया, जिला महामंत्री संगठन बबलू दुबे, जिला उपाध्यक्ष बंटू गुर्जर, बलवीर जादौन, जिला प्रवक्ता प्रवीण ईंटोंदिया, जिला मंत्री मोहन रावलानी, उदय करण प्रजापति, शिव रतन कुशवाहा, युवा टीम से सतीश राजपाल, नगर अध्यक्ष उमेश शर्मा सहित अनेक व्यापारीगण उपस्थित रहे।

निजी अस्पताल शोषण का अड्डा इलाज से पहले जांच–परख जरूरी

अवैध रूप से जनपद में संचालित हो रहे जांच केंद्र और अस्पताल, प्रशासन की जांच के नाम पर सिर्फ करता है खानापूर्ति

मरीज को फंसाकर करते हैं आर्थिक शोषण,स्थिति बिगड़ने के बाद कर दिया जाता है रेफर

पैथालॉजी सेंटरों में खून की जांच के नाम पर मरी जों का हो रहा आर्थिक शोषण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले में इन दिनों मौसम के उतार चढ़ाव के च लते शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में में खांसी जुकाम के साथ ही वायरल फीवर के रोगियों इजाफा हो रहा है इसका पूरा फायदा उठाने के लिए निजी चिकि त्सकों की मिली भगत के चलते खून की जांच के नाम पर कस्बे में संचालित अवैध पैथोलॉजी व ब्ल ड कलेक्शन सेंटरों के संचालकों द्वारा मरीजों को खून की जांच के नाम पर लूटा जा रहा है जबकि स्वास्थ्य विभाग मौन साधे हुए बैठा है।लाखो की आबादी वाले शहर व ग्रामीण क्षेत्र में अवैध पैथो लॉजी एवं ब्लड कलेक्शन सेंटरो की बाढ़ सी आ गई है।जहां पैथालॉजी संचालकों ने पैथोलॉजिस्ट के नाम का बोर्ड तो लगा रखा है किन्तु किंतु किसी भी पैथालॉजी में पैथालॉजिस्ट डाक्टर की नियुक्ति नहीं है परंतु निजी चिकित्सकों के द्वारा खून की जांच के लिए भेजे मरीजों से ब्लड का सेंपल लेकर पैथालॉजिस्ट के हस्ताक्षर बनाकर मनमानी दाम ले कर मरीजों के तीमारदारों को जांच रिपोर्ट थमायी जा रही है आलम यह है कि जिले में बिना पैथोलॉ जिस्ट के करीब दर्जनों से अधिक पैथोलॉजी सेन्टर संचालित हो रहे हैं जहां निजी अस्पताल संचालकों की सांठ गांठ से खून की जांच के नाम पर मरीजों का आर्थिक शोषण किया जा रहा, समाजसेवियों का कहना है कि अवैध रूप से चल रहे पैथोलॉजी एवं ब्लड कलेक्शन सेंटरों मे खून की जांच के नाम पर मरीजों से मनमानी पैसा लेकर उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है तथा खून की जांच कराने के लिए इन पैथोलॉजी में भेजने वाले डॉक्टरों के मनमाफिक जांच रिपोर्ट में प्लेटलेट्स कम दिखाने के साथ ही टाइफाइड होने की रिपोर्ट मरीजों को थमा दी जाती है ऐसे पैथोलॉजी व ब्लेड कलेक्शन सेंटरों की जांच करा कर कार्रवाई होनी चाहिए।

निजी चिकित्सकों की सेटिंग से बनती है रिपोर्ट

परसपुर, बेलसंर, तरबगंज, मनकापुर, करनैलगंज क्षेत्र में पैथोलॉजी व ब्लड कलेक्शन सेंटरों में सीबी सी जांच रिपोर्ट में टाईफाइड के साथ साथ प्लेटलेट्स घटाने बढ़ाने का खेल इनके बायं हाथ का का म है आलम यह है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खुले प्राइवेट क्लीनिक के डॉक्टरों के इशारे पर म रीजों से जांच रिपोर्ट में टाईफाइड,प्लेटलेटस,घटा ने के साथ ही टीएलसी,डीएलसी व हिमोग्लोबिन घटाने-बढ़ाने का खेल बखूबी किया जाता है कमी शन बाजी के चक्कर में मरीजों के तीमारदारों की जेब ढीली कर दी जाती लूट के इस खेल में पैथोलॉ जी संचालकों द्वारा खून की जांच कराने के लिए पै थोलॉजी भेजने वाले निजी चिकित्सकों को चाली स से पचास प्रतिशत तक का कमीशन दिया जाता है।

अटल आवासीय विद्यालय में कमिश्नर ने दिए शिक्षा स्तर में सुधार के निर्देश,280 बच्चों का चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। देवीपाटन मंडल के कमिश्नर शशि भूषण ला ल सुशील ने अटल आवासीय विद्यालय की मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक की अध्यक्षता की।बैठक में विद्यालय संचालन के लिए जेम पोर्ट ल के माध्यम से सामग्री खरीद पर चर्चा हुई।कमि श्नर ने लापरवाह अधिकारियों को चेतावनी दी हैं और उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया हैं कि बच्चों की शि क्षा में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में कंप्यूटर शिक्षक के अनुबंध विस्तार पर भी विचार-विमर्श हुआ,उप श्रमायुक्त अनुभव वर्मा ने बताया कि विद्यालय के लिए सभी आवश्यक सामग्रियों का बजट प्राप्त हो गया है। इसमें फर्नीचर,स्मार्ट क्लास,कंप्यूटर, यूनिफॉर्म, पुस्तकें और खेलकूद सामग्री शामिल हैं।शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कुल 280 बच्चों का चयन किया गया है।कक्षा 6 और 9 में 140-140 बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा प्रवेश परीक्षा 16 फरवरी को आयोजित की गई थी।नया शैक्षिक सत्र एक मई से प्रारंभ हो चुका है।कमिश्नर ने निर्देश दिए कि बच्चों का लर्निंग ले वल नियमित रूप से चेक किया जाए।कमजोर ब च्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए।अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें नि यमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाए।

एलबीएस कॉलेज को मिला बी डबल प्लस ग्रेड: नेहा शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यन्त गर्व एवं प्रसन्नता हो रही है कि हमारे महाविद्यालय श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज,गोंडा को ''राष्ट्रीय मू ल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद'' (नैक) द्वारा बी++ ग्रेड (सीजीपीए 2.82) प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि हमारे महाविद्यालय की शैक्षणिक गुण वत्ता, शोध व नवाचार, प्रशासनिक पारदर्शिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व हेतु प्रतिबद्धता का जीव न्त प्रमाण है।ये बातें श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा के प्रबन्ध तंत्र की अध्यक्ष व डीएम नेहा शर्मा ने कालेज में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही।उन्होंने आगे बताया कि यह ग्रेड हमारे महाविद्यालय के प्रबन्ध-तंत्र, पूर्व छात्र परिषद अभिभावकों, प्राचार्य,आई0क्यू0ए0सी0, नैक स्टेयरिंग कमेटी, शिक्षकगण, कर्मचारियों एवं छात्रों की सामूहिक मेहनत एवं समर्पण का परि णाम है।नैक ग्रेड केवल एक मूल्यांकन नहीं बल्कि हमारे भविष्य की दिशा का निर्धारक भी है। प्रबन्ध तंत्र की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह ने बताया कि महाविद्या लय इस उपलब्धि को एक नई शुरूआत मानता है और गुणवत्ता में और भी सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो.रविंद्र कुमार ने बताया कि इसके पूर्व महाविद्यालय ने 14 वर्ष पूर्व 2011 में 'उ' ग्रेड को प्राप्त किया था। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ सुसज्जित प्रयोगशालाएं, ऑटोमेटेड पुस्तकालय, वाचनालय एवं आईसीटी संसाधनों में वृद्धि द्वारा महाविद्यालय को अच्छा ग्रेड प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र कल्याण हेतु अनेक तरह की सुविधाएँ प्राप्त है। छात्रों के लिए प्लेसमेंट और उद्योग से जुड़ाव की सुदृढ़ व्यवस्थाएं की गई है। महाविद्यालय द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु एनएस एस द्वारा ग्रामीण अंचलों में भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी देने, स्वच्छता अभियान, ग्राम सेवा, वृक्षारोपण आदि के कार्यक्रम चलाए गए है। महाविद्यालय के एनसीसी इकाई द्वारा राष्ट्र की सेवा के लिए छात्र/छात्रा कैडेट तैयार किये जाते है।रेडक्रास इकाई द्वारा आपातकाल में प्राथमिक उपचार के लिए छात्र/छात्राओं को ट्रेनिंग दी जाती है। उन्होंने बताया कि हम आने वाले चार वर्षों में इससे अच्छे ग्रेड की ओर अग्रसर होंगे। इसके लिए महाविद्यालय में फैकल्टी डेवलमेन्ट एवं प्रशिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।उद्योग एवं अन्य संस्थानों से सहभागिता बढ़ाई जाएगी, विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा हेतु तैयार किया जायेगा, जिसके लिए महाविद्यालय की काउंसलिंग एवं प्लेसमेन्ट सेल को मजबूती प्रदान की जायेगी।

रिटायर्ड आईपीएस राजेश पांडेय के संवादपरक विमर्श रविवार को

गोरखपुर। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के तत्वावधान में सम सामयिक विषयों पर होने वाले संवाद के अंतर्गत आगामी रविवार (15 जून) को दिन में 1:30 बजे से प्रेस क्लब सभागार में रिटायर्ड वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री राजेश पांडेय के साथ ह्वकितनी बदली कानून व्यवस्थाङ्क विषय पर संवादपरक विमर्श का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के महामंत्री पंकज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि श्री राजेश पांडेय उत्तर प्रदेश पुलिस की एसटीएफ और एटीएस की स्थापना के समय गठित टीमों के सदस्य रहे हैं और उन्होंने कुख्यात अपराधी श्रीप्रकाश शुक्ला के इनकाउंटर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस महानिरीक्षक पद से सेवानिवृत्त श्री पांडेय की लिखी तीन पुस्तकें वर्चस्व, ऑपरेशन बजूका और बैज एंड बुलेट काफी प्रसिद्ध हैं।

गन्ना विकास समिति का एकदिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

गोरखपुर। सरदारनगर स्थित सहकारी गन्ना विकास समिति में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इसमें गोरखपुर, बस्ती, महाराजगंज और सिद्धार्थनगर के 30 युवा गन्ना किसानों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का आयोजन उप गन्ना आयुक्त और जिला गन्ना अधिकारी गोरखपुर के निर्देशन में किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश गन्ना किसान एवं प्रशिक्षण संस्थान पिपराइच की ओर से किसानों को गन्ने के साथ सहफसली खेती के बारे में जागरूक किया गया।प्रशिक्षण में कई अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें उप गन्ना आयुक्त गोरखपुर, जिला गन्ना अधिकारी, चीनी मिल पिपराइच के मुख्य गन्ना प्रबंधक शामिल थे। साथ ही पिपराइच और सरदारनगर के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गन्ना समिति के सचिव और शोध केंद्र शिवरही के विशेषज्ञ वैज्ञानिक मौजूद रहे। इन सभी ने किसानों को गन्ने की वैज्ञानिक सहफसली खेती की विस्तृत जानकारी दी।

ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित ही एक मात्र मुक्ति का उपाय: आचार्य संजय पाठक

गोरखपुर । मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। यह विचार नगर पंचायत पिपराइच वार्ड नम्बर 6 में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य संजय पाठक भारद्वाज ने व्यक्त किया। आयोजित कथा में आचार्य संजय पाठक भारद्वाज ने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। व्यास पीठाधीश्वर ने गुरुवार को भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे।इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान चन्द्र रेखा देवी, श्रोता गण दीपू गुप्ता,अनुज गुप्ता,क्षितिज गुप्ता,मुन्ना मोदनवाल, अंजु देवी, सुभाष सिंह,सुगंधा देवी डिंपल सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा का रसपान किए।

परसपुर थाने में बर्बरतापूर्ण पिटाई पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग शिकायत

अमिताभ ठाकुर ने थाने पर निर्मम व बर्बरतापूर्ण पिटाई को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है

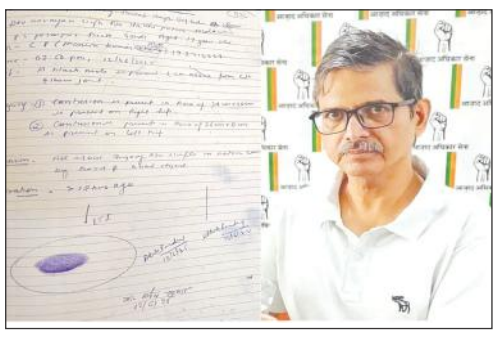

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। अमिताभ ठाकुर आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिले के परसपुर थाने में एक व्य क्ति को गिरफ्तारी के बाद कथित रूप से पिटाई किए जाने कि शिकायत राष्ट्रीय मानवाधिकार आ योग में की है उन्होंने कहा है कि उन्हें प्राप्त जानका री के अनुसार अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोलू पुत्र देव नारायण सिंह निवासी हट्टी पुरवा,मलांव,थाना परस पुर को परसपुर पुलिस ने एक मुकदमे के संदर्भ में बारह जून 2025 को सुबह गिरफ्तार किए जाने का दावा किया गया हैं।जानकारी के अनुसार थाने में लाने के बाद उप निरीक्षक रवि प्रकाश यादव ने अक्षय प्रताप के साथ अत्यंत बर्बरतापूर्वक मारपीट की,जो बात बारह जून को समय करीब दो बजकर 50 मिनट पर शाम को परसपुर के सरकारी अस्प ताल में कराए गए मेडिकल रिपोर्ट से सामने आया हैं।अमिताभ ठाकुर ने कहा कि अक्षय प्रताप के मे डिकल रिपोर्ट के अनुसार उसके शरीर पर 24*10 सेंटीमीटर और 26*8 सेंटीमीटर के दो बड़े-बड़े चो ट रिपोर्ट में दर्शाई गई है।जो प्रथमदृष्टया थाने में पु लिस की पिटाई से आए चोट दिखते हैं।आजाद अ धिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है परसपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को थाने में लाकर इस प्रकार पिटाई कि हैं जो सा फ - साफ मानवाधिकार उल्लंघन का अत्यंत ही गं भीर मामला है इसलिए उन्होंने मेडिकल रिपोर्ट की सत्यता और अन्य जानकारी ज्ञात कर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की हैं बता दें,कि पुलिस की पिटाई से अक्षय कुमार को गंभीर चोट आई है।इसे लेकर लगातार और पु लिस प्रशासन और सरकार पर भी उंगली उठ रही है।

कटरा बाजार ब्लॉक में मनरेगा में लूट का खेल जारी,मनरेगा में भ्रष्टाचार पर नहीं लग रहा लगाम

उड़िला,उर्दी गोण्डा,तिलका,सरैया,रा मापुर,परसिया रानी,बसभरिया,और चैन पुरवा के गाँवो में मनरेगा बना भ्रष्टाचार का दरिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। श्रमिकों को गांव में ही रोजगार की गारंटी देने वाली केन्द्र सरकार की मनरेगा योजना जिम्मे दारों के लिए दुधारू गाय साबित हो रही हैं।योजना में भ्रष्टाचार चरम पर है,साथ ही रोज़गार गारंटी यो जना के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा र ही हैं।मस्टर रोल में मजदूरों की फर्जी हाज़िरी लगा कर प्रधान व रोजगार सेवक अपने खास लोगो के खाते में पैसा भेज रहे हैं।ताज्जुब की बात यह है कि कई मामले सामने आने के बावजूद उच्च अधि कारियो द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।यो जना में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु एमएमएस सिस्टम लागू किया गया हैं जिसमें साइड पर जो मनरेगा म जदूर काम करते हैं उनकी मस्टर रोल में आनलाइ न हाजिरी रोजगार सेवक या मेट के द्वारा लगानें का नियम है।इसके अनुसार मजदूरों का काम कर ते हुए फोटोग्राफ्स भी अपलोड किया जाता है जो फोटो साफ सुथरी और ऊंचे स्थान से खड़े होकर खींचा गया हो जिसमें मजदूरों का चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाई दे कि जिन मजदूरों की हाजिरी मस्टर रोल में लगी हो वही मजदूर फोटो में प्रर्दशित हो, ले किन ग्राम प्रधान,सचिव,एपीओ,व मनरेगा स्टाफ की मिलीभगत से केंद्र सरकार के नियमों की खूब धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।हम बात कर रहे हैं गो ण्डा जनपद के कटरा बाजार विकासखंड की।जहाँ 47 ग्राम पंचायतो में मनरेगा योजना के तहत चक भूमि समतलीकरण,तालाब की खुदाई,तालाब सौंद र्याकरण आदि कार्य वर्तमान में संचालित है।

मनरेगा की वेबसाइट के अनुसार इन 116 कार्यों में कु ल 2641 मजदूरों की प्रतिदिन हाज़िरी लग रही है।प्रति श्रमिक 252 रुपये के हिसाब से प्रतिदिन 6,6 5,532 /- रुपए रोजगार के नाम पर खर्च किए जा रहे हैं।लेकिन सरकार की मंशा के विपरीत मनरेगा मजदूरी में रोजगार सेवक,प्रधान,एपीओ और बड़ी ओ मनरेगा से जुड़े अन्य कर्मचारियों द्वारा मजदूरों की हाजिरी के नाम पर कागज में खेला करके का म कर रहे है।

टीम गठित कर कराई जाएगी जांच:सीडीओ

मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर की जा रही लूट के बारे में जिले के जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।इस संबंध में जब मुख्य विका स अधिकारी अंकिता जैन से बात की गयी तो उ न्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि टीम गठित कर मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा योजना में फर्जीवाड़ा

केस नम्बर एक- कटरा बाजार ब्लॉक की ग्राम पंचायत बसभरिया में ऑनलाइन मस्टर रोल नम्बर 212 से 215 व 216 से 219 दो कार्यों के लिए 78 मजदूरों की हाजिरी दर्शायी जा रही है।ज कि मस्टर रोल में एक ही व्यक्ति की फोटो कई बार अपलोड की गई है जिससे धरातल पर साफ-साफ फर्जीवाड़ा नजर आ रहा है।

केस नम्बर दो- कटरा बाजार ब्लॉक की ही ग्राम पंचायत चैनपुरवा में राम फ़ेरे के घर से अलगू के खेत तक मिट्टी पटाई और शोभाराम के खेत के पा स तालाब खुदाई कार्य में ऑनलाइन मस्टर रोल सं ख्या 2296 से 2303 में दो कार्यों के लिए 70 म जदूरों की हाजिरी ऑनलाइन मस्टर में मजदूरों की हाजिरी दर्शायी जा रही है।लेकिन ना तो धरातल प र मजदूर कार्य कर रहे हैं।एक पुरानी सड़क पर म जदूरों को खड़ा करके सिर्फ फोटो खींचकर अपलो ड किया जा रहा है।

केस नम्बर तीन- कटरा बाजार ब्लॉक की ही ग्राम पंचायत देवापसिया में रामनारायण के घर तक इंट रलॉकिंग कार्य के नाम पर ऑनलाइन मस्टर रोल में 78 श्रमिको की हाजिरी दर्शायी जा रही हैं।यहाँ पर तीन कार्यों के लिए 78 श्रमिकों की हाजिरी का गज में लगाई गई है।कड़ाके के धूप और 43%गर्मी में जब लोग अपने घरों में थे उसे दिन देवापसिया में कागज पर मनरेगा मजदूर कार्य कर रहे थे।सब से विचित्र बात यह है कि चल रहे कार्य पर कहीं भी डिस्पले बोर्ड नहीं लगा दिखाई दे रहा,जबकि शासन का आदेश हैं कि हो रहे कार्यों पर डिस्पले बोर्ड पहले लगाए जाएं।इस पूरे मामले पर खंण्ड विकास अधिकारी से जब दूरभाष पर बात करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल फोन कव रेज क्षेत्र से बाहर बताया और उनसे बात नहीं हो पाई है।

टूटी नालियां, जर्जर सड़कें और हर तरफ गंदगी बनी वार्ड नंबर 14 की पहचान

नगर पंचायत बनने के बाद और बदहाल हुआ वार्ड नंबर 14, खामोश जिम्मेदार, मौन प्रशासन

नगर पंचायत में पत्राचार के बाद भी मौन है जिम्मेदार : मोहम्मद फिरोज आकिफ सभासद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज, बहराइच। आजादी के आठ दशक बाद भी तहसील मुख्यालय से चंद सौ मीटर की दूरी पर स्थित वार्ड नंबर 14 उपेक्षा के भेंठ चढ़ गया है, जगह-जगह टूटी व बजबजाती नालियां, टूटी फूटी अस्त-व्यस्त सड़कें एवं हर तरफ फैली गंदगी नगर पंचायत कैसरगंज वार्ड नंबर 14 की पहचान बन गई है। बताते चलें नगर पंचायत के गठन से पूर्व वार्ड नंबर 14 ऐनी हंतिसी ग्राम पंचायत कहलाता था, ग्राम पंचायत के विकास के क्रम में पहले लगभग सब कुछ ग्राम पंचायत स्तर के विकास के क्रम में व्यवस्थित और ठीक-ठाक था, लेकिन शासन के आधुनिकीकरण करने हेतु नगर पंचायत के गठन के बाद मानों कैसरगंज मुख्यालय के नगर पंचायत के अधिकांश वार्डों की दशा व दिशा ही बदल गई। उक्त ग्राम सभाओं के नगर पंचायत में शामिल अधिकांश मजरों की स्थिति और बदहाल हो चली।विकास का आलम यह है कि विकास के नाम पर संबंधित नगर पंचायत विभाग के कार्मिक व ठेकेदार अक्सर रात्रि को जगह-जगह बिना पूर्व सूचना के सड़के खोदकर उबड़-खाबड़ बनाकर भोर होते ही वहां से निकाल लेते हैं, जिसे अवागमन के लिए बनी सड़के आम जनमानस के लिए कष्टकारी व्यवस्था होकर रह गई है ।वार्डों में सड़क के और बनी दोनों तरफ जल निकासी के लिए नालियां अपूर्ण व जाम होने की स्थिति में दुर्गंध व गंदे पानी से बजबजा रहे हैं, हर तरफ कूड़े के ढेर जगह-जगह लगे हुए हैं जिसमें जिम्मेदारी नगर पंचायत प्रशासन की है। इस संबंध में नगर पंचायत वार्ड नंबर 14 के निर्वाचित सभासद मोहम्मद फिरोज आकिफ का कहना है कि मेरे वार्ड में कई लिखित सूचनाओं के बाद भी कोई विकास कार्य नहीं किया जा रहा है। शासन व प्रशासन के दिशा निर्देशों के अनुसार लगातार सक्षम नगर पंचायत से पत्राचार व बोर्ड बैठकों में वार्ड नंबर 14 के विकास के कार्यों को लेकर अपनी बात लिखित व मौखिक रूप में रखी जा चुकी है, लेकिन न जाने क्यों जिम्मेदार के कानों में जू नहीं रेंग रहा है।सभासद ने आगे बताया कि वार्ड नंबर 14 ऐनी पूर्वी में जल निकासी के लिए बनाई गई नालियां टूट गई है और नाले भी चोक हो चुके हैं, इससे वार्ड में जल निकासी की समस्या बनी रहती है हालत यह है कि नालों से उठ रहे दुर्गंध ने यहां के आस पास रहने वाले लोगों का जीना दूभर कर दिया , वहीं वार्ड की जर्जर सड़के आए दिन दुर्घटना का सबक बनी हुई है। वार्ड की साफ सफाई न होने से पूरे वार्ड में हर तरफ गंदगी का अम्बर लगा हुआ है लोगों में संक्रामक बीमारी फैलने का डर सता रहा है। सरकार द्वारा अनवरत चलाए गए जा रहे हैं स्वच्छता मिशन का इस वार्ड में कहीं भी कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है। अभी तक वार्ड में कहीं भी डस्टबिन नहीं लगाई गई है और ना ही सड़क और नाला निर्माण के लिए दिए गए प्रस्ताव पर कार्य कराया जा रहा है। नगर पंचायत की जिम्मेदार वार्ड की व्यवस्था सुधारने में कोई भी दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं जिससे वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डीएम के ऐतिहासिक योजना का पालन करने में अमरिया तहसील नंबर वन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।जिलाधिकारी पीलीभीत की ऐतिहासिक योजना तेरहवीं तक नई खतौनी को क्रियान्वित करने वाली अमरिया जनपद की पहली तहसील बन गई है। आज उपजिलाधिकारी अमरिया ने राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल के साथ इस योजनांतर्गत ग्राम वार चौपाल लगाने का रोस्टर जारी कर दिया जिसके अनुसार प्रथम चरण में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 20 ग्रामों में दिनांक 16 जून 2025 से लगातार प्रत्येक कार्यदिवस में मध्याह्न 12 बजे से अपराह्न 2 बजे तक ये चौपाल लगेगी जिसमें प्रत्येक दिवस रोस्टर के अनुसार मयंक गोस्वामी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की टीम के साथ मौके पर रहेंगे। और उसी दिन इस हेतु आवश्यक नई खतौनी की प्रक्रिया पूरी कर देंगे जोकि बाद में तहसील से जारी हो जाएगी। उपजिलाधिकारी अमरिया मयंक गोस्वामी ने बताया है। कि सभी राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों को निर्देशित कर दिया

और ग्राम प्रधान तथा कोटेदार को भी इस हेतु सूचित कर दें। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी की जनता को राहत देने और प्रशासनिक कार्यों को और सुगम बनाने की श्रृंखला में उनका पूर्ण प्रयास सहयोग रहेगा कि क्षेत्र के हर व्यक्ति को इसका पूर्ण लाभ मिले और उनका कार्य उनके ग्राम में ही हो जाए इस हेतु उनको तहसील आना ही ना पड़े। राज्यमंत्री के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने जिलाधिकारी की योजना को इतनी द्रुत गई से धरातल पर उतार देने पर उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी की कार्य पद्धति की खुले मन से प्रशंसा की और कहा कि उनके जैसे युवा और प्रगतिशील सोच रखने वाले कर्मठ उपजिलाधिकारी होने का लाभ अमरिया तहसील क्षेत्र की जनता को मिल रहा है। जिसका एक अच्छा संदेश क्षेत्र में जा रहा है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की है।कि जिलाधिकारी पीलीभीत ने जिस अच्छी सोच के साथ इस योजना को शुरू किया है। उसका गया है। कि इस ग्राम चौपाल की सूचना व्यापक रूप से जनसामान्य में कर दें पूरा लाभ जिले को मिल सके और लोग इसका समय रहते प्रयोग कर सके।

बिना सुरक्षा कवच के नाविक नौका बिहार कराने में मशगूल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। उमस भरी प्रचंड गर्मी में व्याकुल जीव को निजात मिले, ऐसी स्थिति में सीताकुण्ड गोमती घाट पर परिवारीजन अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, तथा गोमती नदी में ठंडी हवाओं अथवा नदी में नाव पर घूमने का आनंद प्राप्त कर रहे हैं, और शाम मन्दिरों में पूजा अर्चना करते दिखाई देते हैं तो वहीं नाव में बैठा कर लोगों को नदी का चक्कर लगा घूमाने वाले नाबिक बेखौफ होकर बिना लाइफ जैकेट, व बिना फ्लोर टयूब के साथ घुमा रहे है वहाँ नौका बिहार करने में आने वाले नगरवासियों को नाबिक की इस मनमानी से कभी भी बड़ी अनहोनी घटना को दावत दे रहा है।

नगर के विवेक नगर निवासी सौरभ सिंह ने बताया कि परिवार सहित मां गोमती घाट पर सैर करने के लिए आया था, जहां बच्चे नाव में बैठकर सैर करने की जिद करने लगे। नाविक के पास समुचित सुरक्षा कवच ना होने से यह कहते हुए वापस लौट गए कि गोमती नदी के बीच धारा में पहुंचने के बाद अगर कोई अनहोनी हो गई तो नाबिक किस तरीके से नदी में कूद कर पर्यटकों, यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकल सकता है। जब इस बात की जानकारी राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह को हुई तो नाबिक के इस मनमानी तरीके से नाराज होकर, इस पर सवालिया निशान खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग कुंभकर्णी नीद सो रहा है जिसके कारण नदी में व्यवसाय कर रहे नाबिक आज आम लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है जो किसी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, प्रदेश महामंत्री जयशंकर दुबे ने कहा जल्द ही नियम कानून लागू नहीं किए गए तो मत्स्य विभाग के खिलाफ गौ रक्षा वाहिनी आंदोलन छेड़ेगा। इस संबंध में संघ के प्रदीप कसौधन, मुकेश कसौधन, किरन सोनी, राजवीर श्रीवास्तव, विनय तिवारी व प्रवक्ता रवि दुबे ने जिला मत्स्य अधिकारी रमाकांत पांडे से वार्ता कर ऐसे बेखौफ नाबिकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर उनपर अंकुस लगाने की बात कही है।

रिटायर्ड कर्नल की कृषि भूमि पर किया अवैध रूप से कब्जा पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पंजाब राज्य के मोहाली जीरकपुर एसएएस नगर के रहने वाले कुलबीर सिंह ने थाना प्रभारी सेहरामऊ को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा कि उनकी आराजी काश्त सेहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर हरीपुर में गाटा संख्या 6,7,9,10,13,15 और 16 कुल रक्वा 16 एकड़ सहखातेदारों के साथ दर्ज है। पीड़ित रिटायर्ड कर्नल है और मोहाली जीरकपुर एस ए एस नगर पंजाब में निवास कर रहे है। उम्र 85 वर्ष हो चुकी है।जिसकी वजह से अपनी खेत की सही तरीके से देख-रेख ना कर पाने के चलते कृषि भूमि को ठेके पर लगभग 05 वर्ष पूर्व अपने सगे भतीजे गुरपेज सिंह उर्फ गगन पुत्र कुलविन्दर सिंह व भोपेन्द्र सिंह उर्फ गोल्डी पुत्र गुरजीत सिंह निवासी किशनपुर हरीपुर को दे रखी है। 5 वर्ष से कोई भी रूपया ठेके का नही दिया गया और उक्त लोग अवैध रूप से कब्जा किए हुए। किसी दुसरे व्यक्ति को भी ठेके पर जमीन में फसल नहीं लगाने दे रहे हैं। विरोध करने पर उक्त लोग अपने सगे ताऊ को जान से मारकर खेंत में दफन करने की धमकी दे रहे। पीड़ित ने जानमाल का खतरा बताते हुए मामले में थाना अध्यक्ष से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

विधायक के भतीजे समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग बालिका को तीन युवकों द्वारा भगा ले जाने का मामला सामने आया है।बालिका की मां की मानें तो वह अपने साथ अस्सी हजार रुपया भी लेकर भाग गई है। पुलिस ने तीन नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक महिला ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि मेरी नाबालिग लड़की को गुरुवार की रात को गांव के ही तीन युवकों द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले गये है जो कि घर में रखा अस्सी हजार रुपया भी लेकर चली गई है। घटना की जानकारी मिलने पर जब खोजबीन की गई तो उसे बस स्टेशन रायबरेली से बरामद किया गया है। पुलिस ने बालिका की मां की तहरीर पर रवि पुत्र रमेश कुमार, बाबादीन पुत्र लक्ष्मी नारायण व राम वचन निवासीगण ग्राम पूरे लंगड़ा मजरे पाकरगांव के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है।बताया जाता है कि उक्त मामले का मुख्य आरोपी रवि जगदीशपुर के भाजपा विधायक सुरेश पासी का भतीजा है।इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अभियोग दर्जकर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

दिव्यांग चिन्हांकन शिविर में पच्चासी लोगों को किया गया चिन्हित

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद के विकास खण्ड जामों परिसर में दिव्यांग चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पच्चासी दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया, जिसमें पात्र लाभार्थियों की संख्या सत्तावन एवं उपकरणों की संख्या चौंसठ है। जिसमें ट्राईसाइकिल के उनतीस, बैसाखी के उन्नीस, मानसिक मंदित किट हेतु आठ, व्हील चेयर के चार, कान की मशीन के एक, स्मार्ट केन के दो, छड़ी के एक,पेंशन के नौ यूडीआईडी कार्ड के उन्नीस दिव्यांगजनों को चिन्हित किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उक्त चिन्हांकन शिविर में खंड विकास अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, चिकित्सक, एडीओ समाज कल्याण सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कर्मचारी एवं विकास खण्ड के कर्मचारी मौजूद रहे। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि विकास खण्ड के विभिन्न गांव से आये दिव्यांगजनो आयोजित ने शिविर में अपना चिन्हांकन कराने के साथ ही अन्य योजनाओं का लाभ लिया।

गन्ने के खेत पर पानी लगाने गया किसान लापता अनहोनी की आशंका पुलिस से की शिकायत मचा हड़कंप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा में बृहस्पतिवार की शाम को गन्ने के खेत में इकरार शाह का भाई एजाज शाह लगभग शाम 07 बजे गन्ने में पानी लगाने के लिए इंजन लेकर गया था। तब पड़ोसी श्रीकांत मिश्रा से बोरिंग पर इंजन लगाने को लेकर विवाद हो गया जिसको लेकर श्रीकांत मिश्रा ने गाली गलौज की व जान से मारने की धमकी देकर चला गया उसके बाद लगभग 09 बजे एजाज शाह अपने घर खाना खाने आया और खाना खाकर वापस खेत पर चला गया उसके बाद से एजाज का कोई अता पता नहीं चल रहा है। परिजनो ने अनहोनी की आशंका जताते हुए कोतवाली प्रभारी को लिखित में सूचना दी। उधर युवा किसान एजाज शाह के ना मिलाने से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। किसान के बड़े भाई ने पुलिस से अपने भाई को सकुशल बरामद करने की मांग की है।

नेशनल हाईवे के डिवाइडर पर चढ़ा डंपर

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नेशनल हाईवे पर शुक्रवार तड़के समय लगभग चार बजे बताया जा रहा है कि एक डंपर मोरिंग लेकर लाल कुआं से खुटार जा रहा था। जैसे ही डंपर पूरनपुर नेशनल हाईवे चौराहे पर पहुंचा तभी अचानक चालक को झपकी आने की वजह से डंपर हाइवे किनारे बनी अस्थाई फल की दुकानों को बचाने के चक्कर में डंपर हाइवे पर बने डिवाइडर पर चढ़ गया। फिलहाल डंपर चालक और हेल्पर दोनों ही बाल-बाल बच गए और बड़ा हादसा होने से टल गया।

नेशनल हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप पर बीजेपी का झंडा लगी ब्लैक कार टैंक फुल कराकर हुई फरार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नेशनल हाईवे पर स्थित समथ पेट्रोल पंप पर सुबह 9:00 बजे बीजेपी का झंडा लगी एक ब्लैक कार पेट्रोल पंप पर पहुंची। इस दौरान बताया जा रहा है कि कार चालक ने तेल का टैंक फुल करवा लिया और बिना पैसे दिए कार चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। कुछ दूर तक कर्मचारी ने पीछा किया। मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

अधिशासी अभियंता कार्यालय पर समस्याओं को लेकर भाकियू का धरना प्रदर्शन उपस्थित रहे दर्जनों कार्यकर्ता

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। अधिशासी अभियंता कार्यालय पर बिजली की समस्याओं एवं किसानों के साथ कर्मचारी ने की अभद्रता मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन चढूनी ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसमें भाकियू जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि माधोटांडा कलीनगर व पूरनपुर में लगातार बिजली कटौती की जा रही हैं। जिससे किसान फसलों की सिचाई नही कर पा रहे और लोगों का भीषण गर्मी में बुरा हाल हैं। हबीबगंज गोटिया की रहने वाली विधवा महिला प्रेमवती का 6 महीने का बिजली बिल दस हजार 217 रुपए आया।

ब्लाक कर्मी पदनाम पट्टिका और आईडी कार्ड करें धारण : सीडीओ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा आज विकास खंड शाहगढ़ के खंड विकास अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद अपने अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे। कार्यालय की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मचारी क्षेत्रीय भ्रमण पर पाए गए। इस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जो भी अधिकारी/कर्मचारी क्षेत्रीय भ्रमण पर जाए, उसका स्पष्ट अंकन टूर रजिस्टर अथवा भ्रमण पंजिका में अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि कार्यालय परिसर में कार्यरत सभी कर्मी अनिवार्य रूप से आईडी कार्ड धारण करें और अपनी पटल मेज पर नाम पट्टिका यथावत लगाएं। पत्रावली के सुव्यवस्थित रख रखाव हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके पश्चात मनरेगा सॉफ्ट पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के आधार पर क्षेत्र में संचालित मनरेगा कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। खण्ड विकास अधिकारी शाहगढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि विकास खंड की कुल उनतालिस ग्राम पंचायतों में से सत्ताइस ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्य वर्तमान में संचालित हैं, जबकि शेष ग्राम पंचायतों में शासन के निर्देशानुसार कार्य प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने निर्देशित किया कि विकास खंड की प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना के अंतर्गत अनिवार्य रूप से न्यूनतम एक कार्य संचालित कराया जाय। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाय कि शासन की सभी लाभार्थीपरक योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध लाभ प्राप्त हो। किसी भी योजना का उद्देश्य तभी सार्थक है जब उसका प्रभाव सीधे ज़रूरतमंदों तक पहुंचे। निरीक्षण के अंत में सीडीओ ने विकास खंड अधिकारी शाहगढ़ को यह भी निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

वृहद वृक्षारोपण को लेकर डीएम ने विभिन्न स्थलों सहित पौधशाला का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । इस वर्षाकाल के दृष्टिगत जनपद में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी संजय चौहान ने कादूनाला वेटलैंड तथा पौधशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पौधों की उपलब्धता, प्रजातियों की गुणवत्ता एवं रोपण स्थलों की तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिए कि सभी पौधों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित की जाए तथा उनका रखरखाव रोपण के पश्चात भी नियमित रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता न रहकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ठोस कदम बनना चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि चिन्हित स्थलों पर गड्ढों की खुदाई, सुरक्षा की व्यवस्था तथा जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ग्राम पंचायतों, विद्यालयों और स्वयंसेवी संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। जिलाधिकारी संजय चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से यह अभियान सफल होगा और जनपद हरित व स्वच्छ बनेगा।

प्राणायाम शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है : सुनील दत्त तिवारी

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर में अध्ययनरत 100 एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों को योग और विज्ञान विषय पर व्याख्यान दिया। नियमित आसन और प्राणायाम शरीर के साथ साथ साथ मन को भी स्वस्थ रखता है। उपस्थित लोगों को वाई-ब्रेक योगाभ्यास भी कराया गया. ब्रवाई-ब्रेकब्र एक संक्षिप्त योग ब्रेक है, जिसे विशेष रूप से कार्यस्थल पर तनाव कम करने और कर्मचारियों को तरोताजा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह एक ऐसा प्रोटोकॉल है जो कर्मचारियों को अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही योग और प्राणायाम करने की सुविधा प्रदान करता है। यह ब्रेक आमतौर पर 5 मिनट का होता है और इसमें ताड़ासन, उर्ध्व हस्तोत्तानासन, प्रसारित पदोत्तानासन और नाड़ीशोधन प्राणायाम जैसे सरल योग शामिल होते हैं. वाई-ब्रेक के फायदेः तनाव कम करनाः योग और प्राणायाम से तनाव दूर होता है और मन शांत होता है. शरीर को तरोताजा करनाः योग शरीर को सक्रिय करता है और थकान को कम करता है. ध्यान केंद्रित करनाः योग से ध्यान एकाग्र होता है और काम करने की क्षमता में सुधार होता है। आरामदायकः वाई-ब्रेक को सीट पर ही किया जा सकता है, जिससे किसी विशेष स्थान या उपकरण की आवश्यकता नहीं होती अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कर नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया।

नारी शक्ति क्लब ने मनाया संस्था का स्थापना दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। 'नारी शक्ति क्लब' ने नगर के प्रतिष्ठित राम होटल में अपना दशम स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से केक काटकर मनाया। मोनिका होड़ा जी एवं सलोनी गुप्ता जी ने आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था को बखूबी अंजाम दिया। पूर्व अध्यक्ष अर्चना सिंघल जी ने अपनी मधुर आवाज में कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने हेतु एंकरिंग का कार्य भार संभाला। अध्यक्ष रानो माटा ने क्लब द्वारा वर्ष भर में सम्पन्न हुए कार्यों के बारे में जानकारी दी एवं नगर अध्यक्ष जी के साथ सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। ज्ञातव्य हो कि नारी शक्ति क्लब सदैव नगर के उत्थान हेतु तत्पर रहा है। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता का भी सहयोग प्रशंसनीय है। 'नारी शक्ति क्लब' उनका आभार व्यक्त करता है। नव निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष अंजली गुप्ता , सचिव स्मिता गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष मोनिका होड़ा को चयनित किया गया। पूर्व अध्यक्ष सविता खंडेलवाल ने सभी को पद के संरक्षण हेतु शपथ दिलाई।क्लब में सारथी श्री कृष्ण के समान भूमिका निभाने वाली पूर्व अध्यक्ष मिट्टी मंडेर ने अपने व्याख्यान द्वारा पुनः क्लब की आगामी भूमिका निर्धारित की। पूर्व अध्यक्ष मोनिका गुप्ता एवं पूर्व अध्यक्ष मीरा गुप्ता ने अपने महत्वपूर्ण विचार सभी के समक्ष रखे। क्लब एडिटर डॉ. नीता सुशील अग्रवाल जी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में ''नारी शक्ति क्लब तो अपना बेमिसाल है। गीत प्रस्तुत किया। प्रभा गुप्ता जी एवं अनुराधा गुप्ता जी ने भी नारी शक्ति की महत्ता पर अपनी कविता प्रस्तुत की।वर्ष 2024-25 में क्लब द्वारा कान्हा गौशाला में सर्दियों में गायों के लिए कंबल एवं गुड़ वितरित किया गया। नगर निगम द्वारा नव निर्मित हॉल में क्लब द्वारा बच्चियों के उत्थान हेतु कंम्पयूटर एवं पार्लर कोर्स की निःशुल्क कक्षाएं संचालित की गईं, जिससे वे भविष्य में अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। चंडी अस्पताल में निःशुल्क चिकित्सकीय परीक्षण हेतु शिविर लगाया एवं दवाएं वितरित कीं। जिसमें रंजीत कौर चंडी जी का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस, तीज महोत्सव एवं रंगोत्सव भी विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। आगे बच्चियों को सिलाई प्रशिक्षण के साथ अन्य कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी।स्मिता गुप्ता, सुधा गुप्ता एवं संगीता गुप्ता द्वारा शिक्षाप्रद फनगेम कराए गए, जिसमें मिंटी मंडेर, मोनिका गुप्ता, संगीता गुप्ता, नीता अग्रवाल, अर्चना सिंघल,मोनिका होड़ा , मंजरी गुप्ता विजयी रहीं हैं।

सत्ता के दरबार में पहुंचा विवेक मिश्रा भाजपा ने लिखवाया लेटर पैड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।नगर में लंबे समय से संगठन,धर्म और सत्ता के नाम पर खौफ फैलाकर वसूली करने वाले संजय मिश्रा गिरोह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के बाद अब आरोपियों को बचाने की राजनीतिक कोशिशें खुलकर सामने आने लगी हैं। सोशल मीडिया पर विशेष समुदाय के खिलाफ भड़काऊ बातें करने वाले विवेक मिश्रा अब खुद सत्ता पक्ष के आगे गिड़गिड़ाता दिख रहा है।

सूत्रों के अनुसार विवेक मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष के माध्यम से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र भेजकर आरोपियों को बचाने की सिफारिश की है। अब यह सवाल खड़ा हो गया है।कि क्या सत्ता पक्ष अपराधियों को शरण दे रहा है? जब कानून तोड़ने वाले खुद सत्ता की छांव में होंगे, तो कानून व्यवस्था कैसे कायम रह सकेगी? गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व लोधीपुर निवासी शोएब खान और उनके भाई रियाज पर एक सुनियोजित हमले में संजय मिश्रा समेत एक दर्जन से अधिक लोगों ने धारदार हथियारों से हमला किया था। एफआईआर संख्या 0389/2025 के तहत दर्ज केस में कई नामजद आरोपी हैं, जिनमें से जीत सिंह सहित अन्य को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और उसकी कार को पूरनपुर पुलिस ने सीज कर दिया था। इसी मामले से जुड़े विवेक मिश्रा न सिर्फ सोशल मीडिया पर विशेष समुदाय को अपमानित करने वाली पोस्ट डाल रहा है।बल्कि अब वह आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण दिलाने की कोशिश में भी जुट गया है। इस हरकत से जनता में रोष है। और सवाल उठ रहे हैं। कि क्या कानून के खिलाफ जाने वालों को राजनीतिक संरक्षण देना लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी नहीं? होटल संचालक गुरनाम सिंह के मामले में भी एफआईआर संख्या 0177/2025 दर्ज है।

जिसमें संजय मिश्रा द्वारा फोन पर धमकी, गाली-गलौज और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की बात सामने आई है।स्थानीय सूत्रों का कहना है। कि गिरोह का नेटवर्क बस अड्डों,होटल व्यवसायियों और स्थानीय दुकानदारों से वसूली तक फैला हुआ था। इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई के बाद लोगों ने राहत की सांस ली थी।

लेकिन अब सत्ता पक्ष से बचाव की कोशिशें सामने आकर पुलिस को चुनौती देने का प्रयास कर रही हैं। इस पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के नेतृत्व में पूरनपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई और निष्पक्षता की चारों ओर सराहना हो रही है। जनता में विश्वास जगा है।कि कानून का राज अब भी कायम है।

चाहे कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो,क्षेत्र में गोकशी,धर्मांतरण,दबंगई और अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून से ऊपर कोई नहीं है। दोषियों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी

कोतवाली प्रभारी पूरनपुर

मनीष कसौधन बने नगर अध्यक्ष व राजेश श्रीवास्तव हुए महामंत्री मनोनीत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के नगर कार्यकारिणी के सफलता पूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने के पश्चात प्रदेश मंत्री व क्षेत्रीय प्रभारी के दिशा निर्देश पर जिला प्रभारी प्रवीन्द्र भालोटिया की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक आहूत की गई, जिसमें जिला अध्यक्ष विजय प्रधान की संतुति पर वरिष्ठ जिला महामंत्री अंबरीश मिश्न ने पूर्व नगर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को जिला कार्यकारिणी में समायोजित कर मनीष कसौधन को नगर अध्यक्ष एंव राजेश श्रीवास्तव को नगर महामंत्री मनोनीत किया गया, साथ ही हिमांशु जायसवाल को नगर प्रभारी नियुक्त करते हुए नगर कार्यकारिणी को जल्द से जल्द पूर्ण कर व्यापारी हितों में अपना बहमूल्य योगदान प्रदान करने की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर इंजीनियर सुधीर गुप्ता को नगर उपाध्यक्ष, आकाश तिवारी को नगर मंत्री की सदस्यता ग्रहण करवाई। प्रदेश मंत्री ने नव नियुक्ति नगर अध्यक्ष मनीष कसौधन को नई जिम्मेदारी के लिए पट्टिका पहना कर संगठन में स्वागत करते हुए बधाई एंव शुभकामनायें दी। साथ ही क्षेत्रीय प्रभारी ने नवनियुक्त महामंत्री राजेश श्रीवास्तव को पट्टीका पहना कर संगठन की कार्यप्रणाली से नव न्युक्ति पदाधिकारियों को अवगत कराया। जिलाध्यक्ष विजय प्रधान ने नवनियुक्त नगर प्रभारी हिमांशु जायसवाल को उनकी विशेष जिम्मेदारी से अवगत कराते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने की अपील की।

गर्मी से मुकाबला

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है।निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा: यह सरकार और सिस्टम को दोष देने का नहीं, प्रार्थना का समय है

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से इस पर संवेदनाएं व्यक्त करनेवालों के साथ ही एक ऐसा वर्ग भी सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है, जो लगातार इस घटना के बहाने अपनी सरकार और पूरे सिस्टम को दोषी करार दे रहा है। जिन्हें देश के बड़े उद्योगपतियों से आपत्ति है, उनका विरोध यहां तक पहुंच गया है कि वह उन्हें भी इस हादसे का दोषी करार दे रहे हैं। एयर इंडिया का निजीकरण करने की आलोचना कर रहे हैं और सरकार को इस दुर्घटना का कारण मानकर उसे कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। किंतु क्या यह व्यवहार ठीक है जब देश के प्रत्येक नागरिक को इस दुखद प्रसंग में एक साथ खड़े होना चाहिए, जब उन्हें मृतकों के लिए शांति की प्रार्थना करनी चाहिए तब क्या इस प्रकार के लोगों का नकारात्मक व्यवहार उचित कहा जा सकता है। कई पोस्ट पढ़ते वक्त लगा कि ये क्या लिखा जा रहा है कहा जा रहा है कि अहमदाबाद सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट के ऑपरेशन और मेंटेनेंस का काम Adani Enterprises की कंपनी Ahmedabad International Airport Ltd (AIAL) देखती है, जिसे 2020 में एयरपोर्ट का ठेका 50 साल के लिए मिला था। एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। अक्टूबर 2021 में सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण करते हुए इसे टाटा ग्रुप को सौंप दिया था। निजीकरण के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है लेकिन सुविधाएं घटिया होती जा रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जब से प्राइवेटाइजेशन हुआ है तब से स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है रोडवेज बसे, ट्रेन और अब फ्लाइट...। इसी तरह से किसी भी स्तर पर जाकर जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार को कोसने का अवसर चाहिए, उन्होंने भी इस हादसे में अपने लिए अवसर ढूंढ़ लिया। अब जो यह लिख रहे हैं, उन्हें पूरी हकीकत भी पहले जान लेना चाहिए। क्योंकि समझनेवाली बात यह है कि अदानी कंपनी का काम एयरपोर्ट की देखभाल है, हवाई जहाज उड़ाने और लैंड कराने का काम एयरपोर्ट ऑथोरिटी का है। फिर भी उद्योगपति गौतम अडानी की जो प्रतिक्रिया सामने आई है, वह एक बार सभी को अवश्य देखना चाहिए। अडानी ने कहा, ''हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।'' इस वक्त अडानी समूह एयर इंडिया के विमान AI171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर, अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं।यहां इससे अधिक हम क्या अपेक्षा कर सकते हैं अडानी ग्रुप से जबकि वह तो अपना काम अच्छे से कर ही रहा है। हालांकि यह गहन जांच का विषय है कि उक्त हादसा हुआ क्यों पर हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह पहला मौका नहीं है जब बोइंग का कोई विमान क्रैश हुआ है। हादसों के मामले में बोइंग विमानों का इतिहास दागदार है। इससे पहले 2024 में दक्षिण कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई थी। इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का नया वर्जन था। 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और

अडानी ने कहा, ''हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।'' इस वक्त अडानी समूह एयर इंडिया के विमान इक्का71 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर, अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं।यहां इससे अधिक हम क्या अपेक्षा कर सकते हैं अडानी ग्रुप से जबकि वह तो अपना काम अच्छे से कर ही रहा है। हालांकि यह गहन जांच का विषय है कि उक्त हादसा हुआ क्यों पर हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह पहला मौका नहीं है जब बोइंग का कोई विमान क्रैश हुआ है।

इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं। इन दुर्घटनाओं में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई। इस संबंध में अभी तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार, बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6,000 दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। इसमें 415 घातक थीं और 9,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। दुनिया भर में हजारों यात्री विमानों में कम से 4,000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में बोइंग विमानों का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में पायलटों ने इंजन में बर्फ जमने, ईंधन रिसाव, जनरेटर की विफलता और विद्युत प्रणाली में खराबी जैसी समस्याओं की भी शिकायत की है। इन्हीं कमियों के चलते 2024 में कंपनी के एक इंजीनियर, व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर ने ड्रीमलाइनर के मुख्य भाग में संरचनात्मक समस्याओं के बारे में अमेरिकी सीनेट को बताया था। इसके बाद बोइंग फिर से जांच के दायरे में आ गया। उन्होंने दावा किया था कि छोटी-छोटी खामियां और सही असेंबलिंग न होना विमान के जल्द खराब होने और संरचनात्मक विफलता का कारण बन सकते हैं। एफएए ने एक जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है। स्वभाविक है जब तक जांच का कोई परिणाम नहीं आ जाता, ये विमान आसमान में पूरी दुनिया में उड़ते रहेंगे। वस्तुतः यहां हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस विमान को आधुनिक ओर सक्षम विमान माना जाता है लेकिन इन विमानों का इतिहास सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा रहा है। यह विमान ही क्यों पूरा हवाई सेक्टर ही हमेशा से चिंताओं से भरा रहा है। लाख सावधानी और सुरक्षा के बाद भी घटना कहीं भी कभी भी घट सकती है। यह कोई दावा किसी भी स्तर पर नहीं कर सकता कि दुर्घटना का पता पहले से लगाया जा सकता है। इस केस में पहले प्लेन के पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर ने mayday कॉल किया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को हादसे के पहले यह बताने की कोशिश की थी कि विमान में कुछ गड़बड़ी है ख़थभदथभ कॉल का मतलब पायलट के पास मदद मांगने का समय था, लेकिन प्लेन कंट्रोल करने का नहीं।' इसका मतलब यह भी है कि इस विमान में अचानक से आई कोई बड़ी खराबी रही, जो इसके हादसे का कारण बना है। वास्तव में यह वक्त अपनी सरकार पर दोषारोपण करने का नहीं, बल्कि जो मृत हुए हैं, उनके प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त करने का है। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। पति-पत्नी के साथ उनके दो जुड़वां बच्चे और एक बेटे की जो अंतिम फोटो सामने आई है, वह सभी को भावुक करती है। प्रतीक जोशी जो लंदन में पेशे से डॉक्टर थे, उनकी पत्नी कोमी व्यास, जुड़वां बेटियां मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, बेटा नकुल जोशी के साथ यात्रा कर रहे थे। प्लेन के टेकऑफ होने से पहले उन्होंने सेल्फी भी ली थी जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मरनेवालों में कई लोग तो अपनी बहुत जिंदगी जी चुके थे, लेकिन ये तीनों बच्चे तो अभी बहुत छोटे ही थे, जिन्हें जीवन में बहुत कुछ देखना था, पर अनहोनी के बारे में क्या भविष्यवाणी की जा सकती है! इस प्लेन क्रैश में नई नवेली दुल्हन खुशबू की पहली उड़ान ही उसके लिए आखिरी साबित हुई जोकि अपने पति के पास लंदन जा रही थी। एक भारत की बेटी राजस्थान के उदयपुर की रहने वाली पायल खटीक जो अपने सपनों को उड़ान देने के लिए लंदन जा रही थी, उसके परिवार के लिए उसकी ये यात्रा अंतिम साबित हुई है। वस्तुतः इस तरह की अनेक कहानियां हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया, हर कहानी बहुत भावुक करती है और जिंदगी का सबक भी देती हैं कि जीवन में अंतिम क्षण कब, कहां आ जाए कोई भरोसा नहीं। यहां देखो; ये सभी यात्री थे, लेकिन जो कहीं यात्रा नहीं कर रहे थे, ऐसे विमान हादसे में कम से कम पांच एमबीबीएस के छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर और बीजे मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद के सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की भी मौत हुई है। इस हादसे में 60 से अधिक मेडिकल छात्र घायल हुए हैं। अब तक जान गंवाने वालों का आंकड़ा 265 पर जा पहुंचा है। रेस्क्यू टीमों ने विमान के ब्लैकबॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिया है, अब रिपोर्ट आनी बाकी है, जिसके बाद यह खुलासा हो सकेगा कि हादसे से पहले अंतिम पलों में में हुआ क्या था। लेकिन जब तक रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कम से कम हम इतना तो कर ही सकते हैं जो नहीं रहे, उन मृतकों के लिए शांतिपाठ और जो घायल हैं, उन सभी घायलों के लिए प्रार्थना, न कि अपनी सरकार को घेरने का इसे अवसर मानकर सिर्फ नकारात्मक बातें फैलाने का हम कारण बने। **-डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

अहमदाबाद में 'सपनों की उड़ान' से सुलगते सवाल

प्रियंका सौरभ

अहमदाबाद में 12 जून की सुबह आम दिनों की तरह सामान्य थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज की दोपहर रुलाने वाली होगी। एअर इंडिया की फ्लाइट ए1-171 लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने कुछ ही सेकंड बाद क्रैश हो गई। यह हादसा सिर्फ अहमदाबाद को ही नहीं, पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर गया। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियां थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था। किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था। कोई नौकरी के लिए लंदन जा रहा था तो कोई अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो। मगर अधिकांश ने आखिरी बार कहा होगा-पहुंचकर फोन करना। लेकिन इसका मौका 'सपनों की उड़ान' भरने वालों को नहीं मिला। इस विमान का बड़ा हिस्सा मेघानी नगर के मेडिकल छात्रावास पर भी गिरा। इससे वहा रह रहे छह छात्र भी मौत के मुंह में समा गए। यह युवा भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। किसी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का 'मिस्ड कॉल' दिख रहा होगा। किसी के व्हाट्स ऐप पर अब भी ''लैंड करते ही मैसेज करना'' लिखा होगा। हादसे में मर जाना अलग बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एअर इंडिया का यह ड्रीमलाइनर विमान आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक से लैस था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है-कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है? कैप्टन सुमीत सबरवाल इस विमान को उड़ा रहे थे। वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे। उनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। कहते हैं कि दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज 'मेडे कॉल' के रूप मे दर्ज है। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। खबर फैलते ही अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हादसों के बाद हम अकसर संवेदनाएं प्रकट करते हैं। मोमबत्तियाँ जलाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं। एक छह साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। यह कहानियां तकलीफदेह हैं। इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए। पहला-पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। दूसरा-यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान हो, उसे उड़ने से पहले सौ बार जांचा जाए। एक शोक रचना याद आ रही है-''जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए।'' यह दुर्घटना उन सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि है जो सिर्फ मंज़ल की आशा लेकर चले थे और अब हमारी यादों का हिस्सा बन गए हैं। वे लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन अगर हमने उनकी याद में सिस्टम को बेहतर बना दिया, तो शायद उनके जाने का कोई अर्थ रह जाएगा।

सेहत मंत्र

कैंसर और अस्थमा जैसी घातक बीमारियों से दूर रखता है जीरा

वैसे तो भारतीय रसोईघरों में बहुत सी चीजें आपको यूं ही पड़ी हुई मिल जाती हैं लेकिन जीरा आपको हर घर की मसालेदानी में जरूर दिखाई देता होगा। जीरे का खाने में खूब प्रयोग किया जाता है। जीरा खाने के स्वाद और सुगंध को बढ़ाने में मदद करता है। सूप, सब्जी, दाल, रायता, सलाद, जूस आदि में प्रयोग होने वाले जीरे के बहुत सारे फायदों के बारे में आप शायद जानते भी नहीं होंगे। जीरा में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सिडेंट सूजन को कम करने और मांसपेशियों को आराम पहुचांने में कारगर साबित होते हैं। जीरा आयरन, कॉपर, कैल्शियम, पोटैशियम, मैगनीज, जिंक व मैगनीशियम जैसे मिनरल्स का एक अच्छा स्त्रोत है। इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी-कॉम्प्लैक्स जैसे खनिज भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। जीरा न केवल आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है बल्कि इसका पानी पीने से उल्टी-दस्त, गैस और कॉन्सटिपेशन से भी राहत मिलती है। जीरे में पाए जाने वाले पर्याप्त मात्रा में मौजूद पोषक तत्व और खनिज इसकी गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है। जीरे के सेवन के कई फायदे हैं, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं अगर आप भी जीरे का सेवन नहीं करते हैं तो आज से ऐसा करना शुरू कर दें क्योंकि यह कैंसर और अस्थमा जैसी घातक बीमारियों से आपको दूर रखने में मदद करता है।जीरे में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। अगर आप जीरे का नियमित सेवन करते हैं तो आप दिल की बीमारियों और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों से बच सकते हैं। इसके अलावा जीरा शुगर के मरीजों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। अगर आपको लगातार सर्दी-जुकाम जैसी समस्या रहती है तो जीरे का सेवन जरूर करें। जीरे में मौजूद विटामिन-सी और आयरन सर्दी-जुकाम से लड़ने में मदद करते हैं और आपकी इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। जीरा फ़ेफड़ें से जुड़ी अन्य समस्याओं में कारगार साबित होता है और ये अस्थमा के मरीजों के लिए भी लाभकारी है।

धर्म मंत्र

कल्याणेश्वर महादेव मंदिर अपने आप में समेटे है कई रहस्य, शिवलिंग पर अर्पित जल हो जाता है गायब

दिल्ली से करीब 90 किलोमीटर दूर गढ़मुक्तेश्वर में पांच मंदिर स्थित हैं। इन पांच मंदिरों में सबसे पुराना कल्याणेश्वर महादेव का मंदिर है। इस मंदिर के रहस्य और चमत्कार को आज तक कोई भी नहीं समझ पाया है। बताया जाता है कि भोलेनाथ का यह मंदिर अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए हैं। इस मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य यह है कि यदि कोई यहां के शिवलिंग पर जल अर्पित करता है। तो वह जल शिवलिंग पर बहता नहीं बल्कि गायब हो जाता है। यह पानी कहां गायब हो जाता है। आज तक इस रहस्य को कई भी नहीं जान पाया है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के इतिहास और रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे पढ़कर आप भी दंग रह जाएंगे। दिल्ली से 90 किलोमीटर दूर गढ़मुक्तेश्वर में यह मंदिर स्थित है। इस मंदिर की पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत काल का एक राजा नहूस था। बताया जाता है कि उस राजा ने इस मंदिर के शिवलिंग पर लाखों घड़े जल अर्पित किया था। लेकिन इसके बाद भी वह राजा यह नहीं जान पाया कि आखिर शिवलिंग पर अर्पित किया गया जल कहां गायब हो जाता है। कहते हैं कि जब राजा ने शिवलिंग की परीक्षा लेने के लिए उस पर लाखों घड़े पानी अर्पित किया तो इस परीक्षा के कारण उसे श्राप लग गया था। उस श्राप के कारण राजा नहूस की पूरी जिंदगी तबाह हो गई थी।

पर्यटन

झुकी होने के बाद भी मजबूती से खड़ी है पीसा की झुकी मीनार

अभी इटली की यात्रा शुरू ही हुई थी और हम रोम की सितंबर माह की तेज गर्मी में कोलोजियम देख कर लौटे थे कि वहां रहने वाले फैमिली फ्रेंड्स ने रात के खाने का ऑफर दे दिया। खाना भी उनके घर पर नहीं, बल्कि पुराने रोम और नए रोम के मध्य में ठहरे एक रेस्तरां में, जहां का अनुभव अनूठा था। यूरोप यात्रा का पहला दिन रोम में यूरोपियन संस्कृति, वास्तुकला को देखते हुए और बरसों पुरानी मेट्रो में यादगार सफर करते और वहां के लोकल पिज्जा का स्वाद चखने में बीता। अब दूसरा दिन था इटली के बहुत चौड़े नहीं, लेकिन सुंदर राजमार्गों से गुजरने का और प्रकृति के साथ रूबरू होने का। गाइड क्लाउडियो ने रात को ही होटल में जो प्रोग्राम लगाया उसमें इटली के टस्कनी क्षेत्र से गुजरते हुए पीसा जाने का कार्यक्रम तय था। पीसा जाना और वहां स्थित कैथेड्रल स्क्वायर की झुकी हुई मीनार को देखना निश्चित रूप से कौतूहल पैदा कर रहा था। देर रात में डिनर से लौटने के बाद भी नियत समय पर अंतरराष्ट्रीय सैलानियों का पूरा ग्रुप पीसा जाने वाली कोच में सवार था। अब शुरू हो गया था टूरिस्ट गाइड का अनवरत बोलना। वह बता रहे थे कि कैसे हम टस्कनी के खूबसूरत पहाड़ों, पेड़ों और वाइन यार्डस से गुजरेंगे और पीसा पहुंचेंगे। कुछ घंटों की यह यात्रा बहुत रोमांचक थी, क्योंकि हम यूरोप यात्रा में एक अलग से डेस्टिनेशन की ओर बढ़ रहे थे और वहां के खुले मौसम, नीले आसमान और स्वच्छ पर्यावरण के मुरीद होते जा रहे थे। वैसा चमकता आसमां यहां कभी देखा नहीं और देखा भी तो शायद कश्मीर की वादियों में जब बर्फबारी के बाद खुलकर धूप निकलती है। वास्तव में रोम से पीसा का रास्ता मनमोह लेने वाला था। कई वीडियो बनाए हरियाली और बलखाती साफ-सुथरी सड़कों के। आखिर में हम पहुंचे पीसा। लग रहा था कि कोई बहुत बड़ा कैंपस होगा, जिसे देखने के लिए हर कोई लालायित है। बंगलादेशी नागरिकों के लगाए विंडो मार्केट में बिकते भारतीय और चाइनीज सामान को देखते हुए गुजरे तो सीधे एक गेट पर पहुंचे, तो सामने से सीधे दिखी वह मीनार जो पीसा की झुकती मीनार के नाम से दुनिया भर में जानी जाती है।

बाढ़ सुरक्षा : प्रशासन अलर्ट मोड में ,डीएम शशांक त्रिपाठी ने किया प्रभावित क्षेत्र का दौरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

डीएम की नेतृत्व क्षमता से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दिख रही तैयारी की नई मिसाल

बाराबंकी। कहा जाता है कि जब नेतृत्व सजग और संवेदनशील हो, तो समस्याएं खुद-ब-खुद दम तोड़ देती हैं। बाराबंकी जनपद को ऐसे ही प्रतिबद्ध और दूरदर्शी जिलाधिकारी के रूप में श्री शशांक त्रिपाठी का नेतृत्व मिला है, जिनकी कार्यशैली में न केवल तत्परता है, बल्कि आमजन के प्रति गहरी संवेदनशीलता भी परिलक्षित होती है। संभावित बाढ़ आपदा की आशंका को भांपते हुए उन्होंने जनपद को हर स्तर पर तैयार करने की ठोस रणनीति अपनाई है।

राहत और बचाव तैयारियों का व्यापक निरीक्षण

शुक्रवार को जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने तहसील रामनगर के विभिन्न अति संवेदनशील और बाढ़ संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन, संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री तेजस के., एसडीएम रामनगर श्री विवेक शील यादव सहित सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन व आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हेतमापुर में राहत शरणालय का निरीक्षण ऽ मानवीय दृष्टिकोण की मिसाल

निरीक्षण की शुरुआत हेतमापुर से हुई, जहां संभावित बाढ़ के दौरान विस्थापित होने वाले लोगों के लिए बनाए जा रहे राहत शरणालय का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने निर्माण की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय, बिजली, प्राथमिक उपचार, शयन व्यवस्था व महिला-बाल हितैषी व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मानक के अनुरूप सुविधाएं सुनिश्चित हों और समय से पूर्व कार्य पूर्ण कर लिए जाएं।

कटाव स्थलों का स्थलीय अवलोकन और जनसंवाद

इसके पश्चात जिलाधिकारी ने हेतमापुर कटाव व बबुरी (सरसंडा) में सरयू नदी के कटाव स्थलों का निरीक्षण किया। कटान की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने अभियंताओं से तकनीकी समाधान एवं स्थायी सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। साथ ही, ग्रामवासियों से संवाद स्थापित कर उनके अनुभव व सुझावों को गंभीरता से सुना।

ग्रामीणों ने पिछले वर्षों में झेली गई बाढ़ त्रासदी की पीड़ा साझा की, जिस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस बार हरसंभव प्रयास किया जाएगा ताकि जन-धन की हानि को रोका जा सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार जियोबैग, बोल्डर बिछाव व ब्रेसिंग कार्य प्राथमिकता से कराए जाएं।

684.02 लाख रुपये की लागत से तटबंध को सुदृढ़ करने का कार्य प्रगति पर

जिलाधिकारी श्री त्रिपाठी ने चहलारीघाट-गणेशपुर तटबंध (किमी 43.414 से 43.740) पर चल रहे रिवेटमेंट व कटाव रोधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सिंचाई विभाग और निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि कार्यों को बारिश शुरू होने से पूर्व हर हाल में पूर्ण किया जाए। उल्लेखनीय है कि ?684.02 लाख की लागत से बन रहे इस तटबंध से लगभग 8250 की आबादी व 7622 हेक्टेयर कृषि भूमि को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। निर्माण कार्यों में स्टोन बोल्डर, जियोबैग, जियोफ़ेब्रिक और बांस ब्रेसिंग जैसी आधुनिक संरचनात्मक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है, जो स्थायित्व और मजबूती की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

नियोजित रणनीति, जनसंवाद और प्रशासनिक समर्पण ऽ यही है बाराबंकी के नए प्रशासनिक युग की पहचान

जन संवाद और समन्वयात्मक प्रशासनिक दृष्टिकोण

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम कुसौरा में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर राहत उपायों से संबंधित सुझाव भी लिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन हर स्तर पर मुस्तैद है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर चुका है।

सभी विभागों को दिए निर्देश ऽ ग्रामस्तर तक पहुंचें राहत योजनाएं

निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ राहत व बचाव कार्यों से जुड़ी समस्त तैयारियां समय से पूर्ण हों। उन्होंने बाढ़ चौकियों को क्रियाशील करने, स्वास्थ्य विभाग को टीमें तैनात करने तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए ठोस योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

साथ ही, पशुपालन, पंचायत, ग्राम्य विकास, आपदा प्रबंधन समेत सभी विभागों को समन्वित रूप से काम करने और ग्रामस्तर पर निरंतर भ्रमण कर जमीनी जरूरतों के अनुरूप कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता जताई।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व कुशल नेतृत्व व संवेदनशीलता का प्रतीक

श्री शशांक त्रिपाठी का प्रशासनिक नेतृत्व जनपद में न केवल कार्यकुशलता की मिसाल बना है, बल्कि आमजन के विश्वास का मजबूत आधार भी। उनकी सक्रियता, दूरदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण ही है जो बाराबंकी जैसे संवेदनशील जनपद को प्राकृतिक आपदाओं के विरुद्ध सशक्त सुरक्षा कवच प्रदान कर रही है ।

विकास कार्यों की जांच में मिली अनियमित्ता व सत्यता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। ग्रामसभा पीरोसरैया में विकास कार्यों में धांधली की शिकायत पर जांच अधिकारी जांच बिंदुओं की जांच किये। जिसमें शिकायतकर्ता के आरोपों में सत्यता मिली।

पुराने पंचायत भवन को मरम्मत करने के नाम पर 2020-2021 में दो लाख पैतीस हजार दो सौ अस्सी रुपये निकाले गए। इसके बावजूद पंचायत भवन को जेसीबी से तोड़वा दिया गया। जिसकी जांच अधिकारी ने किया। तथा मेंनरोड से जूनियर स्कूल तक के इंटरलॉकिंग की शिकायत होने की तारीख के बाद लगवाए गए इंटरलॉकिंग की भी जांच उक्त अधिकारी ने किया। ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र वर्मा के साथ आये जांच अधिकारी, जगप्रसाद के दरवाजे से नहर तक इंटरलॉकिंग की जांच की। जिसमे कराए गए इंटरलॉकिंग 600 मीटर के सापेक्ष 336 मीटर ही इंटरलॉकिंग लगा मिला। मजे की बात यह रही कि जांच अधिकारी द्वारा प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी को कई नोटिस के बाद भी सेक्रेटरी जितेंद्र वर्मा जांच के दौरान कराए गए कार्यों की फाइल उपलब्ध नही करा सके। जांच के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी विकास कार्यों में अपूर्णता व भ्रष्टाचार के आशंका के मद्देनजर कराए गए कार्यों की फाइल नही उपलब्ध कराये। तथा ग्रामीणों द्वारा यह पूंछने पर कि जांच के दौरान कराए गए कार्यों की फ़ाइल क्यों नही लाये ,वाले सवाल से जांच अधिकारी के सामने ही सेक्रेटरी कन्नी काटते रहे। फिलहाल जांच विन्दुओं की जांच में 600मीटर इंटरलॉकिंग के सापेक्ष 336 मीटर ही इंटरलॉकिंग कार्य होना बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। जांच कार्य में सेक्रेटरी द्वारा कराए गए कार्यों की फाइल उपलब्ध न कराना भी प्रधान के साथ भ्रष्टाचार में संलिप्तता की कहानी बयाँ कर रही है।

पंचायतों में डिजिटल क्रांति : पंचायत भवन बन रहे स्मार्ट

वाईफाई, जनसेवा समेत विभिन्न सुविधाओं का बने केंद्र , ग्रामीणों को ब्लाक तहसील के चक्कर लगाने से मिल रही निजात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी । विकासखंड की ग्राम पंचायतों में एक नई परिवर्तनकारी पहल के तहत पंचायत भवनों को डिजिटल सेवा केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक प्रयास में प्रशासनिक दक्षता और तकनीकी नवाचार का समावेश करते हुए ग्रामीणों को बुनियादी सेवाएं अब पंचायत स्तर पर ही सुलभ कराई जा रही हैं। ब्लॉक विकास अधिकारी श्री संजीव गुप्ता के कुशल नेतृत्व व स्पष्ट दिशा-निर्देशों तथा एडीओ पंचायत श्री विजय सैनी की सतत निगरानी में पंचायतों को अत्याधुनिक और नागरिक केंद्रित बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत भवनों में वाईफाई कनेक्टिविटी, सीसीटीवी कैमरे, मॉड्यूलर फर्नीचर, डिजिटल रजिस्टर, इनवर्टर बैकअप और स्वच्छ बैठक व्यवस्था जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। इसके साथ ही आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, पेंशन आवेदन, रोजगार पंजीकरण आदि सेवाएं अब ग्राम पंचायतों पर ही पारदर्शी और सरल प्रक्रिया के तहत मिल रही हैं। विकास खड़ के ही सिद्धियावां व कमेला जैसी ग्राम पंचायतें अब 'मॉडल पंचायत कार्यालय' के रूप में विकसित हो चुकी हैं। इन भवनों में ज्ञानगांव लाइब्रेरी, जागरूकता संबंधी पोस्टर, डिजिटल सूचना पटल, एलईडी प्रकाश व्यवस्था और महिलाओं के लिए पृथक बैठक क्षेत्र जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही हैं। एडीओ पंचायत श्री विजय सैनी ने बताया,ब्लपंचायत सचिवों के सहयोग से यह कार्य तेजी से प्रगति पर है। हम लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और मानकों के अनुरूप सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। आने वाले समय में प्रत्येक पंचायत भवन स्मार्ट सुविधाओं से लैस होगा। यह पहल केवल विकास की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रशासन में विश्वास और सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रही है। हैदरगढ़ ब्लॉक की यह योजना पूरे जनपद के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रही है, जो दर्शाती है कि अगर इच्छा शक्ति हो, तो गाँव भी डिजिटल युग में कदम से कदम मिला सकते हैं।

गांवों में पारदर्शी और तकनीक आधारित प्रशासन लाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक पंचायत भवन को मिनी जनसेवा केंद्र के रूप में सशक्त किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता न हो।

श्री संजीव गुप्ता
खंड विकास अधिकारी
हैदरगढ़ बाराबंकी

परिवर्तन के लाभ से लाभ देखने को भी मिल रहा है जिनमें ग्रामीणों को त्वरित व पारदर्शी सेवाएं,सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन , युवाओं को डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता , सचिवों के लिए आधुनिक कार्य वातावरण , ग्राम पंचायतों में नवाचार और उत्तरदायित्व की भावना में वृद्धि आदि शामिल है।

योग सप्ताह का शुभारंभ कल, होंगे अनेकानेक आयोजन

करें योग रहे निरोग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जिला आयुष विभाग के तत्वावधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आगामी 15 जून से योग सप्ताह का व्यापक स्तर शुभारंभ होगा। इस अवसर पर योग कार्यक्रमों का आयोजन संपूर्ण जनपद में ग्राम पंचायत स्तर एवं विकास खण्ड स्तर पर होने की पूर्ण तैयारी है।

जिला आयुष समिति के अध्यक्ष डीएम शशांक त्रिपाठी ने आगामी 15 जून से 20 जून तक आयोजित योग सप्ताह एवं 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की कड़ी में आयोजित विभिन्न योग कार्यक्रमों को प्रभावी एवं सामूहिक प्रयास का प्रतीक बनाने के निर्देश दिए हैं । क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ वीनम यादव एवं जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ अर्चना श्रीवास्तव के निर्देशन में इस वर्ष भी योग की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग न केवल वसुधैव कुटुंबकम की भावना को सशक्त करती है बल्कि संपूर्ण मानवता को स्वस्थ्य जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाने के लिए भी प्रेरित करती है । डॉक्टर शालिनी सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए पुरजोर तैयारी हैं। इसके लिए जिले भर के समस्त राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी तथा होम्योपैथिक चिकित्सालयों में तैनात चिकित्साधिकारियों एवं योग प्रशिक्षकों तथा योग सहायकों के द्वारा विभिन्न स्थानों पर योग शिविरो का आयोजन कर आयुष मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त योग पुस्तिका का वितरण कर प्रतिदिन प्रातः काल योग कराया जा रहा है तथा जनसाधारण को अपने दैनिक जीवन में योग अपनाने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। जिससे अधिक से अधिक लोग योग से जुड़े और अपने शरीर तथा मन को संतुलित रखें और तनाव से दूर रहें।

इसके लिए शहर के कमला नेहरू पार्क में योग प्रशिक्षक के द्वारा योग कराया जा रहा है तथा दिव्यांग बच्चों हेतु उम्मीद किरन स्पेशल स्कूल एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में योग प्रशिक्षक द्वारा योग कराया जा रहा है । जिला संप्रेक्षण गृह (किशोरी) में सहायक योग प्रशिक्षिका द्वारा योग कराया जा रहा है। इसी तरह जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गनेशपुर डायट में कपिल मुनि आश्रम पल्हरी, अटल पार्क, केडी सिंह बाबू स्टेडियम आदि जिले के विभिन्न जगहों पर विभाग के समस्त स्टाफ द्वारा योग शिविरों का आयोजन कर जनमानस को योग के प्रति जागरुककिया जा रहा है। जिससे आगामी 21 जून को आयोजित योग दिवस समारोह में अधिकतम जनमानस की सहभागिता को बढ़ाते हुए योग दिवस का सफल और भव्य आयोजन संपन्न हो।

हादसों में तीन लोगों की असमय मौत

मसौली बाराबंकी। अलग अलग स्थानों पर हुए हादसों मे 3 लोगो की मौत हो गयी पुलिस ने पंचनामा कर शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पलहरी के निकट गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट मे आकर बड़ागांव निवासी रईश पुत्र शमशुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल मे भर्ती कराया इलाज के दौरान घायल की मृत्यु हो गयी। इसी क्रम मे गुरुवार की देर रात्रि करीब 10 बजे सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम प्यारेपुर निवासी 25 वर्षीय बरातीलाल पुत्र रामकेवट घर से निकला था जिसका शव शुक्रवार की सुबह गाँव के बाहर स्थित पानी टंकी परिसर मे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक घनश्याम वर्मा ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीसरी घटना जहाँगीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम करन्द के निकट ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गयी मृतक की पहचान बिहार प्रांत के धर्मेंद्र के रुप मे हुई है। पूर्वमंत्री अरविन्द सिंह गोप पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, अजय वर्मा पोस्टमार्टम हाऊस पहुंच कर मृतक परिजनों को सांत्वना दी।

सभासदों ने आरोप लगाकर दिया धरना, चेयरमैन बोले विकास में बाधा डाल रहे सभासद

हैदरगढ़ बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत हैदरगढ़ के कुछ सभासदों ने तहसील परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के पास धरना देते हुए नगर पंचायत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर में सफाई व्यवस्था लचर है, गंदगी व्याप्त है तथा जनप्रतिनिधियों को सम्मान नहीं दिया जा रहा। धरना देने वालों में सभासद सूरज दीक्षित, महेश नारायण अग्रवाल, विपिन सोनी सहित अन्य शामिल रहे। वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री आलोक तिवारी ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि नगर में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य हो रहे हैं। जनता के हित में निरंतर विकास कार्य चल रहे हैं, जिनमें सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, जलनिकासी सुधार और स्वच्छता अभियान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नगर में हो रहे सकारात्मक बदलाव और तीव्र विकास से असहज हैं, इसलिए असंवैधानिक ढंग से विरोध कर विकास कार्यों में बाधा डालना चाहते हैं। यह प्रयास सफल नहीं होंगे। चेयरमैन श्री तिवारी ने दोहराया कि जनता ने उन्हें जो विश्वास और जनादेश दिया है, उसके अनुरूप नगर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए वह संकल्पित हैं।

पुलिस ने लूट व चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, दो गिरफ्तार

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली नगर पुलिस ने लूट व चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, पर्स में नकदी, एक अवैध तमंचा व चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अंश मिश्रा उर्फ राज मिश्रा व मोहम्मद असलम, निवासी लखपेड़ा बाग थाना कोतवाली नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने शहर में लूट व वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने इनके खिलाफ आरम्स एक्ट व बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लखनऊ कारागार में बंदी कमरूद्दीन की मौत

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला कारागार लखनऊ में निरुद्ध विचाराधीन बंदी कमरूद्दीन (उम्र लगभग 50 वर्ष), निवासी खाना बदोश फुटपाथ, थाना कोतवाली नगर, जनपद बाराबंकी की गुरुवार को केजीएमयू लखनऊ में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। वह कई स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित था तथा 14 मई से कारागार में निरुद्ध था। कारागार प्रशासन के अनुसार, बंदी को 5 जून को बलरामपुर चिकित्सालय भेजा गया था, जहाँ से उसे 7 जून को केजीएमयू रेफर किया गया। उपचार के दौरान 12 जून को अपराह्न 5:12 बजे उसकी मृत्यु हो गई। जेल प्रशासन का कहना है कि बंदी द्वारा बताए गए किसी परिजन से संपर्क नहीं हो पा रहा है और न ही कोई शव प्राप्त करने आया है। जिला कारागार अधीक्षक द्वारा बाराबंकी के जिला प्रशासन से मृतक के परिजन का पता लगाने और शव उनके सुपुर्द करने की मांग की गई।

डीसी मनरेगा ने किया निरीक्षण भारी अनियमितता मिली

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। ब्लॉक में मनरेगा के तहत विकास कार्यों का गुरुवार को डीसी मनरेगा बृजेश त्रिपाठी ने निरीक्षण किया। उन्होंने खुर्दमऊ में ब्लॉक सिरौलीगौसपुर के सामने हो रहे इंटरलॉकिंग कार्य का जायजा लिया। इसके बाद डूंडी का गढ़हा तालाब और विरौली तालाब का भी निरीक्षण किया।डीसी ने सभी कार्यों को मानक के अनुरूप करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गांव में ज्यादा से ज्यादा मजदूरों को रोजगार दिया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि कार्यों में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी।वर्तमान में बिरौली ग्राम पंचायत में जोखन तालाब पर 20 महिला और 10 पुरुष मजदूर काम कर रहे हैं। डूंडी ग्राम पंचायत में गाटा नंबर 1215 पर तालाब खुदाई कार्य में 38 पुरुष और 5 महिला मजदूर लगे हुए हैं।निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक अखिलेश वर्मा, पवन श्रीवास्तव, गजराज वर्मा, रेनू रावत एपीओ मनरेगा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किसान पथ पर अनियंत्रित ट्रक पलटा, चालक गंभीर

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी के गंगौली स्थित किसान पथ पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में पलट गया।हादसे में सीतापुर जनपद के थाना सदर निवासी चालक ललित गंभीर रूप से घायल हुए।ट्रक सफ़ेदाबाद से कोका-कोला कोल्डड्रिंक लेकर हरदोई जा रहा था। सूचना पर पहुंची कुर्सी पुलिस ने घायल चालक को लखनऊ स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

बाराबंकी : कुर्सी सीट पर अदनान चौधरी की दावेदारी फिर से मजबूत , जनता संवाद जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । विधानसभा चुनाव में अभी लगभग दो वर्ष का समय शेष है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में हलचलें तेज़ होती जा रही हैं। सभी प्रमुख दलों ने अभी से अपनी रणनीतियों पर काम शुरू कर दिया है, विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) जो पिछली बार कुर्सी विधानसभा सीट पर बेहद मामूली अंतर से हार का सामना कर चुकी है। ऐसे में पार्टी इस बार कोई चूक नहीं करना चाहती। पिछले चुनाव में कुर्सी सीट पर जीत से चूकने का सबसे बड़ा कारण टिकट वितरण में हुई रणनीतिक चूक मानी जाती है। क्षेत्रीय लोकप्रियता और मजबूत जनसमर्थन के बावजूद अदनान चौधरी को टिकट नहीं दिया गया। अदनान चौधरी उस समय कुर्सी विधानसभा में सपा का मजबूत चेहरा बन चुके थे – लगातार क्षेत्र में सक्रिय, जनसरोकारों से जुड़े और युवाओं की पहली पसंद। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने ऐन मौके पर रामनगर से दावेदारी कर रहे राकेश वर्मा को कुर्सी से उतार दिया, जबकि रामनगर से फरीद महफूज किदवई को मौका दिया गया। नतीजतन, फरीद किदवई ने भले ही अपनी सीट बचा ली, लेकिन कुर्सी समाजवादी पार्टी के हाथ से निकल गई। आज कुर्सी विधानसभा में जो माहौल बनता दिख रहा है, उसमें अदनान चौधरी का नाम एक बार फिर से जनता की ज़ुबान पर है। खासकर युवाओं और नगर पंचायत सुबेहा के लोगों में अदनान की पकड़ और लोकप्रियता देखते ही बनती है। सुबेहा के निवासी अदनान न केवल राजनीतिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी कुर्सी क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते रहे हैं। कुर्सी क्षेत्र में उनका निरंतर सक्रिय रहना, जनता से सीधे संवाद और जनहित की लड़ाइयों में उनकी भागीदारी ने उन्हें कुर्सी का सबसे प्रबल दावेदार बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यदि समाजवादी पार्टी इस बार अदनान चौधरी को कुर्सी से प्रत्याशी बनाती है, तो यह सीट पार्टी के पक्ष में जाना लगभग तय माना जा सकता है। क्षेत्र में समाजवादी झंडे को फिर से बुलंद करने के लिए अदनान जैसे ज़मीनी नेता की सख्त ज़रूरत है। खुद अदनान चौधरी भी पूरी विनम्रता से पार्टी नेतृत्व के निर्णय के प्रति समर्पित नजर आते हैं। उनका कहना है ''मैं हमेशा से समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता रहा हूं। जो भी जिम्मेदारी अखिलेश भैया मुझे देंगे, उसे मैं उनका आशीर्वाद मानकर पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। मेरी प्राथमिकता हमेशा जनता की सेवा और संगठन की मजबूती रही है।'' साफ है कि कुर्सी विधानसभा की राजनीति अब करवट लेने को तैयार है। जनता का झुकाव और कार्यकर्ताओं का समर्थन अदनान चौधरी के पक्ष में स्पष्ट रूप से झलक रहा है। अब देखना यह होगा कि समाजवादी पार्टी इस बार जनभावनाओं को कितना महत्व देती है और क्या कुर्सी सीट पर अदनान चौधरी को मौका देकर अपनी पिछली गलती सुधारती है या नहीं ।

जनता की पसंद के साथ साथ जरूरत बनते जा रहे हैं अदनान

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष और महिला टीमें

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, ''हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें। लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के ज़रिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा: मोर्कल

बेकेनहैम (कैंट)। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के अनुसार इंग्लैंड की परिस्थितियों में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम को लाल गेंद से खेलने का कम मौका मिला जिससे वह थोड़ा नर्वस हैं। नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारत पांच मैचों की श्रृंखला के साथ अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत करेगा। मोर्कल ने यहां भारत के अभ्यास सत्र से इतर कहा, ''मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण है और जब हम अभ्यास करते हैं तो इसमें निरंतरता होती है, मैदान के बाहर भी निरंतरता होती है। हमारे खिलाड़ियों को उस प्रक्रिया को ढूंढना होगा जो उनके खेल के अनुकूल हो। उन्होंने कहा, ''हमारे पास बहुत विविधता है। हमारे आक्रमण में विविधता है, हमारे पास अलग-अलग कौशल वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और साथ ही 'बेसिक्स' (बुनियादी चीजों) पर भी अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं। भारत ने आखिरी बार इस साल जनवरी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, मौजूदा टीम में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ी पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेलेंगे। मोर्कल ने कहा, ''कुल मिलाकर मैं अभी तक की तैयारी से बहुत खुश हूं। हमने हाल में लाल गेंद से कम क्रिकेट खेली है जिससे मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों ने जिस तरह से अभ्यास किया उसे देखकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''हमारे पास एक शानदार टीम है। यह बेहद ऊर्जावान है और आपको इसी की जरूरत है। आपको टेस्ट श्रृंखला में आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और टीम भावना रखनी होगी। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने टीम के अभ्यास सत्रों के संदर्भ में कहा कि अब तक परिस्थितियां काफी हद तक तेज गेंदबाजों के अनुकूल रही हैं। मोर्कल ने कहा, ''अब तक के दो दिन के अभ्यास में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए परीक्षा की घड़ी थी, जिससे उन्हें आगामी चुनौती के लिए तैयार होने में भी मदद मिली। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।

सप्तक तलवार चेक गणराज्य में संयुक्त 78वें स्थान पर

ब्रनो (चेक गणराज्य)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने निराशाजनक शुरूआत करते हुए यहां राइफ़ेनबैंक गोल्फ चैलेंज के पहले दिन एक ओवर 72 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 78वें स्थान पर हैं। तलवार को अगर कट में जगह बनानी है तो उन्हें दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत के इस खिलाड़ी ने शुरुआत बैक नाइन से की और 13वें तथा 17वें होल पर बोगी कर बैठे। वह चौथे होल में बर्डी बनाने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका के जोवन रेबुला पहले दौर के बाद एक स्ट्रोक से आगे चल रहे हैं। अमेरिका के जैक्सन पामर और स्पेन के सेबेस्टियन गार्सिया छह अंडर 66 का स्कोर बनाकर संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग का खिताब जीता

मुंबई। राजेश सुतार के अर्धशतक और अवैस नौशाद के उपयोगी योगदान से मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने फाइनल में सोबो मुंबई फाल्कन्स को पांच विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग का खिताब जीत लिया। मराठा रॉयल्स ने पहले गेंदबाजी करते हुए मुंबई फाल्कन्स को 20 ओवर में चार विकेट पर 157 रन पर रोक दिया और फिर सुतार के 49 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से बनाए गए 53 रन की बदौलत चार गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। नौशाद ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली और सुतार के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। इससे मराठा रॉयल्स की टीम 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 158 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। इससे पहले मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) और हर्ष अघव (नाबाद 45) की 49 गेंदों पर 85 रन की अटूट साझेदारी की मदद से मुंबई फाल्कंस ने चार विकेट पर 157 रन बनाए।

अवनि दूसरे स्थान पर, भारत की अन्य खिलाड़ियों की खराब शुरुआत

हुलेनकोर्ट (बेल्जियम)। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने चार अंडर 68 के स्कोर के साथ सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ शुरुआत की, जिससे वह हुलेनकोर्ट महिला ओपन के पहले दौर के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। अवनि ने दोपहर के समय अंतिम ग्रुप में खेलते हुए तीन बोगी के मुकाबले सात बर्डी लगाईं। ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट पहले दिन 67 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। अवनि और जर्मनी की हेलेन ब्रीम उनसे एक शॉट पीछे संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अवनि लेडीज यूरोपियन टूर की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सात भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं। अनुभवी दीक्षा डागर ने प्रतियोगिता के पहले दौर में पार 72 से शुरुआत की और वह 22वें स्थान पर हैं। अमनदीप द्राल और स्नेहा सिंह ने दो ओवर 74 का कार्ड खेला और वे संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। त्वेसा मलिक और वाणी कपूर ने 76 का स्कोर बनाया जिससे वे संयुक्त 89वें स्थान पर हैं। भारत की एक अन्य खिलाड़ी हिताशी बक्शी ने 79 का स्कोर बनाया और वह 125वें स्थान पर हैं।

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने गुजरात में 19.8 मेगावाट पवन ऊर्ज़ा क्षमता चालू की

नयी दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड (एसीएमई सोलर) ने गुजरात में 19.8 मेगावाट पवन ऊर्ज़ा क्षमता चालू कर दी है। इससे उसकी कुल परिचालन नवीकरणीय क्षमता बढ़कर 2,826.2 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसने गुजरात के शापुर में नियोजित 50 मेगावाट की परियोजना की 26.4 मेगावाट पवन ऊर्ज़ा क्षमता को मई में चालू कर दिया था। वर्तमान चरण में कंपनी ने अतिरिक्त 19.8 मेगावाट क्षमता चालू की है, जिससे पवन परियोजना की कुल चालू क्षमता 46.2 मेगावाट हो गई है। साथ ही इससे एक्मे सोलर की कुल परिचालन नवीकरणीय क्षमता बढ़कर 2,826.2 मेगावाट हो गई है। परियोजना के अगले कुछ दिन में पूरी तरह चालू होने की उम्मीद है।

गुजरात में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए एडीबी ने 10.997 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी एडीबी ने गुजरात को 10.997 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 927 करोड़ रुपये) के परिणाम-आधारित ऋण को मंजूरी देने की शुक्रवार को घोषणा की । इसका मकसद मजबूत एवं भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के माध्यम से वैश्विक औद्योगिक केंद्र बनने के गुजरात के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायता करना है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार, कौशल्या: द स्किल यूनिवर्सिटी (केएसयू) के सहयोग से राज्य के श्रम, कौशल विकास एवं और रोजगार विभाग द्वारा संचालित गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के कार्यबल को उद्योग-संरेखित, उन्नत कौशल से लैस करना है।

मार्को जेनसन में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बनने की सभी खूबियां: रिकी पोटिंग

एजेंसी

लंदन। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है और वह भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आलराउंडर बन सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोटिंग ने जेनसन की खूबियों को नजदीक से देखा। आईसीसी हॉल ऑफ फ़ेमर रिकी पोंटिंग ने कहा ़मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है। उन्होंने प्रोटियाज के लिए शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, कैगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक शानदार तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया। रबाडा ने लॉर्ड्स में एक और पांच विकेट लेकर अधिक तारीफ बटोरी, लेकिन जेनसन की गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली रही। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 14 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए और उनके विकेटों में मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड शामिल थे। दूसरे दिन फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के कारण उनका दिन खराब हो गया था, हालांकि इसके तुरंत बाद गेंदबाजी क्रीज पर वापस आकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे बेखौफ हैं और मार्नस लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर दिया। जेनसन अभी सिर्फ 25 साल के हैं। 2025 के आईपीएल में जेनसन ने पंजाब किंग्स के साथ अपना खेल दिखाया, लगातार सफल विकेट लिए और कभी-कभी महत्वपूर्ण रन भी बनाए। भारत में उनके घरेलू अभियान ने क्रिकेट के दिग्गज रिकी पोंटिंग को ऑलराउंडर के बारे में करीब से जानने का मौका दिया और पोंटिंग को इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की शानदार प्रतिभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन के बाद उन्होंने आईसीसी डिजिटल से कहा, वह काफी शांत स्वभाव के हैं। कुछ भी उन्हें बहुत प्रभावित नहीं करता। चाहे उनका दिन अच्छा रहा हो या बुरा, वह हमेशा एक जैसे ही रहते हैं। जिस तरह से वह खेल के बारे में सोचते हैं या जिस तरह से वह ड्रेसिंग रूम में रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अधिकांश दक्षिण अफ्रीकियों की तरह, आप देख सकते हैं कि उनके अंदर एक बेहद प्रतिस्पर्धी भावना है और एक बार जब वह मैदान पर उतरते हैं, तो खेल शुरू हो जाता है।ङ्क जेनसन ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच से पहले आईसीसी डिजिटल से कहा, ़मैंने उनसे (पोंटिंग) से बहुत कुछ सीखा है। खास तौर पर मानसिक दृष्टिकोण से। वह हमेशा सकारात्मक रहते है, वह हमेशा बुरी चीजों के बजाय अच्छी चीजों को देखने की कोशिश करते है। मुझे लगता है कि यही कारण है कि वह खेल का एक दिग्गज है। पोंटिंग को उम्मीद है कि जैनसन अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में अपने खेल को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि वह अगले कुछ वर्षों में दुनिया में टेस्ट मैच क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक होगा।

मां के बीमार होने के कारण भारत लौटे मुख्य कोच गौतम गंभीर

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने परिवार में आपात स्थिति के कारण शुक्रवार को स्वदेश लौट गये। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि गंभीर को अपनी मां से मिलने के लिए वापस जाना पड़ा, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के कारण नयी दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टेस्ट टीम 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए अभी ब्रिटेन में है। सूत्र ने कहा, ''हां। वह पारिवारिक आपातस्थिति के कारण भारत वापस लौट गए हैं। गंभीर की अनुपस्थिति में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे भारत और भारत ए के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के दौरान मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ''दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

एजेंसी

लंदन। टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी। टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीज़न की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं। फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं। टोटेनहम में उन्हें अब एक उच्च गुणवत्ता वाली टीम मिलेगी, हालांकि पिछला प्रीमियर लीग सीज़न ब्रेंटफोर्ड ने टोटेनहम से ऊपर खत्म किया था। साथ ही, वे पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग में कोचिंग करते नज़र आएंगे। इस लिहाज़ से टोटेनहम का यह फैसला थोड़ा जोखिमभरा भी माना जा रहा है, क्योंकि फ्रैंक ने अपने मैनेजेरियल करियर में अब तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है। हालांकि, 2019 के बाद से एंटोनियो कॉन्टे और जोसे मोरिन्हो जैसे विश्वस्तरीय मैनेजर भी टोटेनहम में सफलता नहीं दिला सके हैं, ऐसे में क्लब ने इस बार ऐसे कोच को मौका दिया है जिसके पास प्रीमियर लीग का अच्छा खासा अनुभव है।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्ज़ा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्ज़ा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्ज़ा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियानवित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्ज़ा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्ज़ा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्ज़ा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्ज़ा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्ज़ा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज़ करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्ज़ा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर : राजीव रंजन सिंह

एजेंसी

इन्दौर। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि दुनिया में मछली उत्पादन में भारत का स्थान दूसरा है। मछली उत्पादन मुनाफ़े का व्यवसाय है, जिसमें मछली उत्पादक अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकता है। इसके लिए मत्स्य उत्पादकों को शिक्षण और प्रशिक्षण के साथ तकनीकी जानकारी भी देना होगी। साथ ही उन्हें अच्छा बीज भी उपलब्ध कराना होगा। यदि हमें विटामिन और प्रोटीन उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो हमें मछली उत्पादन को अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। देश में मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की कई ऐसी योजनाएं है जिसका लाभ उठाकर मछली उत्पादक अपने व्यवसाय को एक नई ऊंचाई दे सकता है। बीते 10 वर्षों में भारत में मछली का उत्पादन 61 लाख टन से बढ़कर 147 लाख टन हुआ है। इसी अवधि में भारत ने मत्स्य उत्पाद का निर्यात 30 हजार करोड़ से बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये का हो गया है।

केन्द्रीय मंत्री शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में आयोजित इनलैंड फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर मीट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अहमदाबाद में हुई विमान त्रासदी में मृत यात्रियों एवं अन्य को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन राज्यमंत्री जार्ज कुरियन, केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, उत्तरप्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, मप्र के मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार, केन्द्र सरकार के पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी और संयुक्त सचिव सागर मेहरा सहित छतीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड आदि राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि असंगठित क्षेत्रों में जो मछली उत्पादक है, उन्हें संगठित क्षेत्रों में लाना है। मत्स्य सहकारी समितियों को और मजबूत करना होगा। सभी मत्स्य उत्पादकों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेना चाहिए। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न राज्य सरकार की योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री मीनाक्षी योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, अनुगृह सहायता योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मत्स्य उत्पादक उठायें। इन योजनाओं के माध्यम से मत्स्य उत्पादक अपने व्यवसाय को कई गुना आगे बढ़ा सकते हैं। हर राज्य मत्स्य किसानों को एक विस्तृत कार्य योजना बनाकर एनएफडीबी द्वारा प्रदाय निःशुल्क प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायें ताकि मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी हो। मत्स्य सहकारी समिति को मजबूत करना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए नेशनल फिश डिजिटल पोर्टल में किसानों का पंजीयन करायें। मत्स्य किसानों में जागरूकता फैलाये तथा राज्य सरकार मछली उत्पादन-उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष जोर दें तथा अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

केन्द्रीय राज्यमंत्री जार्ज कुरियन ने कहा कि देश में तीन करोड़ लोग मछली उत्पादन से जुड़े है। विश्व के कुल मत्स्य उत्पादन में भारत का आठ प्रतिशत योगदान है, जो कम नहीं है। मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार सतत प्रयासरत है। मछली उत्पादकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिलना चाहिए। केन्द्र सरकार प्रतिवर्ष मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। मछुआरों के बच्चों को शिक्षा के लिए भी सुविधाओं में और बढ़ोतरी होनी चाहिए।

केन्द्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि यदि हमें कृषि के क्षेत्र में किसानों की आय दुगुनी करनी है तो हमें मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन को बढ़ावा देना होगा। मछली उत्पादन के लिए हमें हर जिले में अमृत सरोवर की संख्या को बढ़ानी होगी। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि देश में छोटी-छोटी नदियां विलुप्त की कगार पर है, इस ओर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

मप्र के राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिये निरंतर प्रयासरत है। इसके लिये अनेक कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। भोपाल में हलाली क्लस्टर की स्थापना की जा रही है। इससे मत्स्य पालन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने मछुआरों के कल्याण और मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिये संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

उत्तरप्रदेश के मंत्री संजय कुमार निषाद ने कहा कि आज मछली के रूप में जिस तरह मत्स्य उत्पादकों की आर्थिक प्रगति हो रही है, यह एक शुभ संकेत है। जितने हम नये तालाबों का निर्माण करेंगे और उसमें वैज्ञानिक तरीके से मछली उत्पादन करेंगे, उतना ही हमारे मत्स्य पालक लाभान्वित होंगे। बीते 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने मछली उत्पादन में एक नया रिकार्ड हासिल किया है। इस बार मत्स्य उत्पादन लक्ष्य 28 हजार करोड़ रुपये का रखा गया है। मत्स्य उत्पादक व्यवसाय एक दशक पहले तक उपेक्षित सा था। केन्द्र सरकार और उत्तरप्रदेश सरकार के प्रयासों के बाद आज यह विभाग आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न हो गया है।

बिहार की मंत्री रेणु देवी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में बिहार ने मछली उत्पादन के क्षेत्र में एक विशेष पहचान बनायी है। बिहार में न केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ा बल्कि कई राज्यों में बिहार की मछलियों से आपूर्ति हो रही है। बिहार सरकार द्वारा मत्स्य उत्पादकों के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ मछुआ समुदाय को दिया जा रहा है।

हरियाणा के मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि खारे पानी में मत्स्य उत्पादन की संभावना अधिक है। अगर राज्य में प्रसंस्कृत उद्योग लगाये जाये तो मत्स्य उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। यहां झिंगा उत्पादन अधिक हो रहा है। साथ ही मत्स्य उत्पादन के लिए किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। राष्ट्रीय कृषि विकास भूमि योजना के तहत सफ़ेद झिंगा पालन अमल में लाया गया है।

इसके साथ ही कार्यक्रम में बताया गया कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज से जुड़ी इस तरह की मीट देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। इस मीट का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस मीट में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियां नहीं करते हैं। केन्द्रीय एवं राज्यों के मंत्रियों, प्रतिनिधियों ने ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और मत्स्य उत्पादकों से संवाद भी किया। प्रदर्शनी में मछली उत्पादन से जुड़े विभिन्न चित्रों एवं ऑडियो-वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

नए कलेवर में नजर आ रहे सीमा प्रहरी

जैसलमेर। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में भी बदलाव का दौर जारी हो चुका है। फ्रंट लाइन ऑफ डिफेंस कही जाने वाले बीएसएफ के जवान अब नए कलेवर में नजर आ रहे हैं। बीएसएफ की वर्दी में अब बदलाव किया गया है। नई ड्रेस दिखने में आकर्षित होने के साथ-साथ काफी सुविधाजनक भी है। बीएसएफ नार्थ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि नई ड्रेस डिजिटल पैटर्न की है। इसे लूज और टाइट आसानी से किया जा सकता है। इसके अलावा पुरानी ड्रेस के कपड़े की मोटाई बहुत ज्यादा थी। इस कपड़े की मोटाई कम है, जिससे भीषण गर्मी में ये कपड़ा आरामदायक रहेगा। इस ड्रेस की खासियत है कि इसे रजिस्टर्ड पेटेंड करवाया गया है ताकि कोई इसकी कॉपी तथा सिलाई नहीं करवा पाएंगे। इसके अलावा इसे तीन पैटर्न में बांटा गया है जोकि अलग-अलग परिस्थितियों में अलग अलग पहनी जाएगी।

भाजपा सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ करेंगे अमित शाह, समापन में रक्षा मंत्री रहेंगे मौजूद

भोपाल, 13 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनावों की तैयारी के मद्देनजर अपने जनप्रतिनिधियों को सशक्त और कुशल बनाने के लिए विशेष तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रही है। यह शिविर 14 से 16 जून तक पचमढ़ी में आयोजित होगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल होंगे। साथ ही सांसदों और विधायकों को प्रशिक्षित करेंगे। समापन कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में मीडिया से कहा कि 14 से 16 जून तक सांसद-विधायकों का नियमित प्रशिक्षण वर्ग शनिवार को पचमढ़ी में शुरू होगा। यह नियमित प्रशिक्षण वर्ग है और इसमें 201 कार्यकर्ता प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे और 16 जून को प्रशिक्षण वर्ग का समापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सीआर पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, सावित्री ठाकुर, एल. मुरुगन, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह अलग-अलग सत्रों को संबोधित करेंगे। साथ ही सभी सांसद-विधायक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे। वर्ग में सैद्धांतिक, व्यावहारिक सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। प्रशिक्षण वर्ग में एक प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण सहित जनसंघ से लेकर अभी तक की हमारी पार्टी की यात्रा को लेकर संगठनात्मक आधार पर प्रदर्शनी भी लगेगी। गौरतलब है कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में सभी विधायक, सांसदों और राज्य सरकार के मंत्रियों को अलग-अलग सत्रों में पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और यात्रा की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी में ठहरेंगे और सुबह से शाम तक अलग-अलग सत्रों में प्रशिक्षण लेंगे। आज रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान दुर्घटना में बड़ी संख्या में भाई-बहनों की दुखद मृत्यु बहुत ही असहनीय है और इससे पूरा देश स्तब्ध है। मैं भारतीय जनता पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस कठिन समय में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ है। कांग्रेस पर साधा निशाना मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि मूंग खरीदी को लेकर कांग्रेस किसी भी हद तक लड़ाई लड़ेगी। हम देश के कृषि मंत्री के बंगले के बाहर मूंग की बोरी लेकर जाएंगे और चक्की से उनकी छाती पर मूंग दलेंगे।

पेज एक का शेष

कल...

(डीजीसीए), यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टीगेशन ब्रांच (यूके-एएआईबी) यूनाइटेड स्टेट्स की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), फ़ेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) शामिल हैं।

राज्य सरकार ने उन जिलों/शहरों के कलेक्टरों को परिजनों से संपर्क साधने और उन्हें जरूरी सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया है, जहां विमान हादसे के शिकार होने वाले यात्री रहते थे। साथ ही संचार योजना के तहत विशेष टीमों का गठन कर परिजनों की काउंसलिंग और मनोबल मजबूत करने को कहा है।

उन्होंने तबाही के मंजर को बेहद दुखद बताया और कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि जाने वाले पीछे खालीपन छोड़ गए हैं। इस खालीपन को आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा।

वहीं हादसे में ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल के नागरिकों ने भी जान गंवाई है। विदेश मंत्री ने इन देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क साधा है और संवेदना प्रगट की है। एक्स पर उन्होंने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी, पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रंगेल और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के संपर्क में हैं। उन्होंने इन नेताओं से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और दुख की इस घड़ी में पूरा समर्थन देने की पेशकश की है। उल्लेखनीय है कि कल अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान उड़ान के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद अब एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के सभी विमानों की जांच होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को बोइंग 787-8/9 बेड़े के सभी विमानों को 'ग्राउंडेड' करके 15 जून से जांच में सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने का आदेश दिया है। इस विमान हादसे में लगभग 265 लोग मारे गए थे।

डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, ''निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करे।'' विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00:00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है।

विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हादसे के बाद कल ही यहां पहुंच गए थे। उन्होंने दुर्घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा था कि शवों की पहचान के लिए 1000 से ज्यादा डीएनए टेस्ट किए जाएंगे। गुजरात के पास इतनी बड़ी संख्या में टेस्ट की कैपेसिटी है। बताया गया है कि विमान दुर्घटनास्थल के पास एक छात्रावास में रहने वाले बीजे मेडिकल में अध्ययनरत चार डॉक्टर राकेश देवड़ा (द्वितीय वर्ष), आर्यन राजपूत (प्रथम वर्ष), मानव भादू (प्रथम वर्ष), जयप्रकाश चौधरी (द्वितीय वर्ष) की मृत्यु हो चुकी है। दो मेडिकल छात्र भावेश सेहता और आशीष मीना लापता हैं।

दुर्घटनास्थल के पास की तीन इमारतें पूरी तरह जल चुकी हैं। एक इमारत ढहने की स्थिति में आ गई है। हुआ यूं था कि कल दोपहर 1.38 बजे के एअर इंडिया - 171 ने सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के लिए उड़ान भरी। इसके कुछ देरबाद उड़ान दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत कुल 230 यात्री सवार थे, जिनमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल थे। बाकी 12 क्रू मेंबर थे। इस विमान में क्रू मेंबर और यात्रियों समेत 241 लोगों की मौत हो गई है। जिस मेडिकल हॉस्टल की इमारत से विमान टकराया है, उसके 50 इंटर्न डॉक्टर और स्टाफ भी मारे गए हैं।

स्मृति शेष पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी पर इस समय पंजाब भाजपा का प्रभार था। रूपाणी का जन्म 02 अगस्त 1956 को बर्मा के रंगून में हुआ था। राजकोट (गुजरात) में बसने के बाद वह 1971 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। रूपाणी ने संगठन और सरकार में अलग-अलग पदों पर काम किया। उन्होंने पार्षद के तौर पर शुरुआत की और मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे।

इस हादसे ने 37 साल पहले मुंबई से अहमदाबाद आ रहे इंडियन एयरलाइंस विमान हादसे की याद दिला दी है। यह अहमदाबाद में उतरते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। सनद रहे इंडियन एयरलाइंस और एअर इंडिया का विलय 2007 में हुआ था। 19 अक्टूबर 1988 को सुबह 6:05 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान में 135 लोग सवार थे, जिनमें से 133 की मौत हो गई थी। यह हादसा इंडियन एयरलाइंस के इतिहास का सबसे भयानक और भारतीय विमानन इतिहास का चौथा सबसे बुरा हवाई हादसा था।

मोदी...

की जान बचने से परिवार को थोड़ी राहत है, लेकिन अजय की जानकारी न मिलने से सभी परेशान हैं। माता-पिता और पत्नी गहरे सदमे में हैं। मोहल्ले में मातम पसरा है और पड़ोसी व रिश्तेदार भी इस घटना से बेहद दुखी हैं।

प्रधानमंत्री...

क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और परिजनों का ढांढस बंधाया। दुर्घटना में घायल हुए चिकित्सकों और हेल्थकेयर वर्कर्स से भी प्रधानमंत्री ने मुलाकात की और उपचार कर रहे डॉक्टरों से मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर हादसे के बाद की परिस्थितियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अगले...

को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में मानसून पहुंच जाएगा। इसके साथ अगले पांच दिनों में गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

13-17 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अत्यधिक भारी वर्षा के साथ मानसून सक्रिय चरण में रहने की संभावना है।

आबकारी घोटाला ...

गया कि भवन की खरीद-फरोख्त में शराब घोटाले की रकम का इस्तेमाल किया गया। ईडी ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई करते हुए इसे अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए जब्त किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी नेता कवासी लखमा पहले से ही आबकारी घोटाले में गिरफ्तार होकर 16 जनवरी से न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के के अनुसार, हरीश लखमा पर अपने पिता के प्रभाव का उपयोग कर सरकारी शराब ठेकों और टेंडर प्रक्रिया में घोटाले को अंजाम देने का आरोप हैं।

इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि यह केंद्र सरकार की राजनीतिक बदले की कार्रवाई है और विपक्षी दलों को दबाने की कोशिश है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईडी की कार्रवाई को 'लोकतंत्र पर हमला' बताया है।-

पढ़े-लिखे...

का भी आयोजन किया गया है, जिसमें कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दिया जा रहा है। इस कार्यशाला में अधिकारियों को सीएम युवा पोर्टल को और अधिक यूजर फ्रेंडली और उपयोगी बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। 53 हजार से ज्यादा युवाओं के ऋण आवेदन किए गए स्वीकृत

उन्होंने बताया कि सीएम युवा योजना अब नौकरी ढूंढने के दौर को बदलते हुए नौकरी देने वाले युवाओं को तैयार कर रही है। इसके तहत अब तक 53 हजार से अधिक युवाओं के ऋण आवेदनों को स्वीकृत करते हुए 40 हजार को लोन वितरित भी किया जा चुका है। योजना के माध्यम से लोन के लिए अब तक 2.5 लाख युवाओं ने आवेदन किया है, जिनमें से 1.10 लाख से अधिक आवेदनों को बैंकों को फॉरवर्ड किया गया है। इस योजना में बड़ी संख्या में महिलाएं, ओबीसी, एससी और अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं ने भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है और इसका लाभ भी लिया है। केक मैन्युफैक्चरिंग, लॉन्ड्री, डिजिटल मार्केटिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, मिनरल वाटर प्लांट, टैटू स्टूडियो और सोलर पैनल इंस्टॉलेशन जैसे विविध क्षेत्रों में ब्याज मुक्त ऋण के माध्यम से युवा उद्यमी आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहे हैं।

इजरायली ...

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख और एयरोस्पेस फोर्स कमांडर अमीर अली हाजीजादेह भी शामिल हैं- वहीं ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि तेहरान पर इजरायली हवाई हमलों में 78 लोग मारे गएए 329 घायल हुए हैं। तेहरान पर हुए इन हमलों के तुरंत बाद ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चल रही परमाणु वार्ता से औपचारिक रूप से पीछे हटने की घोषणा कर दी है ईरानी विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस तरह के आक्रामक और उकसावे वाले कृत्यष के बाद कोई भी बातचीत का आधार नहीं बचता इस पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ईरान के पास अभी भी एक दूसरा मौका है अगर वे समझौता करना चाहें इस बयान को अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों ने तनाव को और भड़काने वाला बताया हैए

वरिष्ठ अधिकारियों की मौत, नई नियुक्तियां

इस हमले में ईरान के तीन शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि हुई है इनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख रणनीतिक योजना प्रमुख और ईरानी एयर डिफेंस यूनिट के प्रमुख शामिल हैं। इसके बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने इन तीनों पदों के लिए नए स्थायी नियुक्तियों की घोषणा कर दी है। हालांकि नामों का आधिकारिक ऐलान अभी नहीं हुआ है। लेकिन सूत्रों के अनुसार सभी नियुक्त अधिकारी रिवोल्यूशनरी गार्ड से ही जुड़े हैं और पहले भी पश्चिमी देशों के खिलाफ आक्रामक रुख के लिए जाने जाते रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र ने इस हमले को लेकर गंभीर चिंता जताई है और दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है। वहीं रूस और चीन ने भी इजरायली कार्रवाई की आलोचना करते हुए ईरान के साथ एकजुटता प्रकट की है। क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं बल्कि भविष्य के लिए गंभीर संघर्ष का संकेत है। इस हमले के बाद पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव और अधिक बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

भारत...

अधिक न बिगाड़ें। भारत ने कहा कि मौजूदा संवाद और कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर इस संकट को सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि भारत के ईरान और इजराइल दोनों से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। सरकार ने बताया कि दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं। सभी भारतीयों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री ने बताया कि देश ने ल्रराइजिंग लायनङ्क नामक एक सैन्य अभियान शुरू किया है। उन्होंने इसे ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

चिकित्सा...

के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया।

इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा यह सम्मेलन एक अग्रणी पहल है, जो तीन प्रमुख क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने का प्रयास करता है जिसमें शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवा; और शासन -रोगी सुविधा शामिल है। नड्डा ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का सामना करने के लिए डॉक्टरों को तैयार करने में एम्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि ल्रशिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में, योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम को अपनाना, डिजिटल शिक्षण में निवेश, अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाएं और मेंटरशिप कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नए एम्स क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक अध्ययनों, नैतिक नैदानिक परीक्षणों और अनुवाद संबंधी शोध के माध्यम से भारत की वैज्ञानिक प्रगति में तेजी से योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और कन्या उत्थान के लाभुकों के खाते में भेजा 271 करोड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लाभुकों के खाते में 271 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस कार्यक्रम में पांच सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के कुल 61 लाख 29 हजार 548 लाभुकों को 254 करोड़ 45 लाख 5 हजार 900 रुपये तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के 85 हजार 556 लाभुकों को 16 करोड़ 70 लाख 33 हजार रुपये की राशि हस्तंतरित की गयी । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कुल 62,15,104 (बासठ लाख पन्द्रह हजार

एक सौ चार) लाभुकों को 271,15,38,900 (दो सौ एकहत्तर करोड़ पन्द्रह लाख अड़तीस हजार नौ सौ) रुपये की राशि हस्तानांतरित की गयी है, जिसमें इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना तथा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार की ओर से 93.50 करोड़ तथा राज्य सरकार की ओर से 87.55 करोड़ की राशि शामिल है। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, बिहार निःशक्तता योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना अन्तर्गत राज्य सरकार की ओर से कुल 90.08 करोड़ की राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 9 लाख 64 हजार 220 लाभार्थियों को 38 करोड़ 68 लाख 95 हजार 600 रूपये की राशि राज्य सरकार की तरफ से हस्तांतरित की गयी है। लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 8 लाख 63 हजार 76 लाभार्थियों को राज्य सरकार की तरफ से 34 करोड़ 69 लाख 19 हजार 600 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 35 लाख 59 हजार 667 लाभार्थियों को केन्द्र की तरफ से 75 करोड़ 66 लाख 14 हजार 550 रूपये तथा राज्य सरकार की तरफ से 75 करोड़ 66 लाख 14 हजार 550 रूपये की राशि हस्तांतरित की गयी है।

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को पकड़ा, अब तक 145 पर हुई कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। पकड़ी गई महिला कुलसुम बेगम (23) बांग्लादेश के ग्राम जमरिलडांगा की रहने वाली है। वह भारत में घुसपैठ कर जंगल के रास्ते से दिल्ली पहुंची थी। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई हो चुकी है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने शुक्रवार को बताया कि यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस नीति' का हिस्सा है, जिसमें अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ के बाद उसको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय

के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जल्द ही बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। पुलिस अधिकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत थाना वसंत कुंज साउथ की टीम ने 11 जून 2025 को इलाके में डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन शुरू किया। इसी दौरान कुलसुम बेगम को पकड़ा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में दाखिल हुई थी। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताओं के बाद उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया। वहीं दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने 26 दिसंबर 2024 से शुरु हुए इस अभियान के तहत अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों को ट्रेस कर हिरासत में लिया है।

कारोबारी के घर 20 लाख के आभूषण चोरी मामले में पुलिस का हाथ खाली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज के प्रमुख कारोबारी जेठमल बैद के बंद घर में करीबन 20 लाख रूपये मूल्य के आभूषण की चोरी मामले में घटना की 15 दिनों के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं।जिसको लेकर थाना क्षेत्र के मानिक चंद रोड वार्ड संख्या 10 निवासी पीड़ित कारोबारी जेठमल बैद पिता स्व.रूपचंद बैद ने पुलिसिया तफ्तीश और कार्रवाई पर सवाल खड़ा किया है। पीड़ित कारोबारी जेठमल बैद ने बताया कि पिछले माह 28 मई को वे किशनगंज से फारबिसगंज स्थित अपने घर पहुंचा था तो उसके फ्लैट का मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर जाने पर पत्नी के कमरे का ताला टूटा और तीनों आलमारी खुली हुई थी। साड़ी कपड़े सहित बेशकीमती समानों के साथ करीबन 15 से 20 लाख रूपये मूल्य के स्वर्णाभूषण को गायब पाने के बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किरायेदार सहित अन्य लोगों से पूछताछ की बाद चोरी की घटना को सही पाया था। नीचे रहने वाले दरबान ओम पासवान ने दो लोगों को लेकर जानकारी पुलिस को दी थी।जिसमें उन्होंने दो में से एक बिजली मिस्त्री मियांहाट के सुरेश साह पिता हरिश्चंद्र साह को पहचानने का दावा किया था।मामले में फारबिसगंज थाने कांड संख्या 271/25 भी दर्ज किया गया है।पीड़ित कारोबारी ने बताया कि घटना के इतने दिनों के बावजूद पुलिस ने किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की।उन्होंने पुलिस पर मामले की उद्भेदन में अभिरुचि नहीं लेने की बात करते हुए वरीय अधिकारियों से मिलने और न्याय को लेकर लड़ाई लड़ने की बात कही।उन्होंने कहा कि केस के उठाव को लेकर उन्हें हरिजन केस के झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रहे हैं।

मेला अधिकारी व डीएम ने अर्द्ध कुम्भ एवं हरिद्वार के चहुंमुखी विकास के लिए प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा मेला अधिकारी सोनिका ने शुक्रवार को सीसीआर सभागार में अर्द्ध कुम्भ एवं हरिद्वार के चहुंमुखी विकास के लिए प्रस्तावित कार्यों समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि प्रस्तावित पं. दीन दयाल मल्टीलेवल पार्किंग का कार्य मेले तक पूरा होने की दिशा में ही शुरू किया जाये अन्यथा अभी कार्य शुरू न किया जाये ताकि मेले के दौरान पार्किंग स्थलों की कमी न हो। उन्होंने कहा कि सती कुण्ड सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर कार्य करने से पहले उनका पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक महत्व का अध्ययन करते हुए उनकी गरिमा के अनुरूप ही कार्य किये जायें। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में कोई डुप्लीकेसी न हो तथा कार्यों में डुप्लीकेसी न होने के सम्बन्ध में लिखित में प्रमाणपत्र दिया जाये। सभी स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक कर ली जाये। उन्होंने कहा कि रोड प्लान में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि जनता के आवागमन में किसी भी प्रकार की समस्या न हो तथा यातायात पहले से पहले की तुलना में सरल, सुखद व सुरक्षित हो। उन्होंने निर्देश दिये कि रोड प्लान के लिए पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित किया जाये। सभी कार्यों का प्रोपर डॉक्यूमेंटेशन किया जाये। सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए पुरानी पद्धति पर न चलकर नवीनतम तकनीकियों का सहयोग लिया जाये तथा अधिक से अधिक मशीनी पॉवर का उपयोग किया जाये। वेस्ट जनरेशन से निस्तारण स्थल तक की समुचित कार्य योजना तैयार की जाये। बैठक में सिंचाई विभाग के अभियन्ताओं ने घाटों के निर्माण, टीम लीडर सुनील गुप्ता ने शंकराचार्य चौक से सीसीआर तक रोड़ निर्माण कार्य, हरकी पौड़ी, सुभाष घाट, मालवीय दीप, ब्रहमकुण्ड, कंागड़ा घाट सौन्दरीकरण एवं पुनरोद्धार, 10 जंक्शनों के ज्योमेट्रिक पुनरोद्धार, कल्चरल हब एण्ड चण्डी घाट सहित, पार्किंग, सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट आदि के बारे में विस्तार से जानककारी दी। बैठक में नगर आयुक्त नन्दन कुमार, उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियन्ता दीपक कुमार, अधिशासी अभिययन्ता जल निगम आर.गुप्ता सहित मेहुल शर्मा, रश्मि व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएफ ने दो आरोपियों को पिस्तौल के साथ पकड़ा

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), अमृतसर के साथ एक संयुक्त अभियान के तहत गुरदासपुर जिले में डीबीएन-फतेहगढ़ चूड़ियां रोड से सटे एक इलाके के पास दो अपराधियों को पकड़ा और उनके पास से दो पिस्तौल एवं एक बाइक जब्त की।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि गुरदासपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में संदिग्धों की आवाजाही के बारे में विशेष इनपुट के आधार पर ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। बीएसएफ और एएनटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा की गई बुद्धिमानीपूर्ण निगरानी, ??रणनीतिक स्थिति निर्धारण और चतुराई से की गई गतिविधियों पर नज़र रखने के परिणामस्वरूप दो अपराधियों को दो पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल के साथ सफलतापूर्वक पकड़ा गया।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनों अपराधी तरनतारन के निवासी हैं। इसके अलावा, उनके संबंधों और मकसद का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अमृतसर में साढ़े चार किलोग्राम हेरोइन बरामद दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), बॉर्डर रेंज, अमृतसर ने सीमा पार से नार्को-तस्करी करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ कर दो तस्करों को गिरफ्तार करके उनके पास से 4.5 किलोग्राम हेरोइन और 11 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान गुरभेज सिंह उर्फ भेजा और अभिजीत सिंह उर्फ हैप्पी के तौर पर हुई है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गुरभेज पाकिस्तान स्थित तस्कर राणा के सीधे संपर्क में है और खेप की डिलीवरी का समन्वय करता है। दोनों आरोपी हेरोइन बेचने की कोशिश करते हुए पकड़े गए। डीजीपी ने कहा कि इस संबंध में पुलिस थाना एएनटीएफ, एसएएस नगर में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दिव्यांग संस्था ने दिव्यांगजन कल्याण के अध्यक्ष को सौंपा मांग पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कोशी क्षेत्रीय विकलांग, विधवा, वृद्ध कल्याण समिति एवं बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड के सदस्य शिव शंकर रमानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिला अतिथि गृह में बिहार सरकार के दिव्यांगजन कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चंद्रवंशी से मुलाकात की। इस दौरान दिव्यांगों की समस्याओं से संबंधित एक तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। बोर्ड के सदस्य रमानी ने कहा कि दिव्यांग अधिकार एवं अधिनियम 2016 को जिला के ऐसे कार्यालयों में लागू किया जाए जहां दिव्यांगों की समस्या का समाधान होता हो। इसके अलावा, दिव्यांग विधवा और वृद्धों को महंगाई को देखते हुए पेंशन

की राशि ?400 से बढ़ाकर ?3000 प्रति माह करने की मांग की गई। साथ ही, बिहार के सभी सदर अस्पतालों में भारत सरकार द्वारा घोषित 21 श्रेणी के दिव्यांगों का दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण हेतु चिकित्सक एवं विशेषज्ञ चिकित्सक बहाल करने की मांग की गई। दिव्यांगजन कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सभी मांगों को जायज बताया जाएगा और बिहार सरकार से बात कर एवं विधान परिषद में इन मांगों को उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की हर समस्या को विधान परिषद में उठाया जाएगा और बारीकी से एक-एक बिंदु पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर शिव शंकर रमानी के अलावा संस्था के जिला मीडिया प्रभारी विजय कुमार, कटिहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अखिलेश कुमार यादव, संगीता देवी, जूली शर्मा, मोनिका कुमारी, मोहम्मद लोको, प्रशांत कुमार, शेर अली, लक्ष्मी देवी, अशोक राय, मोहम्मद अली हक, सुलेखा देवी आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल थे।

राजद नेता ने एसडीओ को समस्याओं के निराकरण को लेकर सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज शहर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रधान महासचिव इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी रंजित कुमार रंजन को एक ज्ञापन सौंपा। राजद नेता इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने बताया कि शहर में निर्माण कार्य अनियोजित एवं अव्यवस्थित ढंग से हो रहा है। जिससे एक ओर जहां सरकार को राजस्व की हानि हो रही है।वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों को आए दिन अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शहर के समुचित विकास हेतु मास्टर प्लान के तहत विकास कार्यों की रूपरेखा तय किए जाने की आवश्यकता जताई। अग्रवाल ने बताया कि शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। प्रशासन को चाहिए कि वह इस दिशा में न केवल ठोस प्रबंध करे, बल्कि आम नागरिकों में जागरूकता भी लाए। उन्होंने कहा कि गर्मियों के दौरान आसपास के विभिन्न पंचायतों से लोग शहर में अपने कार्यों के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें अधिकांश समय जाम में ही बिताना पड़ता है, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती है,बल्कि जनजीवन भी प्रभावित होता है। अग्रवाल ने विशेष आग्रह करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी से अनुरोध किया कि एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अनुमंडल सभागार में किया जाए, जिसमें प्रशासन, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक एक साथ बैठकर शहर की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा कर सकें, ताकि प्रशासन को ज़मीनी स्तर की जानकारी प्राप्त हो और तदनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

मंडल कारा में विचाराधीन कैदी की मौत, परिजन ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया

सहरसा। मंडल कारा में विचाराधीन कैदी विशुनदेव शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक सत्तर कटैया वार्ड 11 निवासी था और तीन माह पूर्व से मारपीट के एक मामले में जेल में बंद था। मामले के संबंध में बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे कैदी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।हालांकि, जेल प्रशासन का दावा है कि विशुनदेव की मौत इलाज के दौरान हुई।जबकि डॉक्टर का कहना है कि अस्पताल लाए जाने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी और वह मृत अवस्था में लाए गए थे। मृतक के परिजन ने जेल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अगर विशुनदेव की तबीयत खराब थी तो परिजन को पहले सूचना क्यों नहीं दी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों पर, 21 दिवसीय योग शिविर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की तैयारी को लेकर प्रकृति योग शक्ति संस्था के तत्वावधान में 21 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर इस वर्ष सलेमपुर भूमिया खेड़ा मंदिर पार्क में चलाया जा रहा है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग सुबह योगाभ्यास कर लाभ उठा रहे हैं। संस्था के संस्थापक और योगाचार्य रामकुमार चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर लगातार पांचवीं बार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम भर नहीं, बल्कि यह संपूर्ण जीवन को दिशा देने वाला विज्ञान है। ''योग में इतनी शक्ति है कि व्यक्ति की सोच, आचरण और चरित्र तक बदल सकता है। यदि समाज में हर व्यक्ति योग को अपनाए, तो अपराधों में भी उल्लेखनीय

कमी आ सकती है। योगाचार्य रामकुमार चौहान ने यह भी बताया कि योग से न केवल शारीरिक लाभ मिलते हैं, बल्कि मानसिक और आत्मिक स्तर पर भी शुद्धता आती है, जिससे व्यक्ति हर कार्य में सफलता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और योग के प्रचार-प्रसार में योगदान दें। शिविर के 13वें दिन बतौर मुख्य अतिथि इंजीनियर राकेश सैनी ने शिरकत की। इस अवसर पर कई गणमान्य जन उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से सुरेश चंद्र सैनी, राजकुमार सैनी, मनोज शर्मा, सुलेख चंद सैनी, कपिल शर्मा, श्याम सिंह, नाथीराम सैनी, मास्टर जितेंद्र ठाकुर और दिलीप तिवारी शामिल रहे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या के आरोप में दो निहंग गिरफ्तार

बठिंडा। पंजाब में पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की हत्या के आरोप में शुक्रवार को दो निहंगों को गिरफ्तार किया। कमल कौर बुधवार को बठिंडा-चंडीगढ़ राजमार्ग पर भुच्चो कलां में आदेश विश्वविद्यालय के बाहर खड़ी अपनी कार में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई थीं। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमनीत कोंडल ने कहा कि हत्या के आरोप में जसप्रीत सिंह और निमरतजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरे आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरोन की तलाश जारी है, जो फरार है। एसएसपी ने कहा, कंचन की गला घोंटकर हत्या की गई,उन्होंने अपराध को 'अनधिकृत नैतिक पुलिसिंग' का परिणाम बताया। प्रारंभिक जांच के दौरान, गिरफ्तार आरोपियों ने कहा कि उन्होंने अनैतिक सामग्री अपलोड करने के लिए कंचन की हत्या की,जिससे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची। एसएसपी ने कहा कि मेहरोन ने पिछले हफ्ते एक बिजनेस मीटिंग के बहाने कंचन से संपर्क किया था और उसे एक प्रमोशन इवेंट में शामिल होने के लिए बठिंडा बुलाया था। वह नौ जून को अपराह्न 3.30 बजे जसप्रीत और निमरतजीत के साथ लुधियाना में अपने घर से निकली तथा कुछ घंटों बाद उसकी कार में कमरबंद से गला घोंटकर हत्या कर दी गई।

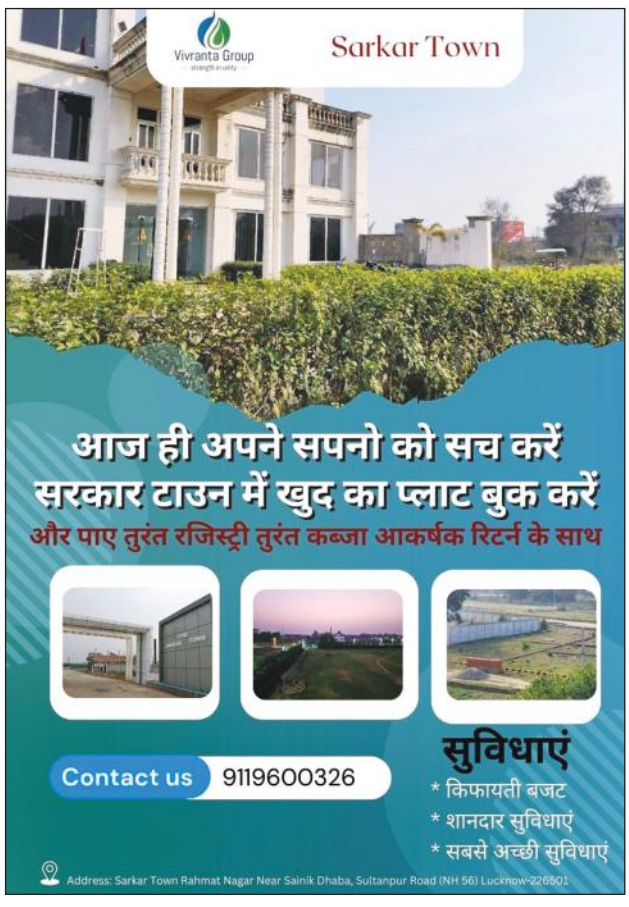

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063